आज का विचार

जीवन में पछतावा करना छोड़िए। कुछ ऐसा करिए कि आपको छोड़ने वाला जीवन भर पछताए।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

5

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । शुक्रवार, 15 मई, 2026 वर्ष 24, अंक 116, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

निकाय चुनावों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत विकास और सुशासन की राजनीति पर जनता की मुहर: नायब सिंह सैनी

सीएम बोले- हरियाणा की जनता ने ट्रिपल इंजन सरकार को चुना, विकास मॉडल पर जताया भरोसा; सत्ता नहीं, सेवा का संदेश है जनादेश

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़/पंचकूला

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक और एकतरफा जीत इस बात का स्पष्ट संकेत है कि हरियाणा की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास, सुशासन, पारदर्शिता और राष्ट्रवाद की राजनीति को खुले दिल से स्वीकार किया है। उन्होंने इस ऐतिहासिक विजय के लिए प्रदेशवासियों का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री पंचकूला में आयोजित नगर निकायों के नव-निर्वाचित मेयर, चेयरमैन एवं पार्षदों के सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने भाजपा के समर्पित कार्यकताओं का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने भीषण गर्मी के बावजूद सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता ने निकाय चुनावों में कांग्रेस की परिवारवाद, झूठ, भ्रम और नकारात्मक राजनीति को पूरी तरह नकारते हुए भाजपा के विकास मॉडल पर अपनी मुहर लगाई है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार कर हुए कहा कि निकाय चुनावों में जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है कि उन्हें केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि परिणाम चाहिए; केवल वादे नहीं, बल्कि काम चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों ने विकास को ध्यान में रखते हुए नगर निकायों में ट्रिपल इंजन सरकार बनाने का कार्य किया है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा की जनता द्वारा भाजपा को मिला समर्थन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गरीब कल्याण नीतियों, अंत्योदय की भावना तथा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के

मंत्र की जीत है। उन्होंने कहा कि आज देश का गरीब, किसान, युवा, महिला, व्यापारी और कर्मचारी वर्ग प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रहा है। यही कारण है कि देशभर में भाजपा लगातार जीत का परचम लहरा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिसार, गुरुग्राम, यमुनानगर और फरीदाबाद नगर निगम चुनावों के साथ-साथ अब पंचकूला, अंबाला और सोनीपत निगम चुनावों में भी जनता ने भाजपा को एकतरफा समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि निगम, परिषद और पालिका चुनावों में लोगों का विश्वास लगातार भाजपा की विकासात्मक नीतियों में बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला है। भारत ने विश्व पटल पर नई ऊंचाइयों को छुआ है, वहीं हरियाणा ने भी विभिन्न क्षेत्रों में नए आयाम स्थापित किए हैं। केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी नीतियों से गरीब और किसान सशक्त हुए हैं तथा महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। हाल ही में असम और पश्चिम बंगाल के चुनावों में हुई जीत का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम की डबल इंजन सरकार के विकास कार्यों को बंगाल की जनता ने भी सराहा और भाजपा के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनावों में पंजाब की जनता भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर भरोसा जताते हुए कमल का फूल खिलाएगी। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल कौशिक, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री विपुल गोयल, लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा, सहकारिता मंत्री डॉ अरविन्द शर्मा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री श्री राजेश नागर, राज्यसभा सांसद श्री कार्तिकेय शर्मा एवं श्री रेखा शर्मा, पूर्व मंत्री श्री कंवर पाल गुर्जर, पंचकूला के नव-निर्वाचित मेयर श्री श्यामलाल बंसल, अंबाला की मेयर अक्षिता सैनी, सोनीपत के मेयर श्री राजीव जैन तथा मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीण अत्रेय सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हम पंजाब से नशे का कलंक मिटा देंगे: मान

नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम में शामिल हुए भगवंत मान

सिटी दर्पण संवाददाता
बटाला

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जोर देकर कहा कि पंजाब सरकार हर हाल में प्रदेश से नशे का कलंक मिटाकर रहेगी। उन्होंने कहा कि चल रहे युद्ध नशियां विरुद्ध अभियान ने पहले ही नशा तस्करी नेटवर्क को बड़ा झटका दिया है, जिसके तहत सिर्फ 437 दिनों में 63,707 से अधिक नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है और पंजाब भर में नशे के पैसे से बनी अवैध संपत्तियों को गिराया जा रहा है। बटाला में संत त्रिलोचन दास जी महाराज के 38वें गुरुगद्दी दिवस को समर्पित नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि नशों और संगठित अपराध के खिलाफ लड़ाई अब जन आंदोलन बन गई है, जिसमें हर पंजाबी पंजाब सरकार के कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है।

मुख्यमंत्री ने पिछले 112 दिनों में गैंगस्टरों पर वार अभियान के तहत की गई कार्रवाइयों, महिलाओं और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए चल रहे कल्याणकारी कार्यों और प्रदेश में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए पंजाब सरकार द्वारा बनाए गए बेअदबी विरोधी सख्त कानून जैसी पहलकदमियों पर भी प्रकाश डाला। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब सरकार के युद्ध नशियां विरुद्ध अभियान को 400 से अधिक दिन हो गए हैं और इस अभियान को शानदार सफलता मिली है। हमने नशे के कारोबार की रीढ़ तोड़ दी है और इस अपराध में शामिल बड़ी मछलियों को सलाखों के पीछे धकेल दिया गया है। नशों के खिलाफ यह कार्रवाई पूरी ताकत से तब तक जारी रहेगी, जब तक इस बुराई का पंजाब से पूरी तरह सफाया नहीं हो जाता। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत पंजाब सरकार ने न केवल नशों की सप्लाई लाइन तोड़ दी है, बल्कि पीड़ितों के पुनर्वास को भी सुनिश्चित किया है। इसके साथ ही तस्करों की संपत्तियों को गिराया और जब्त भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा, अगर पंजाबी पंजाब को नशा मुक्त बनाने का दृढ़ इरादा रखते हैं तो कोई भी ताकत हमें इस मिशन को पूरा करने से नहीं रोक सकती। मैं इस लड़ाई को जन आंदोलन में बदलने के लिए लोगों से पूरे समर्थन और सहयोग की मांग करता हूं। पंजाब की आध्यात्मिक विरासत को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह हमारे शहीदों की धरती है और इसका कोना-कोना महान गुरुओं, संतों, पीर-पैगम्बरों की चरण-छोह प्राप्त है, जिन्होंने हमें जुल्म, बेइंसाफी और अत्याचार के खिलाफ खड़े होना सिखाया। हमारे गुरुओं की शिक्षाओं से प्रेरित होकर ही हमने नशों के खिलाफ यह युद्ध शुरू किया, जिसके नतीजे अब जमीन पर दिखाई दे रहे हैं। वह दिन दूर नहीं, जब पंजाब पूरी तरह नशा मुक्त हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब को हमेशा देश का अन्न भंडार और खड़ग भुजा के रूप में जाना जाता रहा है और यहां के लोग दुनिया भर में अपनी हिम्मत, सिर्फ और उद्यमी स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कहा, पिछली सरकारों ने पंजाब के विकास को अनदेखा किया, जिसके कारण युवाओं को मजबूरी में पंजाब छोड़कर विदेशों की ओर जाना पड़ा। इसके विपरीत आज हमारी सरकार 'रंगले पंजाब' की प्राचीन शान बहाल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। लोगों की भलाई पर केंद्रित प्रशासन पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, लोगों के टैक्स का पैसा लोगों का है और हम इस पैसे को उनकी भलाई पर पूरी समझदारी से खर्च कर रहे हैं। अब लोगों का पैसा भ्रष्टाचार और लूट में बेकार नहीं जाता, बल्कि स्कूलों, अस्पतालों, सड़कों और बुनियादी ढांचे के विकास पर लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा 90 प्रतिशत घरों को मुफ्त बिजली प्रदान की जा रही है और बिना किसी भ्रष्टाचार के प्रदेश के युवाओं को 65,000 से अधिक सरकारी नौकरियां दी गई हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, हमने सड़कों को बेहतर बनाया है, टोल प्लाजा बंद किए हैं, लोगों को रोजाना लगभग 70 लाख रुपये की बचत हो रही है और प्रदेश भर में बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। पंजाब के इतिहास में पहली बार किसानों को धान के सीजन के दौरान आठ घंटे से अधिक निर्बाध बिजली सप्लाई और सिंचाई के लिए दिन के समय बिजली दी गई है, जिससे उनकी जिंदगी बदल गई है। उन्होंने आगे कहा, मैं लोगों से इन कार्डों का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील करता हूं। इसके साथ ही पंजाब सरकार के गैंगस्टरों ते वार अभियान के तहत गैंगस्टर विरोधी टास्क फोर्स और जिला पुलिस टीमों के समन्वय से संगठित अपराध के खिलाफ निर्णायक जंग शुरू की गई है। पंजाब सरकार ने नशा छुड़ाऊ इलाज, कौशल विकास और पुनर्वास पर भी ध्यान केंद्रित किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पीड़ित युवाओं को सम्मान और रोजगार के अवसरों के साथ समाज की मुख्य धारा में फिर से शामिल किया जा सके।

एनडीआरएफ के जवानों को देखकर लोग खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं: शाह

एजेंसी (हि.स.)
गाजियाबाद

केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह आज सुबह गाजियाबाद पहुंचे। उन्होंने एनडीआरएफ के राष्ट्रपति निशान अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने कहा कि विश्वास है कि एनडीआरएफ देश की जनता को किसी भी प्रकार की आपदा से सुरक्षित करने के लिए और मजबूती के साथ भविष्य में काम कर पाएगी। शाह ने कहा कि एनडीआरएफ के जवानों को देखकर लोग खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 2014 से न केवल आपदा और राहत कार्य के नवीनीकरण के लिए काम किया गया है, बल्कि अब हम ऐसी स्थिति में आ गए हैं कि हम जीरो कैजुअल्टी की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। इस अवसर पर उन्होंने छह परियोजनाओं का उद्घाटन किया। शाह ने कहा कि इन परियोजनाओं के चालू होने से राहत और बचाव कार्य में और आसानी होगी।

गृहमंत्री शाह ने कहा कि जिस आपदा का हमें पूवानुमान है। इसका अंदेशा मौसम विभाग से मिल गया है, वहां पर जान माल की सुरक्षा, संपूर्ण सुरक्षा हमारा लक्ष्य हो सकता है।

उन्होंने कहा कि इस दिशा में ढेर सारे काम किए गए हैं। इसको ध्यान में रखते हुए बहुत सारे निर्णय लिये गए है। जागरुकता और बचाव ऐप भी बनाए गए है। इसके माध्यम से धीरे-धीरे आपदा बचाओ देश का एक संस्कार बनता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ ने न केवल नागरिकों को, नागरिकों के साथ रहने वाले बेजुबान पशुओं को भी बचाकर उत्कृष्ट सेवा का उदाहरण दिया है। सरकार का लक्ष्य जानमाल और संपत्ति का नुकसान न्यूनतम करना है। हीट वेव जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करने के लिए गृह मंत्रालय तैयारी कर चुका है। आने वाले कुछ वर्ष में इसकी वजह से होने वाली जानमाल की हानि को हम न्यूनतम तक पहुंचाने में सफल होंगे।

डिजास्टर को मजबूत करने के लिए आपदा मित्रों का सहयोग उपयोगी: रक्षामंत्री

उन्होंने कहा कि एनडीआरफ और गृह मंत्रालय ने 8,500 से अधिक अपने जवान, 10 हजार सिविल डिफेंस से जुड़े हुए कर्मचारी और 2 लाख 20 हजार से ज्यादा वालंटियर को प्रशिक्षित करने का सराहनीय काम किया है। दो वर्षों में 10,500 से ज्यादा नाविकों को भी प्रशिक्षित किया गया है। आज कुछ आपदा मित्र भी यहां पर उपस्थित हैं। डिजास्टर को मजबूत करने के लिए आपदा मित्रों का सहयोग उपयोगी होगा। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ ने 20 वर्ष के अपने कार्यकाल में एक ऐसा स्थान प्राप्त किया है कि बल को देखकर देश का हर नागरिक अपने आप को सुरक्षित महसूस करता है। इस बल ने अपने देश ही नहीं विदेश में भी आई आपदाओं में पहुंचकर सराहनीय कार्य किया, जिससे भारत का नाम रोशन हुआ है। उन्होंने मौसम विभाग और एनडीआरएफ की तारीफ करते हुए कहा कि 7 करोड़ से ज्यादा पौधे लगाकर जलवायु परिवर्तन को रोकने और पर्यावरण को सुरक्षित करने में अहम भूमिका निभाई है। इस अवसर पर उन्होंने परेड की सलामी ली। एनडीआरएफ के महानिदेशक पीयूष कुमार आनंद ने केंद्रीय गृहमंत्री का स्वागत किया और उसके बाद खुली जीप से एनडीआरएफ के डीजी ने केंद्रीय मंत्री और मुख्य अतिथि को परेड का निरीक्षण कराया।

शिवराज सिंह चौहान के काफिले में अब होंगे सिर्फ 3 वाहन, कर्मचारियों को सार्वजनिक वाहन इस्तेमाल करने की सलाह

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आान पर कई महत्वपूर्ण फैसले लिए। उन्होंने अपने वाहन के काफिले को कम करने का निर्देश दिया है। अब उनके वाहन के काफिले में तीन वाहन होंगे। गुरुवार को कृषि मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, आईसीएआर और लैंड रिसोर्सेज विभाग के अधिकारियों की बैठक में केंद्रीय मंत्री ने विभाग में वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देने की संभावना तलाशने का निर्देश दिया। इसके लिए उन्होंने विभागीय स्तर पर दो दिन में कार्ययोजना तैयार कर अवगत कराने के निर्देश दिए। इसके साथ कर्मचारियों एवं अधिकारियों को

मेट्रो सहित अन्य सार्वजनिक परिवहन के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया। मंत्रालय के अधिकारी ने जानकारी दी कि केन्द्रीय मंत्री ने बैठक में मंत्रालय स्तर पर अधिकारी, कर्मचारियों से गैर-जरूरी सोने की खरीद नहीं करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हर अधिकारी 5 लोगों को भी सोना नहीं खरीदने के लिए प्रेरित करे। इसके साथ विदेश यात्रा को भी टालने की सलाह देते हुए स्वदेश पर्यटन पर जोर देने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को अधिकतर बैठकें वर्चुअल माध्य से करने पर जोर दिया। शिवराज सिंह चौहान ने बैठकों में स्थानीय उत्पाद, मोटा अनाज और स्वदेशी खाद्य सामग्री को प्राथमिकता देने का आान किया। इसके साथ

खाद्य तेलों का विवेकपूर्ण उपयोग करने के साथ 5-5 परिवारों को भी जागरूक करने का अभियान चलाने की सलाह दी। बैठक में उन्होंने लोकल फॉर वोकल और मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारतीय उत्पादों और ब्रांड्स को बढ़ावा देने का आान किया। कृषि मंत्रालय, ग्रामीण विकास विभाग, आईसीएआर, कृषि शिक्षा और लैंड रिसोर्सेज विभाग मिलकर जनजागरण अभियान चलाने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों से की मुलाकात

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

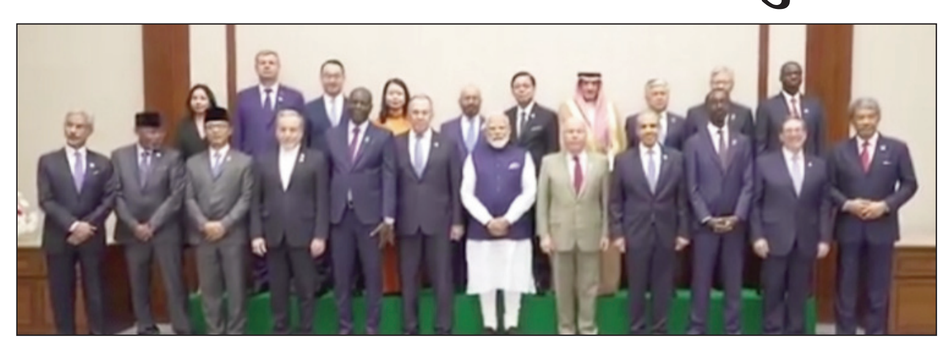

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से गुरुवार को ब्रिक्स देशों तथा अन्य भागीदार देशों के विदेश मंत्रियों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने मुलाकात की। उन्होंने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, ब्राजील के विदेश मंत्री मौरो विएरा, दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची, इथियोपिया के विदेश मंत्री गेदियन तिमोथियोस हेसेबोन और इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो सहित अन्य प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 14-15 मई तक जारी ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक की अध्यक्षता विदेश मंत्री डॉ सुब्रह्मणयम जयशंकर कर रहे हैं। इस वर्ष का विषय है- लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास के लिए निर्माण। इसका उद्देश्य भारत की बढ़ती कूटनीतिक सक्रियता तथा इस समूह का रणनीतिक, आर्थिक और बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित दृष्टिकोण दशार्ता है। इस दौरान रूस, ईरान, इंडोनेशिया, यूएई, दक्षिण अफ्रीका, इथियोपिया और अन्य ब्रिक्स भागीदार देशों के विदेश मंत्रियों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों का स्वागत किया गया।

प्रधानमंत्री की अपील को पूरी गंभीरता से पढ़कर, समझकर और चिंतन-मनन के बाद ही निष्कर्ष निकालना चाहिए: योगी

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिस तरह कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के दौरान देशवासियों ने एकजुट होकर संकट का सामना किया था, पश्चिम एशिया में उत्पन्न परिस्थितियों के बीच उसी सामूहिक जिम्मेदारी और राष्ट्रीय भावना के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। यह वैश्विक संकट है, जिसका असर ईंधन, खाद्य व उर्वरक आपूर्ति पर पड़ सकता है। ऐसे समय हर नागरिक का दायित्व बनता है कि वह पब्लिक ट्रांसपोर्ट और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे विकल्पों को अपनाकर देश के आत्मनिर्भरता अभियान को मजबूती दे। मुख्यमंत्री गुरुवार को लखनऊ के होटल ताज में टाइम्स ऑफ इंडिया के 9 डिफाइनिंग इयर्स ऑफ ट्रांसफॉर्मिंग यूपी कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे।

- **टाइम्स ऑफ इंडिया के 9 डिफाइनिंग इयर्स ऑफ ट्रांसफॉर्मिंग यूपी कॉन्क्लेव को संबोधित किया मुख्यमंत्री योगी**
- **पब्लिक ट्रांसपोर्ट, कार पूलिंग और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे विकल्प अपनाकर आत्मनिर्भरता अभियान को मजबूती देना हर नागरिक का दायित्व**

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी की अपील का उल्लेख करते हुए ईंधन की बचत के लिए रिन्यूएबल एनर्जी, वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों, कार पूलिंग, मेट्रो, इलेक्ट्रिक व्हीकल और शटल बस जैसी व्यवस्थाओं को अपनाने का आान किया। उन्होंने 7700 से अधिक गोआश्रय स्थलों में संरक्षित 15 लाख से अधिक गोवंश के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में गोबर गैस प्लांट आधारित सामूहिक किचन मॉडल विकसित करने की बात कही, जिससे एलपीजी पर निर्भरता कम हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि संकट के समय देशहित सर्वोपरि होना चाहिए। हर नागरिक का दायित्व है कि वह राष्ट्र के साथ खड़ा होकर अपना योगदान दे। उन्होंने अधूरी जानकारी के आधार पर नकारात्मक टिप्पणी करने वालों को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की अपील को पूरी गंभीरता से पढ़कर, समझकर और चिंतन-मनन के बाद ही निष्कर्ष निकालना चाहिए। देश रहेगा तो हम सब रहेंगे, प्रदेश सुरक्षित रहेगा तो हम सब सुरक्षित रहेंगे और देश समृद्ध होगा तो हम सब भी समृद्धि की ओर अग्रसर होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में आज जो आर्थिक समृद्धि दिखाई दे रही है, उसकी जड़ें मात्र 400-500 वर्ष पुरानी हैं, जबकि भारत में यह समृद्धि इससे बहुत पहले विद्यमान थी। लेकिन जब हमने अपने संसाधनों, ज्ञान और नवाचार पर विश्वास करना छोड़ दिया, रिसर्च एवं डेवलपमेंट को उपेक्षित किया तो हम पिछड़ते गए। उस समय तीर्थयात्रा पर्यटन का प्रमुख रूप थी। केदारनाथ में जलाभिषेक के लिए रामेश्वरम का जल और रामेश्वरम में अभिषेक के लिए गंगोत्री का जल ले जाने की परंपरा उत्तर और दक्षिण को जोड़ती थी।

द्वादश ज्योतिर्लिंग और चार धाम पूरे देश को एक सूत्र में बांधते थे। जीवन इस तरह व्यवस्थित था कि कोई किसी पर बोझ न बने। यही कारण था कि भारत विश्व गुरु बना। हजार वर्षों के आक्रमणों, अत्याचारों और शोषण के बावजूद भारत अपने अस्तित्व और संस्कृति को बचाए रखने में सफल रहा, जो दुनिया में कम ही देखने को मिलता है।

हिमाचल में नगर निकाय चुनाव के प्रचार में उतरे दिग्गज
सीएम सुक्खू, अनुराग और जयराम ने झोंकी ताकत

सुक्खू सरकार के मंत्रियों ने वार्ड स्तर पर डेरा डाला, मुख्यमंत्री खुद कर रहे हैं धुआंधार प्रचार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में नगर निकाय चुनाव के लिए सियासी माहौल पूरी तरह गर्मा गया है। 17 मई को होने वाले मतदान से पहले कांग्रेस और भाजपा दोनों ने अपनी पूरी ताकत चुनाव प्रचार में झोंक दी है। चार नगर निगमों सोलन, मंडी, धर्मशाला और पालमपुर सहित नगर परिषदों और नगर पंचायतों के चुनाव को लेकर दोनों दलों के बड़े नेता लगातार जनसभाएं, रोड शो और नुक्कड़ सभाएं कर रहे हैं।

खास बात यह है कि नगर निगम चुनाव पार्टी चिन्हों पर हो रहे हैं, ऐसे में इन चुनावों को दोनों दल अपनी साख से जोड़कर देख रहे हैं। पिछले नगर निगम चुनाव में मंडी और सोलन नगर निगम पर भाजपा का कब्जा रहा था, जबकि धर्मशाला और पालमपुर में कांग्रेस को बढ़त मिली थी। इस बार दोनों दल चारों नगर निगमों में जीत हासिल करने का दावा कर रहे हैं। चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में गुरुवार को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, कांग्रेस प्रभारी और पूर्व सांसद रजनी पाटिल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल जैसे दिग्गज मैदान में उतर आए हैं। कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने पालमपुर में रोड शो और नुक्कड़ सभाओं के जरिए पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की। उनके साथ कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार भी मौजूद रहे। कांग्रेस संगठन महामंत्री विनोद जिंटा ने दावा किया कि पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता एकजुट होकर चुनाव प्रचार में जुटे हैं और कांग्रेस चारों नगर निगमों में भारी बहुमत से जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि लोग प्रदेश सरकार की नीतियों और विकास कार्यों पर भरोसा कर रहे हैं। जिंटा ने भाजपा पर झूठ की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस बार जनता भाजपा को जवाब देगी। कांग्रेस ने यह भी दावा किया कि नगर परिषदों और नगर पंचायतों में भी कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार बेहतर प्रदर्शन करेंगे। उधर, भाजपा ने भी चुनाव प्रचार को पूरी तरह आक्रामक बना दिया है। धर्मशाला में पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद अनुराग ठाकुर ने चुनावी मोर्चा संभाला। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने केवल झूठी गारंटियां दी हैं, जबकि जमीनी स्तर पर विकास कार्य ठप पड़े हैं। उन्होंने दावा किया कि धर्मशाला नगर निगम में इस बार भाजपा का कमल खिलेगा और जनता कांग्रेस को जवाब देने के मूड में है। अनुराग ठाकुर के रोड शो और जनसभाओं में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक जुटे। नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने मंडी में चुनाव प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री सुक्खू पर तीखा हमला बोला।

दिग्गजों की हुंकार से गरमाया प्रदेश का सियासी माहौल

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री चुनाव प्रचार के दौरान पार्षदों को विकास बजट का लालच देकर आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे हैं। जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस चुनाव जीतने के लिए झूठी गारंटियों का सहारा लेती रही है और जनता अब इसे समझ चुकी है। उन्होंने मंडी में विकास कार्यों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार ने केंद्र की योजनाओं का श्रेय लेने की कोशिश की है। नाहन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल और सांसद ने भी भाजपा समर्थित उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार किया।

धर्मशाला में कांग्रेस का भ्रष्टाचार मॉडल बेनकाब, टेंडर माफिया और घोटालों का रहा बोलबाला : बिक्रम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री बिक्रम ठाकुर ने धर्मशाला नगर निगम चुनावों को लेकर कांग्रेस सरकार और नगर निगम प्रशासन पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि धर्मशाला में कांग्रेस का कार्यकाल भ्रष्टाचार, अव्यवस्था, टेंडर माफिया, पानी संकट और विकास कार्यों की विफलता का प्रतीक बन चुका है।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासित नगर निगम में जनता की समस्याओं को नजरअंदाज कर केवल भ्रष्टाचार और राजनीतिक संरक्षण की संस्कृति को बढ़ावा दिया गया। भाजपा ने यह आरोप वीरवार को धर्मशाला नगर निगम में कांग्रेस के खिलाफ जारी चार्जशीट के मौके पर लगाए। बिक्रम ठाकुर ने वीरवार को कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पार्षद देवेंद्र सिंह जग्गी पर नगर निगम की संपत्ति पट्टे पर देने में हुए कथित घोटाले को लेकर मामला दर्ज हुआ, जिसमें सरकारी खजाने को 1.4 करोड़ से अधिक नुकसान पहुंचाने के आरोप लगे हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम को मात्र 18.39 लाख किराया मिला, जबकि उप-किराए के माध्यम से लगभग 1.61 करोड़ की कमाई किए जाने के आरोप सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की मेयर नीनू शर्मा के नेतृत्व में नगर निगम ने जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ाने का काम किया। वर्ष 2025-26 के बजट में बिजली उपकर को 1 पैसे प्रति यूनिट से बढ़ाकर 10 पैसे प्रति यूनिट करने का प्रस्ताव रखा गया, जबकि महंगाई से राहत देने के बजाय कांग्रेस केवल टैक्स और शुल्क बढ़ाने में लगी रही। बिक्रम ठाकुर ने कहा कि नगर निगम धर्मशाला में टेंडर माफिया सक्रिय है और केवल 5 से 7 ठेकेदारों के माध्यम से लगभग 80 प्रतिशत कार्य नियंत्रित किए जा रहे हैं। बिक्रम ठाकुर ने कहा कि धर्मशाला में पेयजल संकट कांग्रेस सरकार की विफलता का सबसे बड़ा उदाहरण है। जुलाई 2025 में गज खड्ड जल आपूर्ति योजना की मुख्य पाइपलाइन भूस्खलन में क्षतिग्रस्त होने के बाद शहर महीनों तक पानी संकट से जूझता रहा। पर्यटन सीजन के दौरान भी सरकार सुचारु जल आपूर्ति बहाल नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि 2025 के मानसून में धर्मशाला के खनियारा, इंद्रुनाग, हीरू, स्लेट गोदाम और अन्य क्षेत्रों में भूस्खलन, टूटी सड़कें और उखड़ी पाइपलाइन के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। बिक्रम ठाकुर ने कहा कि धर्मशाला-मैक्लोडगंज सड़क की बदहाल स्थिति कांग्रेस सरकार की नाकामी का प्रतीक बन चुकी है। 125 से अधिक सक्रिय भूस्खलन क्षेत्रों की पहचान के बावजूद सरकार ने कोई दीर्घकालिक समाधान लागू नहीं किया, जिससे लोगों की सुरक्षा खतरे में बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि धर्मशाला नगर निगम में प्रशासनिक व्यवस्था लगभग ठप हो चुकी है क्योंकि पिछले लगभग दो वर्षों से नगर निगम सदन की बैठकें तक नहीं हुईं। इससे विकास कार्य, नागरिक मुद्दे और जनता की शिकायतें लंबित पड़ी हैं।

शिवधाम और मंडी एयरपोर्ट को बंद करने की साजिश कांग्रेस ने रची : राकेश जमवाल

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

भारतीय जनता पार्टी ने वीरवार को मंडी नगर निगम चुनावों के तहत कांग्रेस सरकार के खिलाफ विस्तृत आरोप पत्र जारी किया। भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक राकेश जमवाल ने आरोप पत्र जारी करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में मंडी की जनता को केवल उपेक्षा, अव्यवस्था, भ्रष्टाचार और विकास कार्यों की बंदी का सामना करना पड़ा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा जनता के सामने कांग्रेस सरकार के ढाई वर्षों के कुशासन का पूरा सच लेकर आई है। राकेश जमवाल ने कहा कि मंडी के प्रति कांग्रेस सरकार का रवैया हमेशा सौतेला रहा है और वर्ष 2025 की आपदा के दौरान यह पूरी तरह उजागर हो गया। उन्होंने कहा कि 14 लोगों की मृत्यु, 31 लोगों के लापता होने और 150 से अधिक घरों के क्षतिग्रस्त होने जैसी गंभीर परिस्थितियों के बावजूद संबंधित मंत्री 25 दिनों तक प्रभावित क्षेत्रों का दौरा तक करने नहीं पहुंचे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 और 2025 में मंडी शहर गंभीर पेयजल संकट से जूझता रहा। लगभग 35 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुईं और 75 प्रतिशत जल स्त्रोत सूख गए, लेकिन कांग्रेस सरकार कोई स्थायी समाधान नहीं दे सकी। उहल नदी और मध्याणी नाला की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण बिजणी, टारना, जेल रोड, सौली खड्ड, रामनगर, पुरानी मंडी, भ्यूली और अन्य क्षेत्रों में कई दिनों तक पानी की सप्लाई बंद रही। राकेश जमवाल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने जानबूझकर मंडी नगर निगम के विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न की और कर्मचारियों की भारी कमी बनाए रखी, जिसके कारण करोड़ों रुपए का फंड बिना उपयोग के वापस लौट गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार नहीं चाहती कि मंडी नगर निगम प्रभावी तरीके से कार्य करे। उन्होंने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार द्वारा शुरू किए गए शिव धाम प्रोजेक्ट को कांग्रेस सरकार ने रोक दिया, जबकि इस परियोजना के लिए 250 करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत की गई थी। भाजपा सरकार इस परियोजना के माध्यम से मंडी को पर्यटन का बड़ा केंद्र बनाना चाहती थी, जिससे युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होते।

पालमपुर नगर निगम बन चुका है भ्रष्टाचार और अव्यवस्था केंद्र : विपिन परमार

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक विपिन परमार ने पालमपुर नगर निगम चुनावों को लेकर वीरवार को कांग्रेस सरकार और कांग्रेस शासित नगर निगम पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पालमपुर नगर निगम भ्रष्टाचार, अव्यवस्था, प्रशासनिक लापरवाही और जनता से धोखे का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता के सामने कांग्रेस सरकार और नगर निगम के ढाई वर्षों के कुशासन का पूरा सच लेकर आई है।

विपिन परमार ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व वाला पालमपुर नगर निगम भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं का अड्डा बन चुका है। उन्होंने यह आरोप वीरवार को कांग्रेस के खिलाफ जारी चार्जशीट के दौरान लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि करीब 20 लाख की वजन मशीन को मात्र 50 हजार में कबाड़ के रूप में बेच दिया गया। वहीं लगभग 14 लाख की लागत से बनाए गए 22 सार्वजनिक शौचालय आज भी उपयोग में नहीं हैं तथा शहर की 80 प्रतिशत सोलर लाइटें खराब पड़ी हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत 127 करोड़ की सीवरेज योजना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बनने वाले 432 मकान कई वर्षों बाद भी पूरे नहीं हो पाए हैं, जिससे साफ है कि सरकारी धन का सही उपयोग नहीं किया गया और विकास कार्यों में भारी लापरवाही बरती गई। विपिन परमार ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को भी पूरी तरह चरमरा दिया है। पालमपुर सिविल अस्पताल में मरीजों की भारी भीड़ है, जहां 200 बिस्तरों की आवश्यकता होने के बावजूद केवल 100 बिस्तर उपलब्ध हैं। लगभग 7 लाख लोगों का इलाज इसी अस्पताल पर निर्भर है, लेकिन सुविधाएं लगातार कम होती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जो ओपीडी पर्ची पहले मुफ्त मिलती थी, उसके लिए अब 10 शुल्क लिया जा रहा है और कई मेडिकल जांचें, जो पहले निशुल्क थीं, अब भुगतान करके करवानी पड़ रही हैं। विपिन परमार ने आरोप लगाया कि कुछ कांग्रेस पार्षद नगर निगम के कार्यों में स्वयं ठेकेदारों की भूमिका निभा रहे हैं, जिससे पारदर्शिता और सत्ता के दुरुपयोग को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं।

संक्षिप्त-समाचार

भाजपा जल्द ही एक बैठक बुलाएगी जिसमें समितियों का बहिष्कार करने पर लिया जाएगा फैसला

जम्मू। जम्मू और कश्मीर विधानसभा की सदन समितियों में अध्यक्ष पदों के आवंटन को लेकर विवाद तेज हो गया है। विपक्ष के नेता सुनील कुमार शर्मा ने गुरुवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जल्द ही एक बैठक बुलाएगी जिसमें समितियों का बहिष्कार करने पर फैसला लिया जाएगा। मीडिया से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि समिति अध्यक्ष पदों का वितरण अनुचित है और नेशनल कॉन्फ्रेंस और उसके सहयोगियों के पक्ष में झुका हुआ है। उन्होंने कहा कि हम समितियों की कार्यवाही से दूर रहने का फैसला करेंगे। विपक्ष के नेता ने कहा कि विधानसभा को नेशनल कॉन्फ्रेंस का मुख्यालय बनाया जा रहा है और विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा है ताकि वे अक्षम सरकार की नाकामियों और गलतियों को उजागर न कर सकें। शर्मा ने अध्यक्ष पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने और आनुपातिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष खुलेआम सत्ताधारी गठबंधन का साथ देकर लोकतांत्रिक मानदंडों को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समितियों की अध्यक्षता में विपक्ष को नगण्य प्रतिनिधित्व देना जम्मू और कश्मीर की जनता के जनादेश का अपमान है।

कार में खाना खा रहे थे दो युवक, ऊपर से गिरे पत्थर, दोनों घायल

शिमला। सड़क किनारे कार में बैठकर खाना खा रहे दो युवकों के लिए कुछ ही पल में सब कुछ बदल गया। अचानक ऊपर पहाड़ी से भारी-भरकम पत्थर गिरे और सीधे उनकी कार पर आ लगे। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसा गुरूवार को शिमला जिला के जुब्बल क्षेत्र में अंटी नेशनल हाईवे-707 पर नालू के पास हुआ। जानकारी के अनुसार मनोज पुत्र चमन और सुनील पुत्र बलवीर, दोनों निवासी गांव बढ़ाल, अपनी मारुति कार नंबर HP 10 अ 4625 में बैठे हुए खाना खा रहे थे। इसी दौरान नंदपुर सड़क पर जेसीबी मशीन से काम चल रहा था। तभी अचानक ऊपर से पत्थर लुढ़ककर कार पर गिर गए।पत्थर गिरने से कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और अंदर बैठे दोनों युवकों को गंभीर चोटें आईं। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और दोनों को कार से बाहर निकालकर इलाज के लिए सिविल अस्पताल रोहड़ू पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस द्वारा हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

सिरमौर में ट्रक से 11.720 किलो चूरा पोस्त बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

नाहन। सिरमौर जिला में पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से 11.720 किलोग्राम चूरा पोस्त बरामद किया है। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार 13 मई को डिटेक्शन सेल राजगढ़ की टीम क्षेत्र में गश्त और मादक पदार्थ अधिनियम के तहत गुप्त सूचनाएं एकत्र कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि अजय कुमार और प्रेम सिंह ट्रक नंबर HP07F-0867 में चूरा पोस्त की खेप लेकर सोलन से गिरिपुल की ओर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मरयोग मुख्य सड़क पर ट्रक को रोक लिया। ट्रक चालक ने अपनी पहचान अजय कुमार (40) पुत्र प्रेम सिंह निवासी गांव कोट ढांगर, डाकघर ठोड़ निवाड़, तहसील राजगढ़, जिला सिरमौर के रूप में बताई। वहीं कंडक्टर सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपना नाम प्रेम सिंह (42) पुत्र शेर सिंह निवासी वार्ड नंबर-2, राजगढ़, जिला सिरमौर बताया। पुलिस द्वारा ट्रक की तलाशी लेने पर केबिन के नीचे बने मैट के खांचे तथा केबिन के दोनों तरफ लॉक में बने गुप्त खांचों से 23 पॉलीथीन लिफाफे बरामद किए गए। जांच में इन लिफाफों से कुल 11.720 किलोग्राम चूरा पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना पच्छाद में धारा 15 और 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है तथा यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि नशे की यह खेप कहां से लाई जा रही थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था।

जल शक्ति विभाग में नए डिवीजन बनने पर विधायकों ने जताया आभार, दूरदराज इलाकों को मिलेगा बड़ा लाभ

श्रीनगर। जल शक्ति विभाग में हाल ही में हुए कैडर रिव्यू और पुनर्गठन के तहत नए डिवीजन व सब-डिवीजन बनाए जाने के फैसले पर विधायकों नजीर अहमद खान और जाविद हसन बेग ने मंत्री जावेद अहमद राणा का आभार व्यक्त किया। दोनों विधायक सिविल सचिवालय में मंत्री से मिले और इस निर्णय को जनहित में बड़ा कदम बताया। विधायकों ने कहा कि यह फैसला दूरदराज और पिछड़े इलाकों में रहने वाले लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करता है। इससे न केवल प्रशासनिक पहुंच मजबूत होगी, बल्कि जल आपूर्ति प्रबंधन में सुधार आएगा और लोगों को अपने काम के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। उन्होंने बताया कि पहले लोगों को विभागीय कार्यों और शिकायतों के समाधान के लिए काफी दूर जाना पड़ता था जिससे उन्हें काफी असुविधा होती थी। नए डिवीजन बनने से जल जीवन मिशन समेत अन्य जल परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। उल्लेखनीय है कि कैबिनेट ने जल शक्ति विभाग में छह नए डिवीजन बनाने को मंजूरी दी है जिनमें गंदोह, गुरेज और तंगधार में हाइड्रोलिक डिवीजन मेंढर में पीएचई डिवीजन तथा जम्मू और श्रीनगर में दो वाटर क्वालिटी और मॉनिटरिंग डिवीजन शामिल हैं। विधायकों ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार की सराहना करते हुए कहा कि सरकार संतुलित क्षेत्रीय विकास पर लगातार ध्यान दे रही है और दूरदराज के क्षेत्रों तक प्रशासनिक सेवाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

हिमाचल में अंधड़ के साथ बरसे बादल, 16 मई तक येलो अलर्ट

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में अलर्ट के बीच बीती रात भी मौसम के कड़े तेवर देखने को मिले। शिमला, हमीरपुर, बिलासपुर और कांगड़ा समेत अन्य हिस्सों में तेज हवाओं, बादलों की गड़गड़ाहट और हल्की से मध्यम बारिश का दौर चला।

कई जगह अचानक चले अंधड़ से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा, जबकि कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई। मौसम विभाग के अनुसार राहत की बात यह रही कि प्रदेश में कहीं से भी किसी तरह के जानी नुकसान की सूचना नहीं है। पिछले 24 घंटों के दौरान धर्मशाला में सबसे अधिक 18.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा ओलिंडा में 11.4, नंगल डैम में 9.2, आरएलबीबीएमबी में 7.4, कुफरी में 6.0, ऊना में 5.4, घमरूर में 4.0, कांगड़ा में 3.6, सियोबाग और मुरारी देवी में 2.4 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड हुई। शिमला, कल्पा और बरठीं में भी हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार शिमला, सुंदरनगर, कांगड़ा, भुंतर और मुरारी देवी में गरज के साथ बिजली चमकी, जबकि सियोबाग में 48 और सुंदरनगर के केवीके क्षेत्र में 33 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। बारिश और बादलों के असर के बीच बुधवार सुबह शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ बना हुआ है। निचले और मैदानी इलाकों में तेज धूप निकलने से उमस बढ़ने लगी है। ऊना, पांवटा साहिब, देहरा गोपीपुर और बिलासपुर जैसे क्षेत्रों में दिन के समय गर्मी महसूस की जा रही है, जबकि ऊंचाई वाले इलाकों में अब भी हल्की ठंड बनी हुई है। मौसम विभाग ने आगामी 16 मई तक प्रदेश के कुछ हिस्सों में अंधड़, बारिश और बिजली चमकने का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। 17 मई को ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है।

जम्मू-कश्मीर में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना

श्रीनगर। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर में अलग-अलग स्थानों पर आंशिक रूप से बादल छाए रहने और हल्की बारिश की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग के अनुसार 15 और 16 मई को मौसम की स्थिति आंशिक रूप से बादल छाए रहने की उम्मीद है साथ ही केंद्र शासित प्रदेश में कई स्थानों पर हल्की बारिश, गरज के साथ बौछारें और तेज हवाएँ चलने की संभावना है। विभाग ने कहा कि 17 और 18 मई को आम तौर पर शुष्क मौसम की उम्मीद है। हालांकि 19 और 20 मई को आम तौर पर बादल छाए रहेंगे और छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। 21 मई को मौसम आमतौर पर बादल छाए रहने और अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना है जबकि 22 से 25 मई तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने एडवाइजरी जारी करते हुए 15 और 16 मई के दौरान कश्मीर और जम्मू दोनों संभागों में कुछ स्थानों पर गरज, बिजली गिरने और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी है। तेज हवाओं और तूफान की संभावना के कारण लोगों को दोपहर और देर दोपहर के समय नौकायन और शिकारा की सवारी को स्थगित करने की सलाह दी गई है। विभाग ने निवासियों से आधिकारिक मौसम सलाह से अपडेट रहने और प्रतिकूल मौसम की स्थिति के दौरान आवश्यक सावधानी बरतने का आग्रह किया है।

मंडी में शिकारी देवी मंदिर के पास कार हादसे में दो की मौत, दो घायल

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

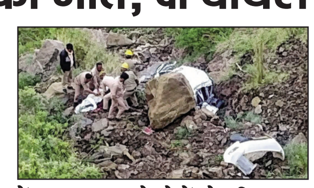

जिला मंडी में साढ़े 11 हजार फीट की ऊंचाई पर सराज व नाचन घाटी की सीमाओं पर स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ माता शिकारी देवी मंदिर के पास बुधवार बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार रात एक बजे के लगभग यहां पर एक कार गहरी खाई में जा गिरी। पुलिस अधीक्षक मंडी विनोद कुमार ने बताया कि आधी रात को लगभग 1 बजे शिकारी देवी मंदिर के प्रवेश द्वार से लगभग 20 मीटर दूरी पर एक आल्टो कार नंबर एचपी 87-2981 बेकाबू होकर लगभग 700 मीटर गहरी ढांक में गिर गई। रात होने व सुनसान के चलते इस हादसे का शायद किसी को पता भी नहीं चलता, अगर एक घायल हिम्मत दिखाकर सड़क पर पहुंचकर मदद नहीं मांगता। एक घायल हिम्मत दिखाकर सड़क तक पहुंचा और यहां टेंट लगाकर रह रहे लोगों को सूचित करके मदद मांगी। देर रात एक बजे जंजैहली पुलिस थाना को इसकी सूचना मिली। पुलिस टीम ने मौके पर आकर स्थानीय लोगों की मदद से हादसे के शिकार लोगों को बाहर निकाला। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गई है, जबकि दो अन्य घायल हैं। मृतकों की पहचान भूपेंद्र राज और हेत राम के रूप में हुई है जो जिले की सराज घाटी के मुख्यालय थुनाग के ही रहने वाले थे, जबकि घायलों में योगराज और पूर्णचंद हैं, जिनमें एक थुनाग का और एक करसोग के पांगणा का रहने वाला बताया जा रहा है। घायलों का मेडिकल कॉलेज नेरचौक में उपचार चल रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शवों को अपने कब्जे में लेकर उनका पोस्टमार्टम करवाया तथा उन्हें परिजनों के हवाले कर दिया।

राज्यपाल कविंदर गुप्ता ने शारदा पीठ-सती देश कश्मीर पुस्तक का किया विमोचन

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने गुरूवार को नई दिल्ली में शारदा पीठ-सती देश कश्मीरनामक पुस्तक का विमोचन किया। यह पुस्तक विश्व हिंदू पीठ, नई दिल्ली के अध्यक्ष आचार्य मदन ने लिखी है। कार्यक्रम में शारदा हिंदू पीठ से जुड़े कई विद्वान, बुद्धिजीवी और श्रद्धालु भी मौजूद रहे।

राज्यपाल काविंदर गुप्ता ने इस पुस्तक को जम्मू-कश्मीर की प्राचीन आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक विरासत पर आधारित महत्वपूर्ण शोध कार्य बताया। उन्होंने कहा कि शारदा पीठ भारत की सभ्यतागत पहचान, ज्ञान परंपरा और सनातन संस्कृति का एक बड़ा प्रतीक रहा है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक कश्मीर के इतिहास, शारदा सभ्यता और वहां की प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। राज्यपाल ने पुस्तक के लेखक आचार्य मदन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की शोध आधारित किताबें नई पीढ़ी को देश की सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का काम करती हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर लंबे समय तक शिक्षा, अध्यात्म और संस्कृत विद्या का प्रमुख केंद्र रहा है और शारदा पीठ को पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में विद्वानों और संतों के बीच विशेष सम्मान प्राप्त था। उन्होंने कहा कि पुस्तक में कश्मीर के गौरवशाली इतिहास, शारदा सभ्यता, संस्कृत विद्वता और मां शारदा से जुड़ी प्राचीन परंपराओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। राज्यपाल ने उम्मीद जताई कि यह पुस्तक कश्मीर की प्राचीन विरासत और आध्यात्मिक परंपराओं पर गंभीर अध्ययन और चर्चा को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। इस मौके पर आचार्य मदन ने कहा कि पुस्तक का उद्देश्य समाज के सामने शारदा पीठ के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को लाना है।

चुनाव — जनता अब मतदान के जरिए कांग्रेस को देगी करारा जवाब

कांग्रेस सरकार ने केवल भ्रम फैलाया, अब जनता दिखाएगी सत्ता से बाहर का रास्ता : अनुराग ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

नगर निगम चुनाव प्रचार के अंतिम पड़ाव में हिमाचल की राजनीति पूरी तरह गरमा गई है। भारतीय जनता पार्टी ने चुनावी मैदान में अपना बड़ा चेहरा उतारते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग ठाकुर को धर्मशाला के रण में उतार दिया है।

बैजनाथ से धर्मशाला तक अनुराग ठाकुर के तूफानी प्रचार अभियान ने कांग्रेस खेमे में हलचल तेज कर दी है। इसी कड़ी में वीरवार को बैजनाथ के पंडोल रोड में जनसंपर्क अभियान के बाद अनुराग ठाकुर धर्मशाला के कोतवाली बाजार स्थित सामुदायिक भवन पहुंचे, जहां भाजपा कार्यकताओं और स्थानीय जनता ने ढोल-नगाड़ों एवं जोरदार नारों के साथ उनका भव्य स्वागत किया। जय श्री रामऔर मोदी-मोदीके नारों से पूरा माहौल भाजपा के रंग में रंगा नजर आया। जनसभा को संबोधित करते हुए अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने जनता को केवल झूठी गारंटियां दीं, जबकि जमीनी स्तर पर विकास पूरी तरह ठप पड़ा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम में सड़क, पानी, सफाई और मूलभूत सुविधाओं की स्थिति बदहाल है और अब जनता जवाब मांगने के मूड में है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने सिर्फ झूठी गारंटी दी, डिलीवरी जीरो रही। नगर निगम में सड़क, पानी, सफाई सब ठप है। जनता अब हिसाब मांगेगी। धर्मशाला की जनता मन बना चुकी है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि धर्मशाला की जनता ने मन बना लिया है। इस बार नगर निगम में भी भाजपा का कमल खिलेगा। जहां भाजपा है, वहीं विकास और पारदर्शिता है। कांग्रेस सरकार ने केवल भ्रम फैलाया, लेकिन अब जनता उन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा के विजन डॉक्यूमेंट को विकास का रोडमैप बताते हुए कहा कि प्रदेशभर में भाजपा के पक्ष में माहौल बन चुका है और नगर निगम चुनाव में कांग्रेस का सूपड़ा साफ होना तय है। इस अवसर पर धर्मशाला के विधायक सुधीर शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता राकेश शर्मा, प्रदेश भाजपा मीडिया सह प्रभारी एडवोकेट विश्व चक्षु, सचिन शर्मा समेत अन्य नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

भगवान बुद्ध की शिक्षाएँ आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक: प्रो. सोमनाथ सचदेवा

भगवान बुद्ध के पाँच शील मानव जीवन को सही दिशा देने वाले सिद्धांत: भन्ते धम्माशील, बुद्धा भंती

सिटी दर्पण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

आज के समय में जब समाज मानसिक तनाव, नैतिक पतन और वैश्विक असंतुलन जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब भगवान गौतम बुद्ध की शिक्षाएं अत्यंत प्रासंगिक हो जाती हैं। करुणा, अहिंसा, सत्य और आत्म अनुशासन जैसे उनके सिद्धांत आज भी समाज को सही दिशा देने की क्षमता रखते हैं। यह विचार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने बुधवार को सीनेट हॉल में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर अध्ययन केंद्र द्वारा भगवान गौतम बुद्ध के 2588वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में युगानुकूल परिस्थितियाँ और भगवान गौतम बुद्ध विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर व भगवान बुद्ध व डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। वंदे मातरम गीत के बाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर अध्ययन केंद्र के निदेशक डॉ. प्रीतम सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में वैचारिक जागरूकता और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि भगवान बुद्ध ने हमें केवल आध्यात्मिक ज्ञान ही नहीं दिया, बल्कि एक ऐसा जीवन-दर्शन दिया जो आज के आधुनिक संदर्भ में भी पूरी तरह लागू होता है। उनका मध्यम मार्ग हमें सिखाता है कि न तो अत्यधिक भोग में जाना चाहिए और न ही अत्यधिक त्याग में, बल्कि संतुलित जीवन ही वास्तविक शांति का मार्ग है।

कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि आज के समय में आत्मनिर्भरता की बात अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि हम ऊर्जा क्षेत्र को देखें तो आज भी हम कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के लिए बड़े पैमाने पर अन्य देशों पर निर्भर हैं। यह स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि हमें अपने संसाधनों, विशेषकर नवीकरणीय ऊर्जा जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और स्वदेशी तकनीक की ओर अधिक ध्यान देना होगा। आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक विषय नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र की सुरक्षा और स्थिरता से भी जुड़ा हुआ विषय है।

मुख्य अतिथि भन्ते धम्माशील, बुद्धा भंती ने अपने संबोधन में कहा कि जो धर्म हिंसा, खून-खराबा और नफरत फैलाता है, वह सच्चा धर्म नहीं हो सकता। सच्चा धर्म वही है जो शांति, करुणा और मानवता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि वे विशेष रूप से भगवान बुद्ध के विचारों को नमन करते हैं जिन्होंने जीवन को सुधारने के लिए पाँच शीलों का पालन करने का मार्ग दिखाया।

मुख्य वक्ता प्रो. रंजन त्रिपाठी ने कहा कि भगवान बुद्ध को जानना अर्थात स्वयं को जानना है। बुद्ध केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि चेतना, करुणा और सत्य का शाश्वत स्वरूप हैं। उन्होंने मानव को सिखाया कि बाहरी वैभव से अधिक महत्वपूर्ण आत्मज्ञान है। जब मनुष्य स्वयं से प्रश्न करता है, तभी उसके भीतर ज्ञान का प्रकाश उत्पन्न होता है। बुद्ध का जीवन हमें बताता है कि सत्य की खोज त्याग, चिंतन और आत्म साक्षात्कार से प्राप्त होती है। इसलिए बुद्ध केवल इतिहास नहीं, बल्कि मानव चेतना के चिरंतन मार्गदर्शक हैं। भारतीय परंपरा में बुद्ध का स्थान इसलिए महान है क्योंकि उन्होंने समाज को जागृत करने, करुणा से जोड़ने और मनुष्य को स्वयं से परिचित कराने का कार्य किया। वे शाश्वत हैं, चिरंतन हैं, क्योंकि उनका संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना हजारों वर्ष पूर्व था। मंच का संचालन उपासना ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित कुलसचिव ले. (प्रो.) वीरेंद्र पाल ने अंत में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. वीरेन्द्र पाल, केन्द्र निदेशक डॉ. प्रीतम सिंह, मेजर रमेश रूद्र, भंते विमोलकर, भंते भीखू जी महाराज, बतुला वीरांगना, बतुला महेन्द्र, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर. चौधरी, प्रो. आर.के देसवाल, प्रो. महावीर नरवाल, प्रो. सुरेश कुमार, प्रो. मिथलेश, प्रो. जोगिन्द्र सिंह, प्रो. फकीर चंद, केडीबी मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल, प्रो. निर्मला चौधरी, प्रो. अमित लूदरी, प्रो. डीएस राणा, प्रो. परमेश कुमार, कुटा प्रधान डॉ. जितेन्द्र खटकड़, परामर्श समिति के सदस्य डॉ. रमेश सिरोही, डॉ. प्रवेश कुमार, कुंटिया प्रधान राजवंत कौर, ऋषि पाल मथाना, अशोक रोशा, डॉ. संगीता धीर, सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सैकेण्डरी नियमित एवं मुक्त विद्यालय वार्षिक परीक्षा का परिणाम घोषित

- नियमित परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम 89.60 तथा स्वयंपाठी का 70.02 प्रतिशत रहा
- मुक्त विद्यालय फ्रैश कैटेगरी का परिणाम 11.17 व रि-अपीयर का 47.64 प्रतिशत रहा
- बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट व डिजिलॉकर पर देखा जा सकता है परिणाम

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा संचालित करवाई गई सैकेण्डरी (शैक्षिक/मुक्त विद्यालय) वार्षिक परीक्षा-2026 का परिणाम आज घोषित किया जा रहा है। परीक्षार्थी अपना परीक्षा परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर दोपहर बाद देख सकते है। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ० पवन कुमार ने बताया कि सैकेण्डरी (शैक्षिक) नियमित परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम 89.60 फीसदी तथा स्वयंपाठी परीक्षार्थियों का परिणाम 70.02 फीसदी रहा है।

उन्होंने बताया कि सैकेण्डरी (शैक्षिक) नियमित परीक्षा में 2,76,640 परीक्षार्थी प्रविष्ट हुए थे, जिनमें से 2,47,860 उत्तीर्ण हुए तथा 6,201 परीक्षार्थियों का परिणाम (ए.फ) एसेंशियल रिपीट रहा अर्थात ऐसे परीक्षार्थियों को परीक्षा में फिर से बैठने की आवश्यकता होगी। इस परीक्षा में 1,33,530 प्रविष्ठ छात्राओं में से 1,22,367 पास हुई, इनकी पास प्रतिशतता 91.64 रही, जबकि 1,43,110 छात्रों में से 1,25,493 पास हुए, इनकी पास प्रतिशतता 87.69 रही। इस प्रकार छात्राओं ने छात्रों से 3.95 फीसदी ज्यादा पास प्रतिशतता दर्ज कर बढ़त हासिल की है।

उन्होंने बताया कि इस परीक्षा में राजकीय विद्यालयों की पास प्रतिशतता 87.23 रही तथा प्राईवेट विद्यालयों की पास प्रतिशतता 92.45 रही है। इस परीक्षा में ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की पास प्रतिशतता 90.25 रही है, जबकि शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की पास प्रतिशतता 87.94 रही है। उन्होंने बताया कि पास प्रतिशतता में जिला जिला चरखी दादरी प्रथम स्थान पर, द्वितीय स्थान पर जींद, तीसरे स्थान पर महेन्द्रगढ़ तथा जिला नूँह सबसे नीचले पायदान पर रहा।

उन्होंने आगे बताया कि यह परिणाम आज सायं से संबंधित विद्यालयों/संस्थाओं द्वारा बोर्ड की वेबसाइट पर जाकर अपनी यूजर आईडी व पासवर्ड द्वारा लॉगिन करते हुए डाउनलोड भी किया जा सकेगा। उन्होंने आगे बताया कि सैकेण्डरी परीक्षा के स्वयंपाठी परीक्षार्थियों का परिणाम 70.02 प्रतिशत रहा है। इस परीक्षा में 4,556 परीक्षार्थी प्रविष्ट हुए, जिनमें से 3,190 पास हुए। स्वयंपाठी परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक अथवा नाम, पिता का नाम, माता का नाम व जन्म तिथि भरते हुए परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। विद्यार्थी परीक्षार्थी भी अपना परीक्षा परिणाम अनुक्रमांक व जन्मतिथि भरते हुए देख सकते हैं।

बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि इसके अतिरिक्त प्रदेशभर में संचालित करवाई गई सैकेण्डरी मुक्त विद्यालय वार्षिक परीक्षा-2026 (फ्रैश, रि-अपीयर, अंक सुधार एवं अतिरिक्त विषय) विषय परीक्षा का परिणाम भी आज घोषित किया जा रहा है।

एक जुलाई 2026 अहर्ता तिथि के आधार पर हरियाणा में विशेष संघन संशोधन अभियान शुरू

- 22 सितंबर को प्रकाशित होगी अंतिम मतदाता सूची

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए श्रीनिवास ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 16 राज्यों तथा 3 केंद्रशासित प्रदेशों में चरणबद्ध तरीके से मतदाता सूचियों का विशेष संघन संशोधन अभियान चलाया जा रहा है। इसके तीसरे चरण के अंतर्गत हरियाणा में 1 जुलाई 2026 को अहर्ता तिथि निर्धारित की गई है।इस अभियान के तहत 5 जून से 14 जून 2026 तक तैयारियां, प्रशिक्षण एवं मुद्रण कार्य संपन्न किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 12 मई 2026 तक हरियाणा में कुल मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 6 लाख 63 हजार 155 दर्ज की गई है। विशेष संघन संशोधन कार्य के लिए प्रदेशभर में 20 हजार 629 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की नियुक्ति की गई है, जो 15 जून से 14 जुलाई 2026 तक घर-घर जाकर मतदाताओं की जानकारी एकत्रित करेंगे। अभी तक विभिन्न राजनीतिक दलों के द्वारा 12 हजार 917 बूथ लेवल एजेंट नियुक्त किए गए है। उन्होंने बताया कि मतदान केंद्रों के युक्तिकरण एवं समीकरण का कार्य 14 जुलाई 2026 तक पूरा किया जाएगा, जबकि ड्राफ्ट मतदाता सूचियों का प्रकाशन 21 जुलाई 2026 को किया जाएगा। इसके बाद दावे एवं आपत्तियां 21 जुलाई 2026 से 20 अगस्त 2026 तक दर्ज करवाई जा सकेंगी। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निपटान 21 जुलाई से 18 सितंबर 2026 तक किया जाएगा। विशेष संघन संशोधन के बाद अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 22 सितंबर 2026 को किया जाएगा।

हरियाणा में लिंग अनुपात सुधारने के लिए तेज किए गए प्रयास: डॉ. सुमिता मिश्रा

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने लिंग अनुपात में सुधार और गैरकानूनी लिंग निर्धारण प्रथाओं पर रोक लगाने के लिए अपने राज्यव्यापी अभियान को और तेज कर दिया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने जिला स्वास्थ्य अधिकारियों को सभी जिलों में सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने और व्यापक जागरूकता अभियान शुरू करने के निर्देश दिए है।

डॉ. सुमिता मिश्रा ने राज्य के सिविल सर्जनों को निर्देश जारी करते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग पीसी - पीएनडीटी एक्ट और मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) एक्ट को अच्छे से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि कन्या भ्रूण हत्या को खत्म किया जा सके और लैंगिक समानता को बढ़ावा दिया जा सके।

उन्होंने सभी जिलों को गैर-कानूनी लिंग निर्धारण गतिविधियों के खिलाफ छापेमारी और जांच में अधिक बढ़ोतरी करने और जमीनी स्तर पर उल्लंघन की पहचान करने और उन्हें रोकने के लिए निगरानी तंत्र को मजबूत करने का निर्देश दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य में लिंग अनुपात को बेहतर बनाने के लिए सख्त निगरानी और तेज कार्रवाई जरूरी है।

डॉ. मिश्रा ने सभी सिविल सर्जनों को निर्देश दिए कि वे सुनिश्चित करें कि अगले तीन कार्य दिवसों के भीतर डिप्टी कमिश्नर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति और जिला टास्क फोर्स की बैठकें आयोजित हों। इसके बाद इन बैठकों का नियमित आयोजन भी किया जाए, ताकि जिला स्तर पर कड़ी निगरानी और बेहतर समन्वय के साथ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि फील्ड स्टाफ की जवाबदेही को और अधिक मजबूत किया जाए तथा मई 2026 के अंत तक पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लिंग अनुपात में सुधार सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं। डॉ. मिश्रा ने सामाजिक भागीदारी की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि धार्मिक नेताओं, सामुदायिक संगठनों और स्थानीय संस्थाओं को कन्या भ्रूण हत्या तथा लिंग निर्धारण के खिलाफ जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने विवाह समारोह संपन्न कराने वाले पंडितों, मौलवियों और ग्रंथियों से भी इस अभियान में जुड़ने की अपील की, ताकि नवविवाहित जोड़ों को लिंग चयन जैसी कुप्रथाओं के खिलाफ जागरूक और सजग बनाया जा सके। डॉ. सुमिता मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे रअल्एछकनेटवर्क और फील्ड स्तर की स्वास्थ्य टीमों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं, विशेष रूप से उन महिलाओं जिनकी एक या अधिक बेटियां हैं, की निगरानी को और अधिक मजबूत करें, ताकि संदिग्ध मामलों में समय रहते हस्तक्षेप किया जा सके।

उन्होंने कहा कि जिलों द्वारा चलाए जा रहे सभी प्रवर्तन अभियान और जागरूकता कार्यक्रमों का मीडिया एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि आमजन में जागरूकता बढ़ाई जा सके।

संक्षिप्त-समाचार

20 मई से शुरू होगी एमडीयू की विभिन्न यूजी एवं प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं

चंडीगढ़। महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी रोहतक की मई 2026 की विभिन्न स्नातक एवं प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों की थ्योरी परीक्षाएं 20 मई से प्रारंभ होंगी। यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता ने बताया कि बीबीए, बीबीए (सीएएम), बीबीए (क्क्र), बीबीए (बीई), बीसीए की की परीक्षाओं की डेटशीट जारी कर दी गयी है। इसके अलावा , बीएचएमसीटी, बीएससी होम साइंस, बीएससी बायोटेक, बीएससी स्पोर्ट्स साइंस, बी.वोक. तथा बीपीएड समेत विभिन्न पाठ्यक्रमों के नियमित, री-अपीयर एवं इम्प्रूवमेंट, बीबीए, बीसीए एवं अन्य पाठ्यक्रमों के द्वितीय एवं पंचम सेमेस्टर की री-अपीयर/इम्प्रूवमेंट, चतुर्थ सेमेस्टर के गैप-ईयर, री-अपीयर तथा इम्प्रूवमेंट, छठे सेमेस्टर के नियमित, री-अपीयर एवं इम्प्रूवमेंट, बीएचएमसीटी चार वर्षीय कार्यक्रम के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की नियमित एवं री-अपीयर परीक्षाएं तथा सातवें सेमेस्टर की री-अपीयर/इम्प्रूवमेंट, बी.वोक. के विभिन्न पाठ्यक्रमों- कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड होटल मैनेजमेंट, रिटेल मैनेजमेंट, इंटीरियर डिजाइन, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, मार्केटिंग मैनेजमेंट एंड आईटी, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट तथा स्पोर्ट्स, न्यूट्रिशन एंड फिजियोथेरेपी, डी.पी.एड. तथा बी.पी.एड. पाठ्यक्रमों के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की नियमित, री-अपीयर एवं इम्प्रूवमेंट परीक्षाओं के साथ-साथ बी.पी.एड. तृतीय सेमेस्टर की केवल री-अपीयर की परीक्षाओं की डेटशीट जारी कर दी गयी है। डेटशीट एमडीयू वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। उधर , प्रवक्ता ने आगे बताया कि महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी रोहतक ने दिसंबर 2025 में आयोजित एमए एजुकेशन के प्रथम और तीसरे सेमेस्टर, एमए लोक प्रशासन के तीसरे सेमेस्टर के फ्रेश व री-अपीयर तथा एमए लोक प्रशासन (ऑनलाइन) के तीसरे सेमेस्टर फ्रेश की परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है।

मॉक ड्रिल अभ्यास से प्रशासन ने सभी एजेंसियों की तैयारियों और समन्वय क्षमता के मूल्यांकन को जांचा:विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य केवल अभ्यास करना नहीं बल्कि सभी एजेंसियों की तैयारियों और समन्वय क्षमता का मूल्यांकन करना है। इससे भविष्य में किसी भी प्राकृतिक आपदा से निपटने में सहायता मिलेगी। जिला प्रशासन नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा वीरवार को लघु सचिवालय के एनआईसी रूम में प्रदेश सरकार के आदेशा पर बाढ़ आपदा मॉकड्रिल के लिए बनाए गए कंट्रोल रूम में मौजूद रहे। उन्होंने कंट्रोल रूम से जिले के गांव तंगोर व झासा में आपदा प्रबंधन के तहत हुई मॉक एक्सरसाइज के हर पहलू पर नजर रखी। पूरी मॉक एक्सरसाइज की लाइव स्ट्रीमिंग भी की गई। इस दौरान प्रदेश के अन्य जिलों और प्रदेश स्तरीय टीम भी लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से जुड़ी रही। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि मॉक एक्सरसाइज के दौरान सभी विभागों ने अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों का बेहतर निर्वहन किया। प्रशासन, स्वास्थ्य, पुलिस, फायर, बिजली, जनस्वास्थ्य तथा अन्य विभागों के बीच अच्छा समन्वय देखने को मिला। उन्होंने कहा कि युवाओं ने राहत एवं बचाव कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाई। मॉक ड्रिल के दौरान प्रशासन द्वारा राहत शिविर स्थापित कर प्रभावित लोगों के लिए भोजन, पेयजल, प्राथमिक उपचार और आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। अधिकारियों ने शिविरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि वास्तविक आपदा की स्थिति में राहत शिविरों के माध्यम से प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।

प्रदेश के 13 जिलों में राज्यस्तरीय बाढ़ मॉक ड्रिल का किया आयोजन

- वित्त आयुक्त (राजस्व) डॉ. सुमिता मिश्रा ने राज्य नियंत्रण कक्ष से अभियान का किया नेतृत्व

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

आगामी मानसून सीजन के मद्देनजर आपदा तैयारियों और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए आज प्रदेश के 13 बाढ़ संभावित जिलों में एक साथ पहली राज्य स्तरीय बाढ़ मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य वर्ष 2023 और 2025 की बाढ़ से मिले अनुभवों के आधार पर हरियाणा के आपदा प्रबंधन ढांचे को और अधिक मजबूत बनाना था।

हरियाणा की वित्त आयुक्त (राजस्व) एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने 'स्टेट इंसिडेंट कमांडर' के रूप में राज्य नियंत्रण कक्ष से पूरे अभ्यास का नेतृत्व और संचालन किया।

डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि इस अभ्यास का आयोजन राज्य की आपदा तैयारियों का मूल्यांकन करने, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय में सुधार करने, आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की पुष्टि करने और कमियों की पहचान करने के लिए किया गया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार एक सक्रिय, तकनीक-संचालित और समुदाय-केंद्रित आपदा प्रबंधन प्रणाली विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह ड्रिल तीन चरणों में हुई। यह मॉक ड्रिल गुरुग्राम, अंबाला, फरीदाबाद, फतेहाबाद, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, पंचकूला, पानीपत, पलवल, सिरसा, सोनीपत और यमुनानगर में आयोजित की गई। इन जिलों की पहचान उच्च बाढ़ जोखिम वाले क्षेत्रों के रूप में की गई है। वास्तविक बाढ़ जैसी स्थितियों के तहत प्रतिक्रिया तंत्र का परीक्षण करने के लिए प्रत्येक जिले में दो अलग-अलग सिमुलेशन साइट (अभ्यास स्थल) बनाए गए थे। उन्होंने बताया कि ड्रिल के दौरान भारी मानसून वर्षा और यमुना, घग्गर, टांगरी और मारकंडा जैसी प्रमुख नदियों में जल स्तर बढ़ने के कारण बाढ़, शहरी जलभराव और संचार प्रणालियों के बाधित होने जैसी काल्पनिक स्थितियां बनाई गईं। राज्य ने अपने संपूर्ण आपातकालीन तंत्र को सक्रिय किया, जिसमें गृह, पुलिस, सिंचाई, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, परिवहन, शहरी स्थानीय निकाय और जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी सहित 24 विभागों ने हिस्सा लिया। सभी उपायुक्तों ने 'जिला उत्तरदायी अधिकारियों' के रूप में कार्य किया।

उन्होंने बताया कि एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस, स्वास्थ्य और अग्निशमन सेवाओं की टीमों ने खोज एवं बचाव, निकासी ड्रिल, राहत शिविर प्रबंधन और चिकित्सा सहायता का अभ्यास किया। विशेष रूप से नदी तटों के पास फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने की प्रक्रियाओं का परीक्षण किया गया ताकि अधिकारी किसी भी चरम स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहें।

हरियाणा के किसानों के लिए बड़ी पहल, अब देश भर में जाकर सीखेंगे आधुनिक खेती के गुर

- हर जिले से प्रगतिशील किसानों को एक्सपोजर विजिट पर भेजा जाएगा : कृषि मंत्री
- गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान व तेलंगाना जैसे प्रदेशों का करेंगे दौरा

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने राज्य के किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण योजना की शुरूआत की है। सरकार ने निर्णय लिया है कि प्रदेश के हर जिले से प्रगतिशील किसानों को 'एक्सपोजर विजिट' (अध्ययन यात्रा) पर भेजा जाएगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य राज्य के किसानों को देश के विभिन्न हिस्सों में अपनाई जा रही आधुनिकतम कृषि तकनीकों, उन्नत पद्धतियों और नए उभरते बाजारों से सीधा जुड़ाव प्रदान करना है, ताकि वे अपनी पारंपरिक खेती में सकारात्मक बदलाव ला सकें। इससे राज्य के हजारों किसान राष्ट्रीय स्तर पर कृषि सुधारों का प्रत्यक्ष अनुभव ले सकेंगे। श्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि किसान हितैषी सोच रखने वाले मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपने बजट-भाषण में घोषणा की थी कि किसानों को 'एक्सपोजर विजिट' पर भेजा जाएगा। इसी घोषणा को मूर्तरूप देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने जानकारी दी कि इन कृषि-यात्राओं के दौरान हरियाणा के किसानों को गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना जैसे कृषि प्रधान राज्यों में जाने का अवसर मिलेगा। इन राज्यों का चयन वहां की विशिष्ट कृषि उपलब्धियों के आधार पर किया गया है। उदाहरण के तौर पर, किसान गुजरात में सूक्ष्म सिंचाई, महाराष्ट्र में अंगूर व अनार की बागवानी और तेलंगाना में बीज उत्पादन की नई तकनीकों का बारीकी से अध्ययन कर सकेंगे। सरकार का मानना है कि अन्य राज्यों के सफल मॉडल को देखकर हरियाणा के किसान भी अपनी मिट्टी और जलवायु के अनुकूल नई फसलें उगाने के लिए प्रेरित होंगे। कृषि मंत्री ने आगे बताया कि इस एक्सपोजर विजिट का एक बड़ा हिस्सा 'सीधा बाजार जुड़ाव' पर केंद्रित रहेगा। किसानों को यह सिखाया जाएगा कि कैसे वे बिचौलियों पर निर्भर रहने के बजाय अपनी उपज को सीधे बाजार में बेचकर बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकते हैं। उन्हें अन्य राज्यों के उन किसान समूहों से मिलाया जाएगा जो अपनी उपज की ग्रेडिंग, पैकेजिंग और ब्रांडिंग करके सीधे उपभोक्ताओं या बड़े रिटेलर्स तक पहुँच रहे हैं।

शुभम सिंगला बने अग्रवाल वैश्य समाज कुरुक्षेत्र की युवा इकाई के जिलाध्यक्ष

सिटी दर्पण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला एवं प्रदेश महासचिव राजेश सिंगला के मार्गदर्शन एवं अनुशंसा पर जिला कुरुक्षेत्र की युवा अग्रवाल वैश्य समाज इकाई का विधिवत गठन किया गया। इस नई युवा इकाई के गठन का उद्देश्य समाज में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाना है। नवगठित युवा इकाई में शुभम सिंगला को युवा जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त अंशुमन गुप्ता को उपाध्यक्ष, अमन बंसल को सचिव, दीपक गुप्ता को कोषाध्यक्ष, सौरभ गोयल को जनसंपर्क अधिकारी तथा प्रित्युश गोयल एवं शुभम गर्ग को संगठन सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि युवा वर्ग किसी भी संगठन की सबसे बड़ी शक्ति होता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम समाजहित, सेवा कार्यों एवं संगठन विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रदेश महासचिव राजेश सिंगला ने कहा कि युवा इकाई का गठन समाज को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करेगा।

मुद्रा स्फीति को मजबूत बनाने के लिए स्वदेशी खरीददारी कर विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान दें नागरिक : आचार्य डा. देवव्रत

सिटी दर्पण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

गुजरात के राज्यपाल आचार्य डा. देवव्रत ने कहा कि देश की मुद्रा स्फीति को मजबूत बनाने की बात ध्यान में रखते हुए नागरिक स्वदेशी खरीददारी करके भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान दें। ऐसा करने से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश को विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को जल्दी हासिल किया जा सकेगा। राज्यपाल ने नागरिकों से मौजूदा समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तेल का कम प्रयोग करने के आान को अपनाने की अपील की।

गुजरात के राज्यपाल आचार्य डा. देवव्रत वीरवार को रेलवे स्टेशन कुरुक्षेत्र पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले गुजरात के राज्यपाल आचार्य डा. देवव्रत ने नागरिकों के समक्ष ईंधन बचाने का एक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए गुजरात से कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन तक ट्रेन में सफर किया और शताब्दी एक्सप्रेस से सुबह 9बजकर 30 मिनट पर स्टेशन पर पहुंचे। यहां पर नागरिकों और गुरुकुल परिवार के लोगों ने राज्यपाल आचार्य डा. देवव्रत का जोरदार स्वागत किया। इसके उपरांत राज्यपाल आचार्य डा. देवव्रत साइकिल चलाकर गुरुकुल कुरुक्षेत्र में पहुंचे। इस दौरान राज्यपाल का शहर के नागरिकों ने जगह जगह स्वागत किया। इस साइकिल यात्रा में उनके साथ ओएसडी डा. राजेन्द्र विद्यालंकार, गौरव आर्य सहित साई के खिलाड़ी, आर्य समाज और गुरुकुल परिवार के साथ साथ आम नागरिक सहित लगभग 200 साईकिलिस्ट शामिल हुए।

राज्यपाल आचार्य डा. देवव्रत के नेतृत्व में यह साइकिल यात्रा रेलवे रोड, छठी पातशाही गुरुद्वारा, पैनोरमा चौक, महाराणा प्रताप चौक, एलएनजेपी अस्पताल व कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से होते हुए गुरुकुल कुरुक्षेत्र में पहुंची, यहां पहुंचने पर गुरुकुल के विद्यार्थियों ने परम्परा अनुसार स्वागत किया। इस दौरान भारत माता के जयघोष से पूरा गुरुकुल गूंज उठा। राज्यपाल ने सभी नागरिकों का साईकिल यात्रा में शामिल होने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आान पर ईंधन को बचाने के लिए हवाई जहाज व हेलीकॉप्टर के सफर को देश में सामान्य स्थिति होने तक बंद कर दिया गया है और काफिला भी 3 वाहनों तक सीमित कर दिया गया है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की है कि प्रधानमंत्री के ईंधन बचाने का संदेश घर घर तक पहुंचाए। इससे कोरोना काल की तरह देश इस विकट स्थिति से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में फिर से विकास की राह पर तेजी से आगे बढेगा।

आचार्य डा. देवव्रत ने कहा कि गुजरात के सभी विश्वविद्यालयों को पत्र लिखकर सप्ताह में एक दिन व्हीकल का प्रयोग बंद करने के लिए कहा गया है। इस दिन विश्वविद्यालयों में सार्वजनिक वाहनों से सफर किया जाए। साइकिल, इलेक्ट्रिक वाहन को यात्रा में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में देश के नागरिकों को अपना सहयोग देना चाहिए। देश के अंदर तेल संकट सामान्य होने तक ज्यादा से ज्यादा बचत करें। आचार्य डा. देवव्रत ने कहा कि उन्होंने गुजरात में सप्ताह में एक बार एक गांव का दौरा करना शुरू किया हुआ है। इस दौरे के दौरान गांव के सरकारी स्कूल में रात को रुकते हैं। ग्रामीण के बीच एक जनसभा का आयोजन करते हैं। इस जनसभा के दौरान ग्रामीणों को प्राकृतिक खेती अपनाने, बच्चों को अच्छे संस्कार देने, अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और युवाओं को नशे से बचाने पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि गुरुकुल में पिछले 10 वर्षों से 200 एकड़ में प्राकृतिक खेती को किया जा रहा है। इस प्रचार को अभियान बनाकर गुजरात में शुरू किया। मौजूदा समय में 8.50 लाख किसान प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। इन किसानों ने प्राकृतिक खेती के साथ अपने खेत के उत्पादन को बढ़ाया है। एक-एक एकड़ में प्राकृतिक खेती करने वाले किसान 5 लाख से 8 लाख रुपए तक वार्षिक बचत कर रहे हैं। प्राकृतिक खेती करने वाले भूमि की उपजाऊ शक्ति बनी रहती है। उन्होंने देश के किसानों से प्राकृतिक खेती, गाय पालन की अपील की। इस मौके पर राज्यपाल की धर्मपत्नी दर्शना देवी, ओएसडी डा.विद्यालंकार, गौरव आर्य, कविता चौधरी, योगवीर लाम्बा, रामनिवास, समाजसेवी डा. सम्पूर्ण सिंह, मुख्य संरक्षक संजीव आर्य, धर्म सिंह, समाजसेवी पवन गर्ग, डीएसपी सुनील कुमार, डीआईपीआरओ डा. नरेन्द्र सिंह आदि मौजूद थे।

संपादकीय

मतदाता सूचियों की शुद्धि: लोकतंत्र की नींव को मजबूत करने की दिशा में

भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तीसरे चरण की घोषणा करके एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि देश में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के प्रति वह अपनी जिम्मेदारी के प्रति पूरी तरह सजग और प्रतिबद्ध है। आयोग ने 16 राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों में विशेष गहन पुनरीक्षण के तीसरे चरण की शुरुआत की घोषणा की है, जिसे मतदाता सूचियों की सटीकता और पारदर्शिता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक बड़े राष्ट्रव्यापी अभियान के रूप में वर्णित किया गया है। यह कदम न केवल चुनावी प्रशासन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को और अधिक सुदृढ़ करने का एक सुविचारित प्रयास भी है। इस तीसरे चरण में दिल्ली, महाराष्ट्र, ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम, मणिपुर, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, तेलंगाना, पंजाब, कर्नाटक, मेघालय, झारखंड, नागालैंड, त्रिपुरा तथा दादर एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव शामिल हैं। यह अभियान 30 मई से शुरू होगा और चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में फैलेगा। आयोग के अनुसार, तीसरे चरण का कार्यक्रम राष्ट्रीय जनगणना के अंतर्गत चल रही मकान सूचीकरण प्रक्रिया में लगे सामान्य क्षेत्रीय प्रशासनिक तंत्र की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, ताकि दोनों कार्यों में एक ही प्रशासनिक मशीनरी का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जा सके। यह प्रशासनिक समझदारी का एक उत्तम उदाहरण है, जिसमें संसाधनों का अनावश्यक दोहराव किए बिना दो महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यों को एक साथ अंजाम दिया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को इस चरण से बाहर रखा गया है। आयोग ने कहा है कि इन तीन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का कार्यक्रम बाद में जारी किया जाएगा, जिसमें जनगणना के दूसरे चरण की समाप्ति के साथ-साथ उच्च पर्वतीय और हिमाच्छादित क्षेत्रों में मौसम संबंधी चुनौतियों को भी ध्यान में रखा जाएगा। यह एक विवेकपूर्ण निर्णय है, क्योंकि इन क्षेत्रों में भौगोलिक और मौसमी परिस्थितियाँ अत्यंत कठिन होती हैं और वहाँ घर-घर जाकर सर्वेक्षण करना तकनीकी दृष्टि से चुनौतीपूर्ण है। इस बड़े अभियान के अंतर्गत 3.94 लाख से अधिक बूथ स्तरीय अधिकारी गणना चरण के दौरान लगभग 36.73 करोड़ मतदाताओं के दरवाजे तक पहुँचकर उनकी जानकारी का सत्यापन करेंगे। इन बूथ स्तरीय अधिकारियों की सहायता के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा नामित लगभग 3.42 लाख बूथ स्तरीय एजेंट भी तैनात किए जाएंगे। यह संख्या स्वयं में इस अभियान की व्यापकता और राज्य की प्रशासनिक क्षमता का प्रमाण है। दरअसल, लोकतंत्र की असली परीक्षा यही है कि व्यवस्था जमीनी स्तर पर कितनी प्रभावी और समावेशी है। प्रथम और द्वितीय चरण में 10 राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों में पुनरीक्षण पूरा हो चुका है, जिसमें लगभग 60 करोड़ मतदाताओं को कवर किया गया। पहला चरण बिहार में चुनावों से पहले संपन्न हुआ था, जिसमें लगभग 47 लाख नामों की शुद्ध कमी हुई। अक्तूबर 2025 में शुरू हुए दूसरे चरण में नौ राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों के 50.99 करोड़ से अधिक मतदाताओं को शामिल किया गया, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 5.18 करोड़ नामों की शुद्ध कटौती हुई, जो कुल मतदाताओं का 10.2 प्रतिशत है। इन आँकड़ों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। लाखों नामों की कटौती यह दर्शाती है कि मतदाता सूचियों में कितनी अशुद्धियाँ और गड़बड़ियाँ वर्षों से जमा होती रही थीं। मृत व्यक्तियों के नाम, दोहरी प्रविष्टियाँ, स्थानांतरित मतदाताओं के नाम और अयोग्य व्यक्तियों का सूची में बने रहना - ये सब न केवल चुनावी धाँधली की आशंका को बढ़ाते हैं, बल्कि उन वास्तविक और पात्र मतदाताओं के अधिकारों को भी कुंठित करते हैं जो ईमानदारी से मतदान करना चाहते हैं। इस पहल का उद्देश्य तेजी से हो रहे शहरीकरण, आंतरिक प्रवासन, अधूरी मृत्यु सूचनाओं और दोहरी प्रविष्टियों जैसी दीर्घकालिक समस्याओं का समाधान करना है। मतदाता सूचियों को स्वच्छ कर आयोग चुनावी प्रक्रिया की नींव को मजबूत करना और यह सुनिश्चित करना चाहता है कि भविष्य के चुनावों में केवल वास्तविक मतदाता ही भाग लें। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे उत्साहपूर्वक तीसरे चरण में भाग लें और अपने गणना प्रपत्र भरें। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अभियान इस उद्देश्य से चलाया जा रहा है कि मतदाता सूची में केवल पात्र मतदाता शामिल हों और किसी भी अयोग्य व्यक्ति का नाम उसमें न रहे। आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण को एक सहभागी और पारदर्शी प्रक्रिया के रूप में वर्णित किया है, जिसमें मतदाता, राजनीतिक दल और निर्वाचन अधिकारी सभी स्तरों पर भागीदार हैं। आयोग ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से अनुरोध किया है कि वे प्रत्येक मतदान केंद्र पर बूथ स्तरीय एजेंट नियुक्त करें, ताकि पुनरीक्षण प्रक्रिया में पारदर्शिता, समावेशिता और प्रभावी जाँच सुनिश्चित हो सके। यह पहल इस बात की संस्थागत प्रतिबद्धता को दर्शाती है कि भारत जैसे देश में, जहाँ तेज शहरीकरण, प्रवासन और जनसांख्यिकीय बदलाव हो रहे हैं, वहाँ सटीकता और मतदाता समावेश के बीच संतुलन बनाना कितना महत्वपूर्ण है। अंततः, यह सम्पूर्ण अभियान इस बात का प्रतीक है कि भारतीय लोकतंत्र केवल चुनाव करा देने में विश्वास नहीं रखता, बल्कि उसकी गुणवत्ता और विश्वसनीयता को निरंतर बेहतर बनाने में भी आस्था रखता है। मतदाता सूचियाँ लोकतंत्र की आधारशिला हैं - यदि यह आधारशिला दोषपूर्ण होगी, तो उस पर खड़े किए गए शासन के भव्य भवन की नींव भी कमजोर रहेगी। भारत निर्वाचन आयोग का यह कदम उस नींव को और अधिक ठोस, सुदृढ़ और निर्दोष बनाने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

पेट्रोल संकट का दीर्घकालीन समाधान भारत के पास है

ईरान, इजराइल-अमेरिका युद्ध ने वैश्विक स्तर पर खनिज तेल आधारित ऊर्जा व्यवस्था को डांवाडोल कर दिया है। भारतवर्ष पर इसका खासा असर होना स्वाभाविक है क्योंकि हमारी 85 फीसद ऊर्जा जरूरतें आयात के माध्यम से ही पूरी होती हैं और इसका बड़ा भाग मध्य पूर्वी देशों से ही आता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री नौवहन में युद्ध के कारण आई रुकावट के चलते यह स्पष्ट हो चुका है कि इस तरह की स्थितियां देश की घरेलू, औद्योगिक, और सैनिक जरूरतों के लिए घातक साबित हो सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में युद्ध के चलते खनिज तेल की कीमतें दुगनी हो चुकी हैं।

सरकार ने अभी तक तो घरेलू ऊर्जा जरूरतों पर बढ़ी हुई कीमतों का उतना असर नहीं होने दिया है किन्तु लंबे समय तक ऐसा कर पाना संभव नहीं होगा। इस समस्या के दीर्घकालीन समाधान को ध्यान में रख कर ही सरकार ने एथनोल को पेट्रोल में मिला कर पेट्रोलियम पदार्थों की मांग कम करने का प्रयास शुरू किया है। एथनोल के प्रयोग को लगातार बढ़ाते जाने की योजना पर काम हो रहा है, लेकिन इसकी भी सीमा है जिससे आगे एथनोल उत्पादन संभव नहीं होगा। हमारे पास और भी संसाधन हैं जिनके योजनाबद्ध उपयोग से हम उर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता में बड़ा योगदान कर सकते हैं। हमारे पास कृषि अपशिष्ट और गोबर का प्रचुर भंडार है, जिससे मीथेन, सीएनजी, पीएनजी बना कर खनिज तेल की आयात जरूरतों को कम किया जा सकता है। फिलहाल उपलब्ध गोबर का उपयोग करने पर क्या स्थितियां बनेंगी इस पर विचार करते हैं।

देश में 2025 की पशु गणना के अनुसार 193.50 करोड़ गोवंश

कुलभूषण उपमन्यु (हि.स)

और 109.85 करोड़ भैंस हैं। कुल 303.35 करोड़ ऐसा पशु धन है जिनके गोबर से मीथेन गैस बनाई जा सकती है। एक किलो मीथेन गैस बनाने के लिए लगभग 30 किलो गोबर चाहिए, जो हमें दो पशुओं से दैनिक प्राप्त हो सकता है। इस तरह 150 करोड़ किलो गैस प्रतिदिन बनाई जा सकती है। साल में कुछ कमीबेशी को छोड़ दें तो 300 दिन का गिनते हैं। इससे 45000 करोड़ किलो गैस प्रतिवर्ष बनाई जा सकती है।

इसको टन में बदल लें तो 45 करोड़ टन हुए। एक सिलिंडर में 15 किलो गैस के हिसाब से एक टन से 66 सिलेंडर भरे जा सकते हैं। 45 करोड़ टन से 2970 करोड़ सिलेंडर भरे जाएंगे। देश की आबादी को 140 करोड़ मानते हुए औसत पांच प्राणियों का परिवार मानते हुए 28 करोड़ परिवार हुए। यदि हर महीने प्रति परिवार एक सिलेंडर की खपत मान कर चलें तो 12 महीने में 336 करोड़ सिलेंडर की खपत होगी। जबकि हमारे पास संसाधन 2970 करोड़ सिलेंडर भरने की है। यानि इस क्षमता का 15-20 प्रतिशत दोहन भी कर लिया जाए तो घरेलू खपत को पूरा किया जा सकता है और इससे आगे व्यवसायिक खपत की भी गुंजाइश रह जाती है।

हर घर में गोबर गैस प्लांट बनाना शायद संभव नहीं होगा किन्तु कुछ में तो संभव होगा। शेष संसाधन को वाणिज्यिक स्तर पर बड़े और आधुनिक तकनीक पर कार्य करने वाले गोबर गैस प्लांट बना कर ऊर्जा सुरक्षा की ओर आत्मनिर्भर कदम बढ़ाया जा सकता है, और आयात बिल और विदेशी मुद्रा को भी बचाया जा सकता है। जिस तरह एथनोल उत्पादन कार्य को गंभीरता से तेज गति से बढ़ाया गया है यदि उसी भावना से गोबर गैस उत्पादन को भी वाणिज्यिक स्तर पर प्रोत्साहन दे कर आगे बढ़ाया जाए तो बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है।

इससे किसानों को भी गोबर उपलब्ध करवाने के बदले अतिरिक्त कमाई हो सकती है। इस प्रक्रिया में गैस तो निकल जाती है, शेष गोबर, डाईजेस्टर में अच्छी तरह सड़ कर बाहर आता है जो ज्यादा गुणवत्ता पूर्ण खाद होता है। इसके अलावा फसलों के अपशिष्ट, पराली या गेहूं के अपशिष्ट भी सीएनजी, पीएनजी बनाने के लिए उपयोग कर लिए जाएं तो काफी बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस के आयात में कमी आ सकती है।

फसल अपशिष्ट से सीएनजी बनाने के कुछ संयंत्र तो शुरू भी हो चुके हैं। इन सब कामों के लिए तकनीक तो हमारे पास उपलब्ध ही है केवल राजनीतिक इच्छा शक्ति और दृढ़ संकल्प से आरंभ करने की बात है। फसल अपशिष्ट इस तरह इस्तेमाल कर लेने से उन्हें जलाने के कारण होने वाले प्रदूषण और उससे होने वाली बीमारियों और असमय मौतों से भी बचा जा सकता है। इस कार्य में भी कुछ कठिनाइयां तो आएंगी किन्तु अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक गुलामी से मुक्ति भी तो मिलेगी।

(लेखक, पर्यावरणविद और हिमालय नीति अभियान के अध्यक्ष हैं)

भारत के बच्चों को भोजन के अलावा भी और चीजों की आवश्यकता है

कुछ समय पहले मेरे क्लिनिक में पांच साल की एक बच्ची लाई गई। वह अपनी उम्र के बच्चों की तुलना में विकास के कई चरणों में पीछे लग रही थी। उसकी बोलने की गति धीमी थी और वह अपने हमउम्र बच्चों जितनी सक्रिय या जुड़ी हुई नहीं दिख रही थी। उसके विकास के आकलन में वह तीन साल की बच्ची के स्तर पर पाई गई। उसकी मां बहुत चिंतित थीं। बच्ची बीमार नहीं थी। कोई ऐसी बीमारी या निदान नहीं था जो इसकी वजह समझा सके। लेकिन जब हमने कोविड-19 के पिछले दो वर्षों के बारे में बात की, तो तस्वीर साफ होने लगी। लंबे लॉकडाउन के कारण स्कूल बंद रहे, वह ज्यादातर समय घर पर रही, खेल की जगह स्क्रीन ने ले ली और भोजन पहले की तुलना में अधिक साधारण और सीमित हो गया। उन शांत वर्षों में उसके मस्तिष्क को वह सब नहीं मिल पाया जिसकी उसे बढ़ने के लिए जरूरत थी। वह कोई अपवाद नहीं थी। अलग-अलग क्लिनिकों में बाल रोग विशेषज्ञ और विकास विशेषज्ञ एक ही तरह की स्थिति देख रहे थे-ऐसे बच्चे जो शारीरिक रूप से स्वस्थ थे, लेकिन विकास में पीछे रह गए थे। यह वायरस की वजह से नहीं था, बल्कि उसके बाद पैदा हुई परिस्थितियों की वजह से था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मस्तिष्क का 90% विकास पांच वर्ष की आयु से पहले ही हो जाता है, जिससे प्रारंभिक वर्ष बच्चे के संज्ञानात्मक, भावनात्मक और सामाजिक भविष्य को आकार देने का सबसे बड़ा अवसर बन जाते हैं। इस दौरान बनने वाले तंत्रिका संबंध सीखने, भाषा, स्मृति और जीवन भर के लिए लचीलेपन को मजबूत करते हैं।

इस अवधि में सही पोषण प्राप्त करना सबसे शक्तिशाली निवेशों में से एक है जो हम कर सकते हैं। आयरन, जिंक और सेलेनियम जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व, जिन्हें अक्सर तंत्रिका पोषक तत्व कहा जाता है, स्वस्थ मस्तिष्क विकास और कार्य के लिए आवश्यक हैं। फिर भी आंकड़े एक चिंताजनक कहानी बयां करते हैं। अकेले आयरन की कमी भारत में पांच वर्ष से कम आयु के लगभग 50% बच्चों को प्रभावित करती है (एनएफएचएस-5)। पांच वर्ष से कम आयु के 67.1% बच्चों में एनीमिया दर्ज किया गया, जो पिछले सर्वेक्षण से अधिक है। 12-59 महीने की आयु के बच्चों के राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि विश्लेषण सहित हाल के साक्ष्यों से पता चला है कि 60% से अधिक बच्चों में एनीमिया के साथ या उसके

डॉ. सरथ गोपालन

बिना सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी थी। यह अकेले हीमोग्लोबिन की संख्या से कहीं अधिक व्यापक पोषण संबंधी अंतर की ओर इशारा करता है।

डोकोसाहेक्सानोइक एसिड (डीएचए), एक ओमेगा-3 फैटी एसिड, मस्तिष्क की संरचना, स्मृति निर्माण और दृश्य विकास में सहायक होता है। कोलीन, एक अन्य आवश्यक पोषक तत्व, अब मस्तिष्क के विकास के लिए अनिवार्य माना जाता है। जब माताएं गर्भावस्था के दौरान कोलीन का सेवन करती हैं, तो यह स्वस्थ जीन गतिविधि और कोशिका संरचना, तथा मस्तिष्क के प्रमुख क्षेत्रों - जिनमें स्मृति और चिंतन के लिए जिम्मेदार क्षेत्र शामिल हैं - के विकास में सहायक होता है। ये पोषक तत्व बच्चे के आहार में वैकल्पिक नहीं हैं, बल्कि उनकी क्षमता के लिए मूलभूत हैं।

बच्चे के जीवन में सबसे महत्वपूर्ण पोषण संबंधी हस्तक्षेप जन्म से पहले ही शुरू हो जाता है। मस्तिष्क का विकास भ्रूण अवस्था में ही शुरू हो जाता है, और मां की पोषण स्थिति सीधे तौर पर उस तंत्रिका आधार को आकार देती है जिससे बच्चा जन्म लेता है। डीएचए गर्भ में तंत्रिका संपर्क को सहारा देता है; गर्भावस्था के दौरान आयरन और फोलिक एसिड का सेवन कम जन्म वजन और विकास में देरी के जोखिम को कम करता है। फिर भी, भारत में केवल 44% गर्भवती महिलाओं ने अनुशंसित 180 या उससे अधिक दिनों तक आयरन-फोलिक एसिड सप्लीमेंट का सेवन किया (एनएफएचएस-5), जो एक बहुत बड़ा और लक्षित करने योग्य अवसर प्रस्तुत करता है।

यही कारण है कि किशोरियों में निवेश करना अगली पीढ़ी में निवेश करना है। एक स्वस्थ लड़की स्वस्थ मां बनती है, और एक स्वस्थ मां अपने बच्चे को सर्वोत्तम संभव शुरूआत देती है। भारत में 59% किशोरियों में एनीमिया की समस्या है, इसलिए स्कूलों, सामुदायिक कार्यक्रमों और लक्षित पूरक आहार के माध्यम से इस समूह को प्राथमिकता देना संपूर्ण स्वास्थ्य सेवा में प्रभावी उपायों में से एक है।

हालांकि पोषण महत्वपूर्ण है, मस्तिष्क के विकास के लिए दो समानांतर इनपुट आवश्यक हैं: पर्याप्त पोषण और भावनात्मक-सामाजिक उत्तेजना। महामारी ने इसे सशक्त रूप से प्रदर्शित किया। यूनिसेफ का अनुमान है कि वैश्विक स्तर पर सात में से एक बच्चे ने कोविड-19 के दौरान विकास या सीखने में महत्वपूर्ण हानि का अनुभव किया, जो मुख्य रूप से बीमारी के कारण नहीं, बल्कि साथियों के साथ मेलजोल, बातचीत और खेल की कमी के कारण हुआ। स्क्रीन ने मानवीय संपर्क का स्थान ले लिया, और भाषा, शारीरिक और सामाजिक विकास प्रभावित हुआ।

संवेदनशील देखभाल, मौखिक संवाद, स्पर्श संबंधी जुड़ाव और एक उत्तेजक वातावरण तंत्रिका तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं और स्वस्थ मस्तिष्क संरचना के लिए आवश्यक हैं। प्रारंभिक बचपन के कार्यक्रम जो पोषण संबंधी सहायता और विकासात्मक उत्तेजना दोनों को एकीकृत करते हैं, ऐसे परिणाम देते हैं जो इनमें से कोई भी अकेले प्राप्त नहीं कर सकता। भारत की कार्यक्रम संरचना इस पर अमल करने के लिए अच्छी स्थिति में है। पोषण अभियान और पीएम पोषण जैसे कार्यक्रम पहले से ही देश भर में लाखों माताओं और छोटे बच्चों तक पहुंच रहे हैं। पोषण पखवाड़ा जैसी पहल पोषण के इर्द-गिर्द निरंतर, सामुदायिक स्तर पर लामबंदी की शक्ति को दर्शाती है। वितरण संरचना, जिसमें आंगनवाड़ी नेटवर्क, अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी और सामुदायिक स्तर पर पहुँच शामिल है, स्थापित है। अब अवसर यह है कि इस ढांचे से मिलने वाले लाभों को और अधिक बढ़ाया जाए।

उचित प्रशिक्षण और सहयोग से, वे शारीरिक विकास पर नजर रखने से लेकर माता-पिता को प्रारंभिक प्रोत्साहन, संवेदनशील देखभाल और बाल विकास प्रथाओं पर मार्गदर्शन देने तक अपनी भूमिका का विस्तार कर सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के नर्चरिंग केयर फ्रेमवर्क को एकीकृत करना, जो पोषण, स्वास्थ्य, सुरक्षा, प्रारंभिक शिक्षा और देखभाल को एक सुसंगत इकाई में जोड़ता है, इस विकास के लिए एक स्पष्ट और वैज्ञानिक रोडमैप प्रदान करता है। यह लक्ष्य को केवल बच्चों को भोजन कराने से आगे बढ़ाकर उन्हें वास्तव में फलने-फूलने में मदद करने की ओर ले जाता है।

शुरूआती बचपन में पोषण किसी भी देश के लिए सबसे अधिक लाभ देने वाला निवेश है। जब बच्चों को उनके विकसित होते मस्तिष्क के लिए जरूरी सूक्ष्म पोषक तत्व, सही देखभाल का वातावरण और सही मानसिक व सामाजिक प्रोत्साहन मिलता है तो उसका लाभ पूरी जिंदगी मिलता है। ऐसे बच्चे बेहतर विद्यार्थी बनते हैं, आगे चलकर अधिक सक्षम और उत्पादक नागरिक बनते हैं, और समाज भी अधिक मजबूत और सक्षम बनता है। भारत के पास विकसित भारत का सपना है। उसके पास व्यवस्थाएं हैं। उसके पास विज्ञान है। अब जरूरत इस बात की है कि शुरूआती बचपन के पोषण को केवल कल्याणकारी योजना का हिस्सा न माना जाए, बल्कि उसे उस बुनियाद के रूप में देखा जाए, जिस पर बाकी सब कुछ टिका है।

(लेखक, नई दिल्ली के मधुकर रेनबो चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल में बाल चिकित्सा गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के वरिष्ठ सलाहकार और न्यूट्रिशन सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनएसआई) के अध्यक्ष हैं।)

आज का राशिफल

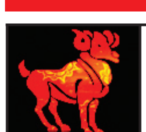

मेष: आज आपके मान-सम्मान और सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होने के संकेत मिल रहे हैं। वैवाहिक जीवन में प्रेम और सामंजस्य बढ़ेगा। दूसरों की समस्याओं का समाधान निकालने में आपकी भूमिका अहम रह सकती है। मानसिक रूप से आप काफी शांत और संतुलित महसूस करेंगे। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: आज मन कुछ उलझनों के कारण बेचैन रह सकता है। गुप्त विरोधियों से सावधान रहने की आवश्यकता है। गलत या अनैतिक कार्यों की ओर आकर्षण बढ़ सकता है, इसलिए सतर्क रहें। बच्चों को गलत संगति से दूर रखें। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: कार्यक्षेत्र और व्यापार दोनों में आपका प्रदर्शन सराहनीय रहेगा। दांपत्य जीवन में चल रही गलतफहमियों को दूर करने के लिए दिन अनुकूल है। धर्म और आध्यात्मिक गतिविधियों के प्रति रुचि बढ़ेगी। भविष्य की योजनाओं पर गंभीरता से काम शुरू कर सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: आज आप अपने काम करने के तरीके में बदलाव ला सकते हैं। नई नौकरी मिलने के योग बन रहे हैं। युवा अपने प्रेम संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए पहल कर सकते हैं। जिम्मेदारियों से पीछे हटने के बजाय उन्हें पूरी निष्ठा से निभाएं। बच्चे पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन करेंगे। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: व्यस्तता के कारण आप वैवाहिक जीवन को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे। परिवार के किसी बुजुर्ग सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी रह सकती है। उच्च अधिकारियों के साथ संबंधों को मधुर बनाए रखें। किसी करीबी रिश्तेदार से मतभेद हो सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: कार्यक्षेत्र में आपको अपेक्षित सम्मान और महत्व नहीं मिल पाएगा। अच्छे साहित्य और ज्ञानवर्धक पुस्तकों का अध्ययन लाभदायक रहेगा। परिवार में किसी मुद्दे को लेकर विवाद की स्थिति बन सकती है। छोटे सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

तुला: आज आप व्यवसाय में बदलाव करने की योजना बना सकते हैं। जरूरतमंद लोगों की मदद करने में आगे रहेंगे। उच्च पदों पर बैठे लोगों पर आरोप लगने जैसी परिस्थितियां बन सकती हैं। जीवनसाथी के प्रति आपका प्रेम और लगाव बढ़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: विदेश में नौकरी या करियर से जुड़ा अवसर प्राप्त हो सकता है। अपनी प्रतिभा और कौशल को निखारने के लिए दिन अनुकूल है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। राजनीतिक और आर्थिक विषयों पर चर्चा में समय व्यतीत होगा। *(सिटी दर्पण)*

धनु: करियर को लेकर मन में असमंजस की स्थिति बनी रह सकती है। छोटे बच्चों को मौसमी बीमारियां परेशान कर सकती हैं। परिवार के साथ किसी महत्वपूर्ण चर्चा या बैठक में शामिल होना पड़ सकता है। रियल एस्टेट से जुड़े कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं। *(सिटी दर्पण)*

मकर: जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर तनाव उत्पन्न हो सकता है। कार्यस्थल पर बोलचाल में संयम रखना जरूरी होगा। परिवार के कुछ सदस्य आपसे नाराज रह सकते हैं। विवाह से जुड़े मामलों में जल्दबाजी करने से बचें। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: आज छोटी दूरी की यात्रा के योग बन रहे हैं। समाज में आपका मान-सम्मान और प्रभाव बढ़ेगा। शाम के समय घर में मेहमानों का आगमन हो सकता है। बच्चों की उपलब्धियां आपको गर्व का अनुभव कराएंगी। व्यापार में आर्थिक लाभ मिलने से पुराने कर्ज चुकाने में आसानी होगी। *(सिटी दर्पण)*

मीन: आज मानसिक रूप से कुछ बेचैनी महसूस हो सकती है। पुराने मित्रों के साथ संबंध दोबारा मजबूत होंगे। विद्यार्थी पढ़ाई में लापरवाही कर सकते हैं, इसलिए ध्यान केंद्रित रखना जरूरी है। सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। *(सिटी दर्पण)*

केजरीवाल के लिए अंतिम अवसर

मनोज कुमार मिश्र (हि.स)

अगले साल देश के सात राज्यों के विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। यह हैं-पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर, गोवा, गुजरात और हिमाचल प्रदेश। इनमें से पंजाब और हिमाचल प्रदेश के अलावा सभी पांचों राज्यों में अभी भाजपा की सरकार है। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सत्ता में है और दिल्ली में सत्ता जाने के बाद आम आदमी पार्टी(आआपा) केवल पंजाब में सत्ता में है। भाजपा तो हर राज्य में चुनाव लड़ने और जीतने की रणनीति में लगी हुई है लेकिन इस बार उसका फोकस पंजाब जीतने पर होने वाला है। एक तो हिमाचल प्रदेश वैसे ही भाजपा का मजबूत गढ़ रहा है, दूसरे हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार शुरू से ही गिरते-पड़ते चल रही है। इसलिए आम धारणा है कि जब भी चुनाव होंगे भाजपा आसानी से चुनाव जीत जाएगी।

भाजपा पंजाब चुनाव को उसी तरह लड़ने वाली है जिस तरह से उसने पश्चिम बंगाल का चुनाव लड़ा और ममता बनर्जी जैसी जमीन से जुड़ी और लड़ाकू महिला को पराजित करके पहली बार जीत हासिल की। चुनाव तो पिछले महीने भी पांच राज्यों के विधानसभा के हुए थे। भाजपा पहले से सत्ता में काबिज असम और पुडुचेरी में जीत हासिल की। केरल में वोट औसत बढ़ने के साथ भाजपा को तीन सीटें मिली। तमिलनाडु में भी भाजपा को वोट औसत बढ़ा। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए बड़ी उपलब्धि यह रही कि देश में विपक्षी राजनीति का झंडा थामने वाले नेताओं में से ममता बनर्जी की तरह तमिलनाडु मुख्यमंत्री रहे एम के स्टालिन सत्ता से बाहर हो गए। पंजाब चुनाव नतीजे आआपा के पक्ष में न आने पर न केवल आआपा के बिखरने के साथ-साथ बल्कि आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल की राजनीतिक पारी का समापन भी होने का खतरा है।

आआपा और उसके सर्वेसर्वा अरविंद केजरीवाल सत्ता के लिए बने हैं इसे इस राजनीतिक पार्टी के 14 साल के इतिहास ने साबित किया है। समाजसेवी अन्ना हजारे की अगुवाई में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के सहारे राजनीति में आने वाले केजरीवाल ने वह सभी काम किए जो इस देश के आम राजनेता करते रहे हैं या इसके लिए राजनेता बदनाम हैं। कई मामलों में तो केजरीवाल ने परंपरागत दलों के नेताओं को भी पीछे छोड़ दिया है। सत्ता में आने के लिए उन्होंने जो वादे किए थे, सत्ता में आने के बाद सारे आचरण उसके उलट किए। दिल्ली की सत्ता से बाहर होने के बाद भी उनका व्यवहार नहीं बदला। 2025 के विधानसभा चुनाव में जो आरोप मुद्दे बने उसमें शराब घोटाला से लेकर अपने सरकारी आवास को करोड़ों खर्च कर-के शीश महल बनवाना प्रमुख रहे। बावजूद इसके पूर्व मुख्यमंत्री के नाते मिले सरकारी आवास में उन पर फिर से लाखों रुपये लगाने का आरोप लगा है।

2011 के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन ने 1974 के बिहार छात्र आंदोलन और उससे लगे आपातकाल के खिलाफ देश भर में हुए आंदोलन को फिर से दोहरा दिया था। पहला विवाद को अन्ना हजारे के मना करने के बावजूद 26 नवंबर,2012 को राजनीतिक पार्टी आआपा बनाने पर हुआ। हजारों पढ़े-लिखे नौजवान देश-विदेश की नौकरी छोड़कर और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में ऊंची हैसियत और मानदंड रखने वालों ने उस आंदोलन में अपना सभी कुछ न्योछावर कर दिया था। सत्ता में आने और अपना असली रंग दिखाने के बाद वही लोग एक-एक करके लोग अलग होने लगे। कुछ को केजरीवाल ने अपमानित करके निकाला। इसकी लंबी श्रृंखला बनती जा रही है। अभी सबसे बड़ा झटका आआपा के बड़े नाम राघव चड्ढा और संदीप पाठक के साथ दस में से सात राज्य सभा सदस्यों का पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने से लगा है। उनमें से एक स्वाति मालीवाल तो काफी समय से तो केवल तकनीकी तौर पर आआपा में थी वे अपने साथ मुख्यमंत्री केजरीवाल के सरकारी आवास में मारापीट होने के बाद से ही अलग हो गई थी। अब आआपा के साथ तीन राज्यसभा और तीन लोकसभा सदस्य हैं।

इन चौदह सालों के घटनाक्रम ने एक बात तो साबित कर दी कि अरविंद केजरीवाल सत्ता के बिना नहीं रह सकते हैं और उनकी महत्वाकांक्षा प्रधानमंत्री बनने की है। भाजपा और कांग्रेस विरोधी अनेक बुद्धिजीवियों के प्रभाव में आकर केजरीवाल ने 2014 में देश भर में लोकसभा चुनाव लड़ना तय किया। भारी पराजय के बाद अपने लोगों के गुस्सा से बचने के लिए जमानत तुड़वाकर जेल गए। 2015 में दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारी सफलता के बावजूद रामलीला मैदान में दूसरी बार मुख्यमंत्री की सफल लेते हुए कहा कि उन्हें दिल्ली की जनता से जनादेश उनकी सेवा करने के लिए मिला है, वे दिल्ली से बाहर नहीं जाएंगे। तब से लेकर अब तक उनके बयान और दावों में लगातार बदलाव होते ही गए। जो हालात बनते जा रहे हैं उसमें केजरीवाल की तुलना विदेशी घुसपैठ के खिलाफ आंदोलन चलाकर सीधे छात्र आंदोलन से असम गण परिषद राजनीतिक दल बनाकर विधानसभा चुनाव जीतकर 1985 में असम के मुख्यमंत्री बने प्रफुल्ल कुमार महंत से की जाने लगी है।

आज की तारीख में महंत की असम की राजनीति में कोई चर्चा तक नहीं होती है। केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के नाम से राजनीतिक दल बनाकर 2013 में होने वाले दिल्ली विधान सभा चुनाव लड़ना तय किया। पहले ही चुनाव में ही बिजली-पानी फ्री का मुद्दा कारगर हुआ। आआपा को 70 सदस्यों वाली विधानसभा में करीब 30 फीसद वोट और 28 सीटें मिली। भाजपा करीब 34 फीसद वोट के साथ 32 सीटें जीती और दिल्ली में 15 साल तक शासन करने वाली कांग्रेस को 24.50 फीसद वोट के साथ केवल आठ सीटें मिली। भाजपा के मना करने पर आआपा ने कांग्रेस से बिना मांगे समर्थन से सरकार बनाई और नियम का पालन किए बिना लोकपाल विधेयक विधानसभा में पेश करने से रोके जाने के खिलाफ 49 दिन पुरानी सरकार ने इस्तीफा दिया।

2014 के लोकसभा चुनाव में आआपा ने देश भर में चुनाव लड़ना तय किया। खुद केजरीवाल भाजपा के प्रधानमंत्री के घोषित उम्मीदवार नरेन्द्र मोदी के खिलाफ बनारस चुनाव लड़ने पहुंच गए। वे तो बुरी तरह से हारे ही आआपा के ज्यादातर प्रमुख नेता लोकसभा चुनाव लड़े और पराजित हुए। केवल पंजाब में चार सीट आआपा जीत पाई। बाद में उसमें से दो सांसद आआपा से अलग हो गए और 2019 के लोकसभा चुनाव में केवल अभी के मुख्यमंत्री भगवंत मान चुनाव जीते। 2024 में उसे केवल पंजाब में ही तीन सीटें मिली। 2014 के चुनाव में केजरीवाल ने बड़ा सपना देखा था, वे परिणाम से इतने आहत हुए थे कि कार्यकताओं का गुस्सा शांत करने के लिए जबरन जमानत तुड़वाकर जेल गए। इतना ही नहीं एक-एक करके पार्टी के दिग्गजों-पूर्व कानून मंत्री शांति भूषण, वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण, योगेन्द्र यादव, प्रो. आनंद कुमार इत्यादि को पार्टी से बाहर किया। बाद में कुमार विश्वास समेत अनेक दिग्गज नेता बाहर हुए। यह सिलसिला आज भी जारी है। कहा जाता कि आआपा में वही रह सकता है जो केजरीवाल के किसी फैसले पर सवाल न उठाए। बावजूद इसके आआपा को कई बड़ी सफलता मिल गई।

कांग्रेस की कमजोरी और भाजपा की अधूरी तैयारी के चलते और बिजली-पानी फ्री करने के वादे ने आप को 2015 के चुनाव में दिल्ली विधानसभा में रिकार्ड 54 फीसदी वोट के साथ 67 सीटों पर जीत दिलवा दी। उस चुनाव के बाद पार्टी में अरविंद केजरीवाल का राजनीतिक कद और बढ़ गया। दोबारा मुख्यमंत्री बनते ही उन्होंने दिल्ली से बाहर पार्टी को न ले जाने का घोषणा कर दी। उन्होंने यह साबित कर दिया कि पार्टी को वोट उनके नाम से मिलते हैं। 2020 के दिल्ली विधान सभाचुनाव में फिर उन्होंने रिकार्ड 54 फीसद वोट के साथ 62 सीटें जीती। 2017 के गोवा विधानसभा चुनाव में तो आआपा को कोई सफलता नहीं मिली लेकिन पंजाब में बेहतर नतीजे मिले। 2017 के चुनाव में 117 सीटों की विधानसभा में आआपा को 20 सीटें मिली। 2022 में उसे न केवल 92 सीटें मिली और उसकी दिल्ली से बाहर सरकार बनी। गुजरात और गोवा में चुनाव लड़कर आआपा 10 अप्रैल,2023 को अखिल भारतीय पार्टी बन गई।

सत्ता ने उन्हें आम आदमी से खास आदमी बना दिया। सुरक्षा के भारी तामझाम से उनकी लोगों से दूरी बढ़ी और जिस वीआईपी कल्चर का विरोध करके राजनीति में आए उसी कल्चर के प्रतीक बन गए। शराब घोटाले में कई बड़े नेताओं के जेल जाने के बाद खुद केजरीवाल जेल गए। 2024 का लोकसभा चुनाव और 2015 के विधानसभा चुनाव में केजरीवाल ने अपने को प्रताड़ित करने का मुद्दा बनाने की असफल कोशिश की। 70 सदस्यों वाली विधानसभा चुनाव में भाजपा 48 सीटों के साथ 27 साल बाद सत्ता में लौटी। आआपा को 22 सीटें मिली। मतों का अंतर केवल दो फीसद का था। पहली बार आआपा 2022 के दिल्ली नगर निगम चुनाव जीती थी। उसे 250 में से134 सीटें मिली थी। भाजपा को 104 सीटें मिली थी। केन्द्र में भाजपा की सरकार होने का लाभ उसे मिलता रहा। बहुमत के बावजूद महीनों कवायद के बाद आआपा का मेयर बना। इन ढाई सालों में आआपा के पार्षद भाजपा में आते रहे। इतना ही नहीं आआपा में जाकर पार्षद बने 16 निगम पार्षद अलग दल बनाकर आप से अलग हो गए। निगम में दलबदल विरोधी कानून नहीं लागू है। अब निगम में भी भाजपा बहुमत में है।

आआपा पूरी तरह से अरविंद केजरीवाल की पार्टी है । वह न तो किसी विचारधारा से जुड़ी है, न जाति आधारित या कैडर आधारित पार्टी है। दिल्ली में सरकार जाने के बाद को पार्टी के साथ मुट्ठी भर लोग दिखते हैं। अब केवल पंजाब में आआपा की सरकार है। पंजाब सरकार के खिलाफ भी पार्टी में आवाज उठने लगी है। आआपा के विधायक जेल गए। मंत्री संजीव अरोड़ा पर केन्द्रीय एजेंसियों का छापा पड़ा है। जो हालात दिख रहे हैं उसमें तो यही लग रहा है कि शराब घोटाले की आंच अभी इस पार्टी को और झुलसाएगी। जो नेता जमानत पर जेल से बाहर हैं, वे वापस कब जेल चले जाएं कहा नहीं जा सकता है। अगर ऐसा हुआ और अन्य नेताओं के साथ केजरीवाल जेल गए तो आआपा का हाल असम गण परिषद से भी बुरा होगा। दो फीसद मतों के अंतर से सरकार बनाने वाली भाजपा दिल्ली में अपनी राजनीतिक हैसियत बढ़ाने में लगी है।

राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा देश के करीब ज्यादातर राज्यों में सत्ता में आ गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में केन्द्र की सरकार लगातार रिकार्ड बना रही है। इस सरकार की धमक ऐसी है कि एक के बाद एक करके विपक्ष के बड़े-बड़े दिग्गज पराजित होते जा रहे हैं। कभी विपक्ष की राजनीति के प्रभावशाली नेता रहे कई नाम अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यानी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा बन चुके हैं। कई बड़े नेता बढ़ते उम्र या बिगड़ते समीकरण के चलते अप्रासंगिक हो चुके हैं। वामपंथी दल इतिहास बनते जा रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अपनी सीमा है। जो पढ़े-लिखे असरदार नेताओं में ममता बनर्जी और एमके स्टालिन अप्रैल,2026 के विधानसभा चुनाव में खुद अपना चुनाव हार कर अपने राज्य की सत्ता से बाहर हो चुके हैं। समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव और मायावती जैसे नेता अभी सत्ता से बाहर हैं और अगले साल उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में इनके सत्ता में आने की उम्मीद नहीं है। कई और नेताओं के भी यही हाल हैं।

अरविंद केजरीवाल भी खुद अपने विधानसभा क्षेत्र से पराजित होकर खुद वे और उनकी पार्टी दिल्ली की सत्ता से बाहर हैं। आआपा उनकी पार्टी है। इसलिए वे पंजाब के अघोषित मुख्यमंत्री माने जाते हैं। जिन सात राज्यों के विधानसभा चुनाव अगले साल होंगे उसमें पंजाब ही अकेला राज्य है जहां सत्ता पाने के लिए भाजपा को पश्चिम बंगाल जीतने जैसी मेहनत करनी पड़ेगी। प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में गृहमंत्री अमित शाह जिन्हें आधुनिक चाणक्य कहा जाता है, इसे संभव कर सकते हैं। उन्होंने भाजपा के लिए कठिन माने जाने वाले राज्यों भाजपा की सरकार बनवाकर यह साबित कर दिया है। अगर ऐसा हुआ तो विपक्ष का एक और महत्वाकांक्षी नेता इतिहास के पन्नों में समा जाएगा।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

पंजाब सरकार देश की सेवा में भारतीय सेना के साथ पूरा सहयोग करने के लिए वचनबद्ध : भगवंत सिंह मान

मान ने पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर के साथ सीमावर्ती सुरक्षा, राहत कार्यों और ऑपरेशनल तैयारियों के बारे में विचार-विमर्श किया

यज्ञांश शर्मा
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह से मुलाकात के दौरान पंजाब में मजबूत सिविल-मिलिट्री तालमेल की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसमें दोनों पक्षों ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सीमावर्ती राज्य पंजाब में सीमा प्रबंधन, आंतरिक सुरक्षा, राहत कार्यों और ऑपरेशनल तैयारियों के बारे में तालमेल मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। चंडीगढ़ में हुई इस बैठक में सीमावर्ती क्षेत्रों में चल रहे प्रोजेक्टों में तेजी लाने और उभरती सुरक्षा एवं अन्य चुनौतियों से निपटने के लिए समन्वित ढांचा विकसित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह द्वारा पश्चिमी सेना की कमान संभालने के बाद आर्मी कमांडर और मुख्यमंत्री के बीच पहली मुलाकात के दौरान राष्ट्रीय महत्व के कई मुद्दों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि सीमावर्ती क्षेत्रों में चल रहे सभी प्रोजेक्टों को पूरा करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि ऑपरेशनल क्षमता को और बढ़ाया जा सके और राष्ट्रीय सुरक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा सके। पंजाब के रणनीतिक महत्व पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब एक सीमावर्ती राज्य है, जिसकी लगभग 550 किलोमीटर अंतरराष्ट्रीय सीमा है और इसलिए इस क्षेत्र में सिविल-मिलिट्री सहयोग को और मजबूत करना बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने समन्वय आधारित नीतिनिर्माण और मजबूत आंतरिक सुरक्षा तंत्र के माध्यम से विश्वास बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक आपदाओं, बाहरी खतरों और अन्य संकटों का प्रभावी ढंग से जवाब देने के लिए मजबूत रणनीति विकसित करने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सिविल प्रशासन और सशस्त्र सेनाओं के बीच मजबूत सहयोग राष्ट्रीय हितों की रक्षा और आपात स्थिति के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। बैठक में सीमा प्रबंधन, आंतरिक सुरक्षा, युवा सशक्तिकरण, अग्निवीरों के पुनर्वास और ऑपरेशनल तैयारी से जुड़े महत्वपूर्ण भूमि अधिग्रहण मामलों पर भी विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। राहत कार्यों, सशस्त्र सेनाओं में भर्ती और सेवा दे रहे सेना के कर्मियों तथा पूर्व सैनिकों के लिए आवासीय प्रोजेक्टों सहित कल्याणकारी कदमों पर भी चर्चा की गई। सशस्त्र सेनाओं का सहयोग करने के लिए पंजाब सरकार की वचनबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह को भारतीय सेना द्वारा देश की सेवा में की जाने वाली हर पहल के लिए राज्य की ओर से पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया। बैठक के दौरान मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा, ब्रिगेडियर समीर ठक्कर, कर्नल जसदीप संधू, मुख्यालय पश्चिमी कमान के सिविल-मिलिट्री मामलों के सलाहकार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी से होंगे म्यूनिसिपल कमेटी और कॉरपोरेशन चुनावः हरचंद सिंह बरसट

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी के राज्य महासचिव ने उम्मीदवारों, वॉलंटियर्स से चुनाव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की

आम आदमी पार्टी, पंजाब के प्रदेश महासचिव और पंजाब मंडी बोर्ड के चेयरमैन स. हरचंद सिंह बरसट ने कहा कि आगामी म्यूनिसिपल कमेटी और कॉरपोरेशन चुनाव पूरी पारदर्शिता, ईमानदारी और निष्पक्ष ढंग से होंगे। लोग अपनी पसंद और क्षेत्र के विकास के लिए मतदान करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में लोगों की राय सर्वोपरि होती है और हर नागरिक को बिना किसी डर या दबाव के अपने मत का प्रयोग करने का पूरा अधिकार है। स. बरसट ने पार्टी के उम्मीदवारों, नेताओं और वॉलंटियर्स से अपील करते हुए कहा कि वे चुनाव में पूरे जोश और उत्साह के साथ हिस्सा लें और घर-घर जाकर लोगों के साथ सीधा संपर्क बनाएं और सरकार की ओर से किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दें। आम आदमी पार्टी की सरकार ने पिछले चार वर्षों के दौरान पंजाब के लोगों के लिए ईमानदारी से काम किया है, जिससे लोग बहुत खुश हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की ओर से चार वर्षों के दौरान अपने सभी वादे पूरे किए गए हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, रोजगार और लोक कल्याण के क्षेत्रों में ऐतिहासिक और जन-हितैषी निर्णय लिए गए हैं। सरकारी स्कूलों और अस्पतालों में सुधार, लोगों को 600 यूनिट मुफ्त बिजली, 65 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत 10 लाख रुपये का इलाज, महिलाओं को मुफ्त बस सफर, मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना के तहत महिलाओं को 1000 रुपये प्रति माह और अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित महिलाओं को 1500 रुपये प्रति माह ने आम लोगों में सरकार के प्रति विश्वास को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि लोग सरकार के कार्यों से संतुष्ट हैं। ये चुनाव पूरी तरह से शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से होंगे। राज्य महासचिव ने कहा कि लोग अब यह समझ चुके हैं कि कौन सी पार्टियां सिर्फ वादे करती हैं और कौन सी पार्टी असल में लोगों के लिए काम करती है। आम आदमी पार्टी ने अपने वादे पूरे करके लोगों का विश्वास जीता है। उन्होंने दावा किया कि नगर निगमों और म्यूनिसिपल कमेटियों के चुनाव में आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा किए गए कार्यों और उम्मीदवारों के कामों से खुश होकर लोग 'आप' उम्मीदवारों को भारी समर्थन देंगे और उनके पक्ष में मोहर लगाएंगे। स. बरसट ने लोगों से अपील की कि वे बढ़-चढ़कर वोटिंग में हिस्सा लें और ईमानदार और जन-सेवा के लिए समर्पित प्रतिनिधियों का चुनाव करें।

रवनीत सिंह ने अमृतसर से नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना किया

एजेंसी (हि.स.)
अमृतसर

अमृतसर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास को 402 करोड़ रुपये की मंजूरी, पांच नए प्लेटफॉर्म के लिए 100 रुपये करोड़ स्वीकृत

अमृतसर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास को लेकर केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्यमंत्री रवनीत सिंह ने घोषणा की कि अमृतसर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए 402 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इसके अलावा स्टेशन पर पांच नए प्लेटफॉर्म विकसित करने के लिए अलग से 100 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। रवनीत सिंह ने अमृतसर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि अमृतसर रेलवे स्टेशन सिर्फ एक परिवहन केंद्र नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और देशभक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे इस स्टेशन को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस करेगा, जो शहर की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को दर्शाएगा। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत बड़े स्तर पर यार्ड रीमॉडलिंग और विस्तार कार्य किए जाएंगे। स्टेशन पर पांच अतिरिक्त प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे, जिनमें दो उत्तरी दिशा और तीन दक्षिणी दिशा में होंगे। इसके साथ पांच नई यात्री लूप लाइनें भी बनाई जाएंगी, ताकि ट्रेनों की आवाजाही आसान हो और भीड़भाड़ कम हो सके।

रवनीत सिंह ने कहा कि अमृतसर में एक नया वंदे भारत मेंटेनेंस शेड भी बनाया जाएगा, जिससे रेलवे संचालन को और मजबूती मिलेगी। स्टेशन के उत्तरी हिस्से में सात कॉमर्शियल फ्लोर के साथ आधुनिक ऋ-10 स्टेशन भवन बनाया जाएगा, जबकि दक्षिणी हिस्से में ऋ-3 स्टेशन भवन तैयार किया जाएगा। यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन के उत्तर और दक्षिण हिस्से को जोड़ने हेतु दो नए सबवे बनाए जाएंगे।

राज्यपाल को चंडीगढ़ के धार्मिक स्थलों और पंजाब यूनिवर्सिटी से जुड़े मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल, चंडीगढ़ और स्टूडेंट ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को चंडीगढ़ के प्रशासक एवं पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात कर शहर से जुड़े कई अहम जनहित मुद्दे उठाए। प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई शिरोमणि अकाली दल चंडीगढ़ के अध्यक्ष चरणजीत सिंह विली ने की। बैठक के दौरान चरणजीत सिंह विली ने राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपते हुए चंडीगढ़ के धार्मिक संस्थानों, स्थानीय निवासियों और पंजाब यूनिवर्सिटी के छात्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को विस्तार से रखा। प्रतिनिधिमंडल ने सबसे पहले चंडीगढ़ के गुरुद्वारों और मंदिरों को प्रशासन द्वारा भेजे जा रहे उल्लंघन नोटिसों का मुद्दा उठाया। अकाली दल ने मांग की कि लोगों की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सभी धार्मिक स्थलों को एकमुश्त नीति के तहत नियमित किया जाए। इसके अलावा चंडीगढ़ नगर निगम में नामित किए जाने वाले 9 पार्षदों में सिख समुदाय को उचित प्रतिनिधित्व देने की मांग भी उठाई गई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कम से कम दो नामित पार्षदों की सीटें सिख समुदाय के लिए आरक्षित की जानी चाहिए। वरिष्ठ नागरिकों और विधवाओं को दी जा रही पेंशन बढ़ाने की मांग भी बैठक में प्रमुख मुद्दा रही। नेताओं ने कहा कि मौजूदा समय में 1000 रुपये की पेंशन राशि बहुत कम है और बढ़ती महंगाई को देखते हुए इसे बढ़ाया जाना चाहिए। चंडीगढ़ के पार्किंग स्थलों में अव्यवस्था और ट्रैफिक जाम का मुद्दा भी राज्यपाल के सामने रखा गया। प्रतिनिधिमंडल ने पार्किंग स्थलों की खराब स्थिति से संबंधित तस्वीरें भी सौंपीं। पंजाब यूनिवर्सिटी में साइन बोर्डों से पंजाबी भाषा हटाने के मुद्दे पर भी चिंता जताई गई। साथ ही नए बने ऑडिटोरियम का नाम बाबा फतेह सिंह और बाबा जोरावर सिंह के नाम पर रखने की मांग की गई। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात के बाद राज्यपाल का धन्यवाद किया।

चुनावों से ठीक पहले एसआईआर क्यों करवाई जा रही है : वड़िंग

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने आज पंजाब में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (रक्क्र) अभियान के समय को लेकर सवाल उठाए हैं, जबकि राज्य में विधानसभा चुनावों के लिए दस महीने से भी कम समय बचा है।

भारतीय चुनाव आयोग द्वारा इस संबंध में किए गए ऐलान पर प्रतिक्रिया देते हुए वड़िंग ने कहा कि पंजाब में चुनावों के बाद भी यह प्रक्रिया करवाई जा सकती थी ताकि लोगों को यह भरोसा रहे कि इसके पीछे कोई छिपा हुआ एजेंडा नहीं है।

उन्होंने कहा, बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनावों ने यह बात पूरी तरह स्पष्ट कर दी है कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार, एक आज्ञाकारी चुनाव आयोग की मदद से, मतदाता सूचियों की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन जैसी धोखाधड़ी वाली प्रक्रिया के जरिए चुनाव परिणामों को अपने पक्ष में मोड़ सकती है।

उन्होंने कहा कि पंजाब में दस महीनों से भी कम समय में चुनाव होने हैं, संभव है इससे भी पहले हो जाएं। उन्होंने सवाल किया कि फिर यहां यह अभियान चलाने की इतनी जल्दबाजी क्यों है?

पीसीसी अध्यक्ष ने पूछा कि जब उत्तर प्रदेश और गोवा जैसे राज्यों में यह रक्क्र अभियान छह महीने पहले ही करवाया जा चुका है और वे राज्य भी पंजाब के साथ ही चुनावों की ओर बढ़ रहे हैं, तो पंजाब में यह अभ्यास उस समय क्यों नहीं किया गया।

उन्होंने बताया कि बंगाल के मामले में 27 लाख वास्तविक मतदाताओं को वोट देने के अधिकार से वंचित कर दिया गया था। क्योंकि पर्याप्त समय नहीं था, इसलिए मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए की गई अपीलों का चुनावों से पहले निपटारा नहीं हो पाया। वे अपने मतदान के अधिकार से वंचित रह गए, उन्होंने कहा और चेतावनी दी कि पंजाब में यही प्रक्रिया दोहराई न जाए।

उन्होंने कहा, भारतीय चुनाव आयोग पंजाब में भी यही अभ्यास दोहराना चाहता है। उन्होंने आगे कहा, हमें पूरा विश्वास है कि हम उनकी इस साजिश को नाकाम करेंगे।

उन्होंने बताया कि पार्टी ने अपने सभी नेताओं और कार्यकताओं से कहा है कि इस कथित धोखाधड़ी वाली रक्क्र प्रक्रिया के दौरान किसी भी वास्तविक मतदाता को वोट देने के अधिकार से वंचित न होने दिया जाए।

वड़िंग ने राज्य की अन्य राजनीतिक पार्टियों से भी अपील की कि वे अपनी राजनीतिक असहमतियों को एक तरफ रखकर यह सुनिश्चित करें कि चुनावों से ठीक पहले पंजाब के मतदाताओं को मतदान के अधिकार से वंचित न किया जाए, क्योंकि भाजपा को शक है कि पंजाबी उसे वोट नहीं देंगे।

उन्होंने कहा, आइए हम यह संकल्प लें कि जो कुछ बिहार और बंगाल में हुआ, वह पंजाब में नहीं होने देंगे।

पंजाब सरकार परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से तुरंत आवश्यक संशोधन करे : डॉ. कंवलजीत कौर

ग्लोबल सिख काउंसिल ने सत्कार कानून में तत्काल संशोधनों हेतु जत्थेदार को भेजा पत्र

सिटी दर्पणस ंवाददाता
चंडीगढ़

विभिन्न देशों की धार्मिक संस्थाओं की अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था ग्लोबल सिख काउंसिल ने श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार सिंह साहिब ज्ञानी कुलदीप सिंह गर्गज्ज को एक पत्र भेजकर हृजागत ज्योत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) कानून 2026हृ में तत्काल संशोधन सुनिश्चित करने के लिए पंथक हस्तक्षेप की मांग की है। काउंसिल ने इस पत्र की प्रतियां पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान तथा मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा को भी भेजते हुए विश्वभर के सिखों की भावनाओं के अनुरूप तत्काल विधायी कार्यवाही की मांग की है।

किसी दोषी द्वारा जानबूझकर की जाने वाली बेअदबी के विरुद्ध कठोर दंड की व्यवस्था को उचित ठहराते हुए काउंसिल की प्रधान डॉ. कंवलजीत कौर ने अपने पत्र में कहा है कि संशोधित अधिनियम में अनेक गंभीर कमियां हैं जो उस बुराई जितनी ही पीड़ा सिख समुदाय को दे सकती हैं जिसे समाप्त करने के उद्देश्य से यह कानून लाया गया है।

उन्होंने कहा कि ग्लोबल सिख काउंसिल की सबसे गंभीर चिंता यह है कि यह अधिनियम श्री गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ करने, संरक्षण करने तथा सेवा-संभाल करने वालों के विरुद्ध पुलिस को मामला दर्ज करते समय सिख रहित मयार्दा की व्याख्या करने का अधिकार स्पष्ट रूप से देता है जो सिखों के धार्मिक मामलों में सीधा और असंवैधानिक हस्तक्षेप है तथा जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। काउंसिल ने स्पष्ट कहा है कि सिख रहित मयार्दा की व्याख्या करना केवल श्री अकाल तख्त साहिब के पूर्ण अधिकार क्षेत्र में आता है।

उन्होंने आगे कहा कि यह अधिनियम ग्रंथियों, सेवादारों, गुरुद्वारा प्रबंधकों तथा गुरुद्वारों या अपने घरों में गुरु ग्रंथ साहिब का प्रकाश करने या अखंड पाठ करवाने वाले परिवारों को भी वास्तविक बेअदबी करने वाले व्यक्ति के समान अपराधी बनाकर असुरक्षित करता है तथा ऐसे निर्दोष श्रद्धालुओं को न्यायालयों में अपनी बेगुनाही सिद्ध करने के लिए मजबूर करता है। इससे सिखों में स्थायी भय का वातावरण उत्पन्न होगा और लोग अपने घरों में प्रतिदिन श्री गुरु ग्रंथ साहिब का प्रकाश करने या अखंड पाठ करवाने से भी हिचकिचाने लगेंगे।

ग्लोबल सिख काउंसिल की प्रधान ने इस संशोधित अधिनियम के कारण उत्पन्न अन्य चिंताओं का भी उल्लेख किया है जिनमें बेअदबी किए गए स्वरूपों को पुलिस द्वारा अदालती कार्यवाही के लिए हृवाद सामग्रीहृ के रूप में कब्जे में लेना, पुलिस जांच एवं न्यायिक विज्ञान परीक्षण के दौरान गुरमत मयार्दा का पालन, बेअदबी रोकने के दौरान गुरु की रक्षा करने वालों के लिए विधिक सुरक्षा का अभाव, इस अधिनियम के दुरुपयोग के विरुद्ध पर्याप्त सुरक्षा प्रबंधों के बिना झूठे मामले दर्ज होने का खतरा तथा कठोर दंड के बावजूद शीघ्र न्याय के लिए त्वरित न्यायालयों की व्यवस्था न होना शामिल है।

काउंसिल ने श्री अकाल तख्त साहिब से अपील की है कि वह पंजाब सरकार को स्पष्ट आदेश जारी करे कि सिख विद्वानों, संवैधानिक विशेषज्ञों और पंथक संस्थाओं, जिनमें शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी तथा श्री अकाल तख्त साहिब शामिल हैं, के साथ मिलकर परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से तुरंत व्यापक संशोधन किए जाएं ताकि उपरोक्त वास्तविकताओं के मद्देनजर विश्वभर के सिखों की चिंताओं और भावनाओं का सम्मानपूर्वक समाधान किया जा सके।

संक्षिप्त-समाचार

फाजिल्का बॉर्डर पर मिला पाकिस्तानी ड्रोन, हेरोइन तस्करी की आशंका

चंडीगढ़। पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के जरिए नशा और हथियार तस्करी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियां लगातार कार्रवाई कर रही हैं, लेकिन सीमा पार से ड्रोन गतिविधियां थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बुधवार देर रात फाजिल्का के भारत-पाकिस्तान सीमा क्षेत्र में एक पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार गांव चक्क बाजीदा के खेतों में ड्रोन गिरने की सूचना मिलने के बाद बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने तुरंत इलाके को सील कर संयुक्त सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान खेतों से एक ड्रोन बरामद किया गया। इस मामले में थाना सदर जलालाबाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस चौकी घुबाया के इंचार्ज गुरनाम सिंह ने बताया कि बीएसएफ से सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे इलाके की घेराबंदी की गई। उन्होंने बताया कि एक किसान के खेत में गेहूं के नाड़ के बीच ड्रोन पड़ा मिला, जिसे कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि यह ड्रोन सीमा पार से हेरोइन की खेप गिराने के बाद वापस लौट रहा था, लेकिन बैटरी खत्म होने या किसी तकनीकी खराबी के कारण खेतों में गिर गया। फिलहाल पुलिस और खुफिया एजेंसियां पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही हैं और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि ड्रोन किसके लिए भेजा गया था।

मोहाली नगर निगम चुनाव के दौरान वार्ड 40 से भाजपा उम्मीदवार के पिता पर हमला

मोहाली। मोहाली नगर निगम चुनाव के दौरान वार्ड नंबर 40 से भाजपा उम्मीदवार के पिता पर हमले की घटना सामने आई है, जिससे इलाके में तनाव का माहौल बन गया है। भाजपा उम्मीदवार गौतम गिरीश लद्दड़ के पिता रिटायर्ड आईएएस एसआर लद्दड़ सेक्टर 77 में घर-घर जाकर चुनाव प्रचार कर रहे थे। इसी दौरान कुछ अज्ञात युवकों ने उनके साथ धक्का-मुक्की की और उन पर हमला कर दिया। हमले के दौरान एस आर लद्दड़ जमीन पर गिर पड़े, जिससे उन्हें हल्की चोटें भी आई हैं। हमलावरों ने उन्हें धमकाया कि वे दोबारा सेक्टर 77 में प्रवेश न करें। घटना के बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई और लद्दड़ ने अपने बयान दर्ज करवा दिए हैं। इस मामले पर भाजपा के जिला अध्यक्ष संजीव विशिष्ट ने बताया कि सुबह करीब 8:30 बजे उन्हें उम्मीदवार की ओर से फोन आया, जिसमें इस हमले की जानकारी दी गई। विशिष्ट ने आरोप लगाया कि कुछ स्थानीय लोगों ने जबरदस्ती करते हुए धक्का-मुक्की की और धमकाया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में एसएसपी मोहाली हरमदीप सिंह हंस और डीएसपी सिटी-2 हरसिमरन सिंह बल्ल से बात हो चुकी है, जिन्होंने आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। विशिष्ट ने पार्टी कार्यकताओं से अपील की कि वे डरें नहीं और किसी भी तरह की धमकी की जानकारी तुरंत साझा करें।

उत्तर भारत पर्यटन एक्सपो एवं कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन 29 मई को चंडीगढ़ में होगा

चंडीगढ़। आईसीएम ग्रुप द्वारा उत्तर भारत पर्यटन एक्सपो एवं कॉन्क्लेव (एनआईटीसी) 2026 का आयोजन 29 मई 2026 को चंडीगढ़ में किया जाएगा। एनआईटीसी एक विशिष्ट बी2बी मंच है, जिसका उद्देश्य उत्तर भारतीय राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के विविध पर्यटन क्षेत्रों को बढ़ावा देना और क्षेत्रीय पर्यटन को नई दिशा देना है। इस कार्यक्रम का फोकस लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश रहेंगें। यह कॉन्क्लेव पर्यटन मंत्रालय के राष्ट्रीय पर्यटन एजेंडे के अनुरूप है तथा एक भारत श्रेष्ठ भारत - देखो अपना देश, मीट इन इंडिया और वेड इन इंडिया जैसी प्रमुख पहलों को समर्थन प्रदान करता है। एनआईटीसी 2026 की मुख्य विशेषताएं में व्यावसायिक नेटवर्किंग, निवेश पर फोकस, पर्यटन क्षेत्र - ऑफबीट डेस्टिनेशन, फिल्म पर्यटन, विवाह, आध्यात्मिक, विरासत, सांस्कृतिक एवं वेलनेस पर्यटन को बढ़ावा के साथ ज्ञान आदान-प्रदान - नई पहलों और बुनियादी ढांचे के विकास पर उद्योग विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श तथा फिल्म एवं विवाह पर्यटन - उत्तर भारत को फिल्म शूटिंग और डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करना रहेगा। इस आयोजन के संबंध में एनआईटीसी सचिवालय ने कहा कि एनआईटीसी 2026 पर्यटन बोर्डों के लिए नेटवर्किंग, प्रत्यक्ष निवेश आकर्षित करने तथा अनछुए गंतव्यों को प्रदर्शित करने का एक आदर्श मंच होगा। हमारा उद्देश्य उत्तर भारत के पर्यटन इकोसिस्टम से जुड़े सभी हितधारकों के लिए सार्थक व्यावसायिक अवसर तैयार करना है।

पार्क अस्पताल, मोहाली रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाः डॉ भानु प्रताप सिंह

चंडीगढ़। पार्क अस्पताल, मोहाली के डायरेक्टर-ऑर्थोपेडिक्स और रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट, डॉ भानु प्रताप सिंह और सीनियर कंसल्टेंट-ऑर्थोपेडिक्स, डॉ अनिल कपूर वशिष्ठ ने गुरुवार को यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए रोबोटिक नी रिसर्फेसिंग सर्जरी में हुई हालिया प्रगति पर प्रकाश डाला। पार्क अस्पताल उत्तर भारत का दूसरा सबसे बड़ा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल नेटवर्क है, जिसमें 17 अस्पताल, 4160 बेड, 900 आईसीयू बेड, 15 कैथ लैब, 45 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर और 1200 से अधिक डॉक्टर हैं। डॉ भानु प्रताप ने कहा, पार्क हॉस्पिटल, मोहाली में हमने 2500 से अधिक रोबोटिक नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी की हैं। अपनी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में, पार्क हॉस्पिटल, मोहाली और पार्क हॉस्पिटल, पंचकुला अपने सभी मरीजों को 30 जून तक मुफ्त रोबोटिक तकनीक उपलब्ध करा रहा है। इस पहल का उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक उन्नत स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना है। उन्होंने यह भी बताया कि पार्क हॉस्पिटल मोहाली इस क्षेत्र का एकमात्र अस्पताल है जो रोबो सूट से लेस्स है, जिसमें रोबो-3डी, रोबो आई और रोबो आर्म शामिल हैं, जो अभूतपूर्व सटीकता, दक्षता और बेहतर उपचार परिणाम प्रदान करते हैं। डॉ भानु ने यह भी बताया कि पहले नी रिप्लेसमेंट सर्जरी के पूरे इलाज के लिए मरीज को 3-4 सप्ताह अस्पताल में रहना पड़ता था। लेकिन रोबोटिक सर्जरी में हाल ही में हुई प्रगति से अब हम रोबोटिक नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी 12-15 मिनट में कर रहें हैं।

नारायणा के दो विद्यार्थियों का इंटरनेशनल ओलंपियाड ऑन एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स 2026 हेतु भारतीय दल में चयन

चंडीगढ़। नारायणा एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स ने वैश्विक शैक्षणिक उत्कृष्टता की अपनी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए हर्षपूर्वक घोषणा की है कि अक्षत श्रीवास्तव (कक्षा 12वीं) एवं सुमंत गुप्ता (कक्षा 11वीं) का चयन 19वें इंटरनेशनल ओलंपियाड ऑन एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (आईओएए) 2026 हेतु भारतीय दल में हुआ है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता हनोई, वियतनाम में 25 सितंबर से 5 अक्टूबर 2026 तक आयोजित की जाएगी। इंटरनेशनल ओलंपियाड ऑन एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (आईओएए) 2026 विश्व की सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिक प्रतियोगिताओं में से एक है, जिसमें विभिन्न देशों के प्रतिभाशाली विद्यार्थी भाग लेते हैं तथा इंटरनेशनल ओलंपियाड ऑन एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। यह नारायणा एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स के लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि भारतीय दल के 5 सदस्यों में से 2 विद्यार्थी नारायणा प्रोडिजी से चयनित हुए हैं। यह उपलब्धि इंस्टीट्यूट की उच्च स्तरीय शैक्षणिक तैयारी, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अक्षत श्रीवास्तव ने ओसीएससी में समग्र प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए प्रतिष्ठित सी. एल. भट्ट स्मृति पुरस्कार अर्जित किया, जबकि सुमंत गुप्ता ने ओसीएससी में सैद्धांतिक श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर संस्थान को गौरवान्वित किया।

डॉ. हरीश वशिष्ठ बने राष्ट्रीय लोकदल प्रोफेशनल मंच के चंडीगढ़ प्रदेश अध्यक्ष

चंडीगढ़। राष्ट्रीय लोकदल (आर.एल.डी) ने डॉ. हरीश वशिष्ठ को पार्टी के प्रोफेशनल मंच का चंडीगढ़ प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी की सहमति के उपरांत वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, आर.एल.डी प्रोफेशनल मंच रविकांत चड्ढा द्वारा घोषित की गई। डॉ. हरीश वशिष्ठ शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा एवं कौशल विकास के क्षेत्र में पिछले 25 वर्षों से सक्रिय हैं। वर्तमान में वे एनआईआईएलएम यूनिवर्सिटी, कैथल (हरियाणा) में स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज के डीन एवं प्रोफेसर के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन एवं फिजियोथेरेपी में पीएचडी सहित कई पेशेवर डिग्रियां प्राप्त की हैं। वे विभिन्न शिक्षण एवं स्वास्थ्य संस्थानों का सफल संचालन कर रहे हैं। डॉ. वशिष्ठ ने केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं कौशल विकास परियोजनाओं के तहत हजारों युवाओं को प्रशिक्षण एवं रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डॉ. वशिष्ठ सामाजिक एवं खेल गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। वे हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड, चंडीगढ़ के चेयरमैन, सॉफ्टबॉल एसोसिएशन चंडीगढ़ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा मिनी गोल्फ एसोसिएशन हिमाचल प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

रूस ने यूक्रेन पर किया ड्रोन और मिसाइल हमला, 14 की मौत, 80 से अधिक घायल

इमारत के मलबे में दबे 10 लोगों को बचाया, एक की मौत, 16 अन्य घायल हो गए

एजेंसी (हि.स.)
कीव (यूक्रेन)

फोटोः हि.स.

रूस ने पूरे यूक्रेन में बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमला किया है। रूस ने बुधवार सुबह से आधीरात बाद तक ताबड़तोड़ हमला कर तबाही मचा दी। इन हमलों में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 80 से अधिक नागरिक घायल हो गए। राजधानी कीव में रूस के हमले से एक आवासीय इमारत ढह गई।

इस इमारत के मलबे में दबे 10 लोगों को बचाया गया। एक व्यक्ति की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। रात लगभग एक बजे यूक्रेन की वायुसेना ने देशव्यापी हवाई अलर्ट जारी किया। इसमें चेतावनी दी गई कि रूस ने मिग-31 बमवर्षक विमानों को तैनात कर दिया है। देश का हर क्षेत्र बैलिस्टिक मिसाइल हमलों की जद में है। द कीव इंडिपेंडेंट अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, कीव सैन्य प्रशासन के प्रमुख टिमुर टकाचेंको ने कुछ देर बाद चेतावनी दी क रूसी ड्रोन राजधानी की ओर बढ़ रहे हैं और मिसाइल हमले भी संभावित खतरा हैं। स्थानीय समयानुसार तड़के 3:08 बजे कीव में जोरदार धमाके हुए। यूक्रेन की हवाई रक्षा प्रणालियां रूसी ड्रोन से जूझती नजर आईं।3:15 बजे से 3:20 बजे के बीच बैलिस्टिक मिसाइल के हमलों से होने वाले धमाकों की आवाज सुनी गई। इसके कुछ देरबाद लगभग 3:44 बजे फिर बैलिस्टिक मिसाइलों ने गरजना शुरू कर दिया। कीव के मेयर विटाली क्लिट्को ने बताया कि गिरे हुए ड्रोन के मलबे से निप्रोव्स्की जिले में एक पांचमंजिला आवासीय इमारत की छत पर आग लग गई और होलोसीव्स्की जिले में एक सड़क पर मलबा गिर गया। ड्रोन का मलबा एक कार्यालय की इमारत और एक पार्किंग संरचना पर गिरा। ओबोलोन्स्की जिले में एक 12 मंजिला आवासीय इमारत पर ड्रोन का मलबा गिरने के बाद उसमें आग लग गई। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि एक निर्माणाधीन 25 मंजिला इमारत पर भी हमला किया गया सोलोम्यांस्की जिले में रूसी ड्रोन के मलबे से एक कार में आग लग गई। रूस की सेना ने 13 मई की दोपहर यूक्रेन के जरूरी और आम लोगों के इंफ्रास्ट्रक्चर बड़ा हमला किया। इस हमले के कई चरणों में कम से कम 800 ड्रोन से कई शहरों को निशाना बनाया गया। इन हमलों में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 80 से अधिक लोग घायल हो गए। इसके बाद रूस ने आधीरात बाद फिर हमले किए। रूस के ड्रोन हमलों पर राष्ट्रपति जेलेंस्की ने चेतावनी दी थी कि रूस मिसाइल हमले भी कर सकता है। यूक्रेन की मिलिट्री इंटेलिजेंस एजेंसी एचयूआर ने पहले ही राष्ट्रपति को आगाह किया था कि रूसी सेना बड़ी संख्या में हवा और समुद्र से छोड़ी जाने वाली क्रूज मिसाइलों, साथ ही बैलिस्टिक मिसाइलों से हमले जारी रखने की योजना बना रही है।

चीन-अमेरिका संबंधों में नया अध्याय शुरू होगाः शी जिनपिंग

एजेंसी (हि.स.)
बीजिंग

फोटोः हि.स.

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने गुरुवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि 2026 एक ऐतिहासिक और मील का पत्थर साबित होने वाला वर्ष होगा। यह वर्ष चीन-अमेरिकी संबंधों में नया अध्याय खोलेगा। शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में द्विपक्षीय बैठक शुरू होने से पहले शुरूआती भाषण दिया। शी ने कहा दुनिया नए मोड़ पर आ गई है।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ और अमेरिकी चैनल सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में यह पल ट्रंप और शी के बीच आधिकारिक मुलाकात का गवाह बना। ट्रंप स्वागत से बेहद खुश नजर आए। स्वागत के बाद दोनों नेताओं ने अमेरिकी और चीन के प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों से मुलाकात की। इसके बाद दोनों नेता रेड कार्पेट पर चलते हुए लाल और सुनहरे रंग की सजावट वाले एक ढके हुए मंच तक पहुंचे। यहां एक सैन्य बैंड ने दोनों देशों के राष्ट्रगान बजाए और पास ही स्थित तियानमेन चौक पर तोपों की सलामी गूंजी। ट्रंप और शी ने सैनिकों का निरीक्षण किया और फिर सैकड़ों उछलते-कूदते बच्चों के बीच से गुजरे। ट्रंप और शी ने कई बार एक-दूसरे के हाथ पर हाथ रखकर स्नेह जताया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी नेता शी जिनपिंग ने अहम बातचीत शुरू कर दी है। दो दिनों तक चलने वाली इन मुलाकातों में उनके बीच टेक्नोलॉजी, व्यापार और ताइवान जैसे कई पेचीदा मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। इस बातचीत का जो भी रुख तय होगा, वह आने वाले कई सालों तक दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच संबंधों की दिशा तय कर सकता है। अमेरिका- इजराइल का ईरान के साथ संभावित युद्ध और उसके बाद पैदा होने वाला वैश्विक ऊर्जा संकट इस यात्रा पर हावी है। उम्मीद है कि ट्रंप, शी से आग्रह करेंगे कि वे चीन के सहयोगी देश ईरान पर दबाव डालें ताकि वह शांति समझौते पर राजी हो जाए और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोल दे। होर्मुज तेल व्यापार के लिए बेहद अहम समुद्री रास्ता है।

डीजीसीए ने बारामती में रेड बर्ड एविएशन के विमान दुघर्टना की जांच शुरू की

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

विमानन नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने महाराष्ट्र के बारामती में रेड बर्ड एविएशन के बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए प्रशिक्षण विमान की जांच शुरू कर दी है। विमानन नियामक डीजीसीए ने बुधवार देर रात जारी एक बयान में कहा कि बुधवार, 13 मई को ट/२ रेड बर्ड एविएशन (एक फ्लाइट ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन या एफटीओ) का टेक्नाम 2008जेसी विमान (वीटी आरएफवाई), सोलो फ़्लाइंग (अकेले उड़ान) के दौरान तकनीकी खराबी आने पर विमान उड़ा रहे ट्रेनी पायलट को बारामती एयरपोर्ट के नजदीक गोजुबोवी नामक स्थान पर खेतों में आपातकालीन लैंडिंग करनी पडी थी जिससे विमान क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन इसका पायलट सुरक्षित रहा। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की आरंभिक जांच के मुताबिक पहला सर्किट और लैंडिंग सफल रही। हालांकि, दूसरे सर्किट लैंडिंग के दौरान, ट्रेनी पायलट ने कुछ तकनीकी खराबी महसूस की और एक खुले मैदान में आपातकालीन लैंडिंग कर दी। ट्रेनी पायलट सुरक्षित है, लेकिन विमान को नुकसान पहुंचा है। डीजीसीए इस घटना की विस्तृत जांच कर रहा है। उल्लेखनीय है कि रेडबर्ड एविएशन के साथ यह कोई पहली घटना नहीं है, 2021 से लेकर अब तक रेडबर्ड एविएशन के विमानों के साथ यह 7वीं बड़ी दुर्घटना है। लगातार हो रहे इन हादसों ने एकेडमी की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चुनाव बाद हिंसा मामले की सुनवाई में कलकत्ता हाई कोर्ट पहुंचीं ममता बनर्जी

वकील के रूप में हुईं पेश

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

फोटोः हि.स.

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गुरुवार को चुनाव बाद हिंसा से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान कलकत्ता हाई कोर्ट पहुंचीं। वह अधिवक्ताओं की पोशाक में अदालत परिसर में नजर आईं।

सुबह करीब 11 बजे ममता बनर्जी अचानक हाई कोर्ट परिसर पहुंचीं। काला गाउन पहनकर अदालत पहुंचीं ममता को देखकर परिसर में मौजूद लोगों और वकीलों के बीच हलचल मच गई। जानकारी के अनुसार वह चुनाव बाद हिंसा से संबंधित एक जनहित याचिका में पक्ष रखने के लिए अदालत पहुंची। यह मामला मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल और न्यायमूर्ति पार्थसारथी सेन की खंडपीठ में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। बताया जा रहा है कि इसी मामले में दलील पेश करने के उद्देश्य से ममता अदालत पहुंचीं। राज्य में चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद विभिन्न इलाकों में हिंसा और तनाव की घटनाओं के आरोप सामने आए हैं। इन्हीं घटनाओं को लेकर तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी के पुत्र और अधिवक्ता शीर्षान्य बनर्जी ने कलकत्ता हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। मामले की सुनवाई शुरू होने से पहले ही ममता बनर्जी अदालत कक्ष में पहुंच गई थीं। हाई कोर्ट में उनकी मौजूदगी को लेकर राजनीतिक और कानूनी हलकों में काफी चर्चा रही। इसके पहले एसआईआर मामले की सुनवाई के दौरान भी वह उच्चतम न्यायालय में भी हाजिर हुई थीं।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 140 अंक उछला

नई दिल्ली। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। पिछले कुछ दिनों से बिकवाली का दबाव झेल रहे बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ कारोबर करते दिख रहे हैं। सेंसेक्स में 140 अंक और निफ्टी में 81 अंकों की तेजी है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज बीएसई का सेंसेक्स 139.91 अंक यानी 0.19 फीसदी की उछला के साथ 74,748.88 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 88.90 अंक यानी 0.38 फीसदी की बढ़त के साथ 23,501.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। शेयर बाजार में आज ऑटो, मेटल, बैंकिंग और फार्मा शेयर्स में ज्यादा खरीदारी है। बाजार में यह सकारात्मक शुरूआत पिछले सत्र में हुई मामूली रिकवरी के बाद हुई है, जिसमें शेयर बाजार गिरावट के सिलसिले को रोकने में कामयाब रहा था। इसके अलावा रुपया शुरूआती कारोबार में 20 पैसे टूटकर सर्वकालिक निचले स्तर 95.86 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। उल्लेखनीय है कि कल शेयर बाजार में बढ़त रही। सेंसेक्स 50 अंक की तेजी के साथ 74,609 पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी 33 अंक की तेजी के साथ 23,413 के स्तर पर बंद हुआ था।

संक्षिप्त-समाचार

दाउदपुर में ट्रक-ऑटो की टक्कर में दो की मौत, एक घायल

सारण। दाउदपुर छपरा-सीवान मुख्य मार्ग पर सुबह-सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो व्यक्ति की जान चली गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना दाउदपुर थाना क्षेत्र के बनवार ढाला सोनिया पुल के समीप सुबह करीब पांच बजे की है। जानकारी के अनुसार एक ऑटो छपरा से एकमा की ओर जा रहा था, तभी सीवान की तरफ से आ रहे ट्रक ने उसे सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही दाउदपुर थाना पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, एकमा भेजा। अस्पताल ले जाने के क्रम में एक व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया गया है। ऑटो में वाद्य यंत्र मिलने से आशंका जताई जा रही है कि पीड़ित कलाकार थे। पुलिस ने ट्रक और ऑटो को जब्त कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

बालू माफियाओं ने ट्रैक्टर से कुचलकर पुलिस अधिकारी को किया जख्मी, 6 गिरफ्तार

नवादा। बिहार के नवादा जिले में बालू माफिया पुलिस को खुली चुनौती दे रहे हैं। लगातार पुलिस को टारगेट कर रहा है। ताजा मामला नारदीगंज थाना क्षेत्र के मधुबन गांव घटित हुई है,जहां गुरुवार की अहले सुबह अवैध बालू खनन की गुप्त सूचना पर छापेमारी करने पहुंची पुलिस पर बालू माफियाओं ने ट्रैक्टर चढ़ा दिया । जिसमें एक जमादार नागेंद्र कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गए। आनन - फानन में उन्हें पटना के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल वे खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। नारदीगंज के थाना प्रभारी ने बताया कि बालू के अवैध कारोबार की सूचना पर पुलिस बल नदी में पहुंची जहां ट्रैक्टर लेकर जम माफियाओं ने पुलिस अधिकारी नागेंद्र सिंह पर जान करने के नियत से ट्रैक्टर चढ़ा दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें चिंताजना हालत में पटना भेजा गया स्थिति सामान्य बताई जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि इस मामले में 6 बालू माफिया को गिरफ्तार कर लिया गया है । उनकी निशानदेही पर बालू के अवैध कारोबार में शामिल अन्य लोगों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बालू तथा दारू की माफिया गिरी से नवादा जिले में सैकड़ो अपराधी किस्म के लोग करोड़ों रुपये कमा चुके हैं ।जिस कारण इलाके में उनका दबदबा कायम है। दो दिन पूर्व भी कादिरगंज के चौकीदार पर बालू माफियाओं ने हमला कर दिया था ।जिससे गंभीर रूप से वे जख्मी हो गए थे।

छग के जांजगीर में एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या, खाट पर खून से लथपथ मिलीं लाशें

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के भवंतरा गांव में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। जहां गांव में एक ही परिवार के चार लोगों की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। मृतकों में दो पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, परिवार के सदस्य निमार्णाधीन मकान में खाट पर सो रहे थे। बुधवार देर रात अज्ञात हमलावर ने उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। गुरुवार सुबह जब निर्माण कार्य के लिए मिस्त्री मौके पर पहुंचा, तब चारों की लाशें खून से लथपथ हालत में मिलीं। मृतकों की पहचान मेदनी प्रसाद कश्यप (70 वर्ष), उनकी पत्नी कांती बाई (65 वर्ष), नातिन मोगरा (25 वर्ष) और नाती पीतांबर (17 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि चारों निमार्णाधीन मकान में एक ही घर में साथ रहते थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाने शुरू कर दिए हैं। पुलिस ने एक संदिग्ध पड़ोसी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। पुलिस के अनुसार, हत्या के पीछे पुरानी रंजिश, पारिवारिक विवाद या अन्य कारणों की जांच की जा रही है। गांव में भय और आक्रोश का माहौल है तथा पुलिस लगातार निगरानी बनाए हुए है।

राजगढ़ में पुराने विवाद में लाठी-फर्से से जानलेवा हमला, दो महिलाएं सहित पांच गंभीर घायल

राजगढ़। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के कालीपीठ थाना क्षेत्र के ग्राम सेमलावे में पुराने विवाद ने फिर उग्र रूप ले लिया, जब भियापुरा गांव के कुछ लोगों ने लाठी-फर्से से जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में दो महिलाओं सहित पाँच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने गुरुवार को सात लोगों के खिलाफ हत्या का प्रयास, बलवा सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार पीड़ित ललिताबाई तंवर निवासी सेमलावे ने रिपोर्ट में बताया कि लगभग 15 दिन पहले वह परिवार सहित बोलेरो वाहन से एक शादी समारोह में जा रहे थे। रास्ते में ग्राम भियापुरा जोड़ पर खड़े अशोक तंवर को हॉर्न बजाकर रास्ता देने को कहा तो उसने विवाद किया था। मामला उस समय शांत हो गया था, लेकिन बीती बुधवार रात अशोक तंवर साथियों को लेकर सेमलावे गांव पहुंचा और गाली-गलौंज करने लगा। विरोध करने पर उन्होंने लाठी-फर्से से हमला कर दिया, जिसमें गायत्रीबाई (21) पुत्री सूरज तंवर, शंकरलाल (30) पुत्र हजारलाल तंवर, देवसिंह (21) पुत्र गंगाराम तंवर, महेन्द्र (22)पुत्र अर्चनसिंह तंवार और ललिताबाई (40) पत्नी अर्चनसिंह तंवर गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें गायत्रीबाई की हालत नाजुक बताई गई है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने मामले में रोड़जी, कमल, अशोक, प्रभूलाल, चैनसिंह सहित कुल सात आरोपितों के खिलाफ हत्या के प्रयास, बलवा और अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नाली में मिला नवजात शिशु का शव

रायपुर। राजधानी रायपुर के बिरगांव नगर पालिक निगम क्षेत्र में गुरुवार सुबह नाली में एक नवजात शिशु का शव मिला। मामला उरला थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 24 का है। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों के अनुसार आज सुबह कुछ राहगीरों ने नाली में कपड़े में लिपटा नवजात देखा। करीब जाकर देखने पर पता चला कि बच्चे की मौत हो चुकी है। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही उरला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

असम पुलिस की क्राइम ब्रांच के कार्यालय पहुंचे कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा

एजेंसी (हि.स.)
गुवाहाटी

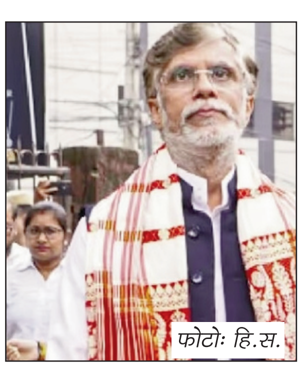
फोटोः हि.स.

असम पुलिस की क्राइम ब्रांच के कार्यालय में पूछताछ में शामिल होने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा आज दूसरे दिन भी पहुंचे। बुधवार रात तक 10 घंटे की पूछताछ के बाद उन्हें जाने दिया गया । खेड़ा के बाहर निकलने तक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई के नेतृत्व में कांग्रेस की एक टीम गुवाहाटी क्राइम ब्रांच कार्यालय के बाहर चाय दुकान पर खड़ी रही। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा के विरूद्ध तीन विदेशी पासपोर्ट रखने को लेकर लगाए गये आरोपों के मामले में पवन खेड़ा क्राइम ब्रांच के कार्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा है।

क्राइम ब्रांच के कार्यालय में पहुंचने के दौरान मौके पर मौजूद मीडिया कर्मियों से पवन खेड़ा ने कल कहा था कि न्यायपालिका पर उन्हें पूरा विश्वास है। साथ ही कहा कि मैं जांच में पूरा सहयोग करूंगा। कल उन्हें क्राइम ब्रांच के कार्यालय में चाय के साथ असम का पेड़ा भी खिलाया गया। आज कामाख्या मंदिर में दर्शन करके निकले मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने इस विषय में पूछे जाने पर कहा कि असम का पेड़ा स्वादिष्ट है। उल्लेखनीय है कि पवन खेड़ा गुवाहाटी में एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाने के बाद से छुपते फिर रहे थे। मुख्यमंत्री की पत्नी ने खेड़ा के आरोपों को झूठा बताते हुए क्राइम ब्रांच में एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस टीम उन्हें गिरफ्तार करने के लिए दिल्ली पहुंची तो वे भूमिगत हो गये। इस बीच खेड़ा ने अग्रिम जमानत के लिए पहले तेलंगाना उच्च न्यायालय और उसके बाद उच्चतम न्यायालय में गुहार लगाई। उच्चतम न्यायालय ने उन्हें गौहाटी उच्च न्यायालय में जमानत के लिए आवेदन करने के लिए कहा। इस बीच गौहाटी उच्च न्यायालय ने पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद फिर से उच्चतम न्यायलय में खेड़ा पहुंचे, जहां न्यायालय ने उन्हें अग्रिम जमानत देते हुए कई तरह की पाबंदियां भी लगाई हैं, जिसके चलते आज भी खेड़ा क्राइम ब्रांच में पूछताछ के लिए पहुंचे हैं।

गुजरात के राजकोट में हाइवे पर आग का गोला बनी बस, चार यात्री जिंदा जले, 30-35 लोगों को बचाया गया

एजेंसी (हि.स.)
राजकोट

फोटोः हि.स.

गुजरात के चोटीला-राजकोट नेशनल हाइवे पर सांगाणी गांव के पास देररात अहमदाबाद से राजकोट की तरफ आ रही एक निजी ट्रैवल्स बस डामर से भरे टैंकर से टकरा गई। पलभर में यह बस आग की लपटों से घिर गई। हादसे में चार यात्रियों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि 10 झुलस गए। शवों की हालत इतनी खराब है कि उनकी पहचान डीएनए टेस्ट के जरिए ही संभव बताई जा रही है। चोटीला एसडीएम एच.टी. मकवाणा ने इसकी पुष्टि की है।

बताया गया है कि रात करीब 1:30 बजे हाइवे पर डामर भरे टैंकर का अचानक टायर फट गया। टायर फटने के बाद टैंकर अनियंत्रित हो गया और पीछे से तेज रफ्तार में आ रही निजी ट्रैवल्स बस उससे जा टकराई। टक्कर के बाद बस में शॉर्ट सर्किट हुआ और देखते ही देखते पूरी बस आग की लपटों में घिर गई। हादसे के समय अधिकांश यात्री नींद में थे। कुछ को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। जान बचाने के लिए यात्रियों ने बस के शीशे तोड़कर कूद गए। कुछ यात्री नीचे फैले गर्म डामर पर गिरने से भी झुलस गए। इनमें लिमडी निवासी नरेंद्र राठौड़ भी है। उसका हाथ बुरी तरह झुलस गया है। झुलसे लोगों को चोटीला में प्राथमिक उपचार देने के बाद राजकोट सिविल अस्पताल रेफर किया गया है। इस हादसे में विधि पटोडिया (18), मेंदरडा, जूनागढ़ नरेंद्र राठौड़ (50), लिमडी, सुरेंद्रनगर और नागराज राणा (30), तलाला, गिर सोमनाथ भी झुलस गई हैं। सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रत्यक्षदर्शी अजय मेवाड़ा ने बताया कि हादसे के बाद बस में धीरे-धीरे आग फैलने लगी। पास स्थित पेट्रोल पंप से फायर सिलेंडर लाकर आग बुझाने की कोशिश की गई, लेकिन टैंकर से बह रहे गर्म डामर के कारण आग लगातार बढ़ती गई। उन्होंने बताया कि करीब 20 से 25 यात्रियों को कांच तोड़कर बाहर निकाला गया, जबकि 4 लोग बस के अंदर ही जिंदा जल गए।

केंद्र ने चीनी के निर्यात पर 30 सितंबर तक रोक लगाई

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

केंद्र सरकार ने घरेलू बाजार में कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए कच्ची, सफेद और रिफाइंड चीनी के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध सितंबर तक लागू रहेगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने 13 मई को देररात इस आशय की अधिसूचना जारी की।

अधिसूचना के अनुसार, चीनी निर्यात नीति में बदलाव किया है। सरकार ने आईटीसी (एचएस) कोड 1701 14 90 और 1701 99 90 के तहत चीनी के लिए एक्सपोर्ट नीति को प्रतिबंधित से बदलकर निषिद्ध कर दिया है। इस आदेश में कच्ची चीनी, सफेद चीनी और रिफाइंड चीनी के एक्सपोर्ट को शामिल किया गया है। ये रोक यूरोपीय संघ और अमेरिका को सीएक्सएल और टीआरक्यू कोटे के तहत, एडवांस ऑथराइजेशन स्कीम (एएएस)के तहत, और अन्य देशों की खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए दोनों सरकारों के शिपमेंट के जरिए किए जाने वाले चीनी निर्यात पर लागू नहीं होगी। यही नहीं, जो खेप पहले से ही निर्यात की प्रक्रिया में हैं, उसे भी इस रोक से छूट दी गई है। अधिसूचना के मुताबिक अगर इसे सितंबर से आगे नहीं बढ़ाया जाता है, तो एक्सपोर्ट नीति वापस प्रतिबंधित श्रेणी में आ जाएगी। उल्लेखनीय है कि केंद्र ने पहले मिलों को 1.59 मिलियन टन चीनी निर्यात की अनुमति दी थी। उत्पादन लगातार दूसरे वर्ष खपत से कम रहने की उम्मीद है। प्रमुख गन्ना उत्पादक क्षेत्रों में गन्ने की पैदावार कमजोर हुई है। भारत, ब्राजील के बाद दुनिया का सबसे बड़ा चीनी निर्यातक है।

प्रोजेक्ट केंद्र की एक्ट ईस्ट-एक्ट फर्स्ट पॉलिसी के तहत पूर्वोत्तर राज्यों का हो रहा विकास

पूर्वोत्तर की कनेक्टिविटी को नई दिशा देगा गुवाहाटी रिंग रोड

इस परियोजना से गुवाहाटी शहर में बढ़ता यातायात दबाव कम होगा

एजेंसी (हि.स.)
गुवाहाटी

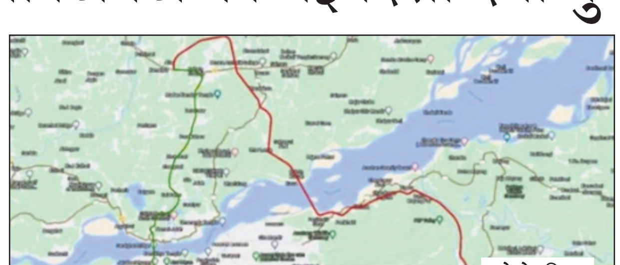
फोटोः हि.स.

केंद्र सरकार की एक्ट ईस्ट-एक्ट फर्स्ट पॉलिसी के तहत पूर्वोत्तर राज्यों का विकास जिस तेजी से हो रहा है। इससे आने वाले वर्षों में पूर्वोत्तर भारत विकसित भारत के विकास का इंजन बन सकेगा। पूर्वोत्तर भारत का द्वार कहे जाने वाले गुवाहाटी शहर के विकास से न सिर्फ पूर्वोत्तर भारत के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा, बल्कि आसियान देशों के लिए भी व्यापार के दरवाजे गुवाहाटी से खुल जाएंगे। ऐसे महत्व वाले शहर गुवाहाटी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है गुवाहाटी रिंग रोड प्रोजेक्ट।

करीब 5,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली महत्वाकांक्षी गुवाहाटी रिंग रोड परियोजना को पूर्वोत्तर भारत की सड़क संपर्क व्यवस्था में बड़ा बदलाव लाने वाला माना जा रहा है। इस परियोजना से गुवाहाटी शहर में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग-27 के ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर पर परिवहन व्यवस्था को अधिक सुगम बनाने का लक्ष्य रखा गया है। बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी) टोल मॉडल के तहत दिनेशचंद्र आर अग्रवाल इंफोकोन प्राइवेट लिमिटेड को सौंपे गए इस प्रोजेक्ट की कुल लंबाई लगभग 121 किलोमीटर होगी। परियोजना के प्रमुख हिस्सों में बाइहाटा चारियाली से सोनापुर तक 55.54 किलोमीटर लंबे ग्रीनफील्ड नॉर्दर्न बाइपास का निर्माण शामिल है। परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में ब्रह्मपुत्र नद पर कुरुआ से नारेंगी के बीच प्रस्तावित छह लेन का पुल भी शामिल है। लगभग तीन किलोमीटर लंबे इस पुल से मालवाहक और यात्री वाहनों की आवाजाही तेज होने की उम्मीद जताई जा रही है। साथ ही इससे गुवाहाटी शहर के भीतर मौजूदा मार्गों पर यातायात का दबाव भी कम होगा। बाइपास और पुल निर्माण के अलावा एनएच-27 के कुछ हिस्सों को चौड़ा करने की योजना भी बनाई गई है। अधिकारियों का मानना है कि इस परियोजना से सिलचर, शिलांग और अपर असम जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों तक संपर्क बेहतर होगा तथा व्यापार, लॉजिस्टिक्स और क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

वन भूमि हस्तांतरण के लिए पर्यावरणीय मंजूरी पहले ही प्रदान की जा चुकी है। हालांकि, हाथी गलियारों (एलिफेंट कॉरिडोर) की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई शर्तें भी लगाई गई हैं। वन्यजीवों की आवाजाही प्रभावित न हो, इसके लिए बशिष्ठ और जोराबाट के बीच एलिवेटेड रोड सेक्शन बनाने का प्रस्ताव रखा गया है। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2025 के मानसून के बाद निर्माण शुरू हो चुका है, जबकि परियोजना को चरणबद्ध तरीके से 2027 से 2030 के बीच पूरा किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 30 वर्ष की कंसेशन अवधि वाले इस मॉडल में चार वर्ष निर्माण के लिए निर्धारित किए गए हैं।

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप रेस में विराट कोहली तीसरे स्थान पर पहुंचे

पर्पल कैप की रेस में भुवनेश्वर शीर्ष पर बरकरार

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की रेस लगातार रोमांचक होती जा रही है। बुधवार को रायपुर में खेले गए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुकाबले के बाद दोनों सूचियों में बड़ा बदलाव देखने को मिला।

फोटोः हि.स.

आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने केकेआर के खिलाफ शानदार शतक जड़ते हुए टीम को 193 रनों के लक्ष्य तक पहुंचाया। इस पारी के साथ कोहली ऑरेंज कैप की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। विराट कोहली ने इस सीजन 12 पारियों में 165.75 के स्ट्राइक रेट से 484 रन बनाए हैं। उनसे आगे सिर्फ गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन (501 रन) और सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन (508 रन) हैं। ऑरेंज कैप की दौड़ में इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा 481 रन के साथ चौथे स्थान पर हैं। दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल 477 रन बनाकर पांचवें स्थान पर मौजूद हैं, जबकि गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल 467 रन के साथ छठे नंबर पर हैं। गेंदबाजों की सूची में आरसीबी के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने पर्पल कैप की दौड़ में बढ़त बना ली है। केकेआर के खिलाफ उन्होंने 1 विकेट हासिल किया, जिसके बाद उनके कुल विकेट 22 हो गए हैं। भुवनेश्वर ने इस प्रदर्शन के साथ गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम 21 विकेट हैं।

पर्पल कैप की सूची में चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 19 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव, गुजरात टाइटंस के राशिद खान, कोलकाता नाइट राइडर्स के कार्तिक त्यागी और सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान मलिंगा के नाम 16-16 विकेट दर्ज हैं।

विराट कोहली का आईपीएल में नौवां शतक, टी20 में सबसे तेज 14,000 रन पूरे

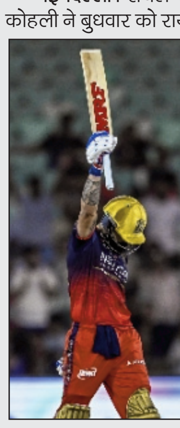

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने बुधवार को रायपुर में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ शानदार शतक जड़ते हुए इतिहास रच दिया। कोहली ने आईपीएल करियर का नौवां शतक लगाने के साथ टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 14,000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद दबाव में दिख रहे 37 वर्षीय कोहली ने केकेआर के खिलाफ शुरूआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया। उन्होंने 60 गेंदों में नाबाद 105 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और तीन छक्के शामिल रहे। कोहली की इस विस्फोटक पारी की बदौलत आरसीबी ने 192 रनों के लक्ष्य का सफल पीछा किया और मुकाबले में 6 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। यह केकेआर के खिलाफ कोहली का दूसरा आईपीएल शतक रहा, जबकि 2024 के बाद यह उनका पहला आईपीएल शतक है। इस शतकीय पारी के साथ विराट कोहली आईपीएल 2026 की ऑरेंज कैप की दौड़ में भी टॉप-5 में पहुंच गए हैं। मौजूदा सीजन में उनके नाम अब 53.77 की औसत से 484 रन हो गए हैं। टी20 क्रिकेट में 14,000 रन पूरे करने वाले कोहली दुनिया के छठे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले एलेक्स हेल्स, कीरोन पोलार्ड, डेविड वॉर्नर, जोस बटलर और क्रिस गेल यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

दिल्ली को ग्लोबल स्पोर्ट्स हब बनाने पर चर्चा, कपिल देव ने दिया सहयोग का भरोसा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

भारत के महान क्रिकेटर और प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के अध्यक्ष कपिल देव ने बुधवार को दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू से मुलाकात की। इस दौरान राजधानी दिल्ली को विश्वस्तरीय ग्लोबल सिटी के रूप में विकसित करने में गोल्फ की संभावित भूमिका पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में पीजीटीआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमनदीप जोहल भी मौजूद रहे। उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार की उन योजनाओं और पहलों का जिक्र किया, जिनका उद्देश्य राजधानी की अंतरराष्ट्रीय पहचान और वैश्विक प्रतिष्ठा को मजबूत करना है। उन्होंने इस दिशा में कपिल देव से सहयोग की अपील भी की।

कपिल देव ने कहा कि दिल्ली में गोल्फ के विकास के लिए मजबूत आधार पहले से मौजूद है और वह ऐसे किसी भी प्रयास में अपना समय और सहयोग देने के लिए तैयार हैं, जो राजधानी की वैश्विक छवि को बेहतर बनाने में मदद करे। उन्होंने कहा कि खेल किसी भी शहर की अंतरराष्ट्रीय पहचान को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। बैठक के दौरान कपिल देव ने उपराज्यपाल को सिख गुरुद्वारों पर आधारित एक विशेष पुस्तक भी भेंट की, जिसे उन्होंने अपने लिए बेहद खास बताया।

चर्चा में दिल्ली के प्रमुख गोल्फ केंद्रों का भी उल्लेख हुआ। इनमें दिल्ली गोल्फ क्लब प्रमुख रहा, जहां प्रतिष्ठित इंडिया चैंपियनशिप आयोजित होती है और दुनिया के कई नामी गोल्फर हिस्सा लेते हैं। इसके अलावा कुतुब गोल्फ कोर्स में हाल ही में पीजीटीआई प्लेयर्स चैंपियनशिप का सफल आयोजन किया गया था। वहीं, द्वारका में प्रस्तावित नए गोल्फ विकास परियोजना पर भी चर्चा हुई, जिसे दिल्ली विकास प्राधिकरण आगे बढ़ा रहा है। अमनदीप जोहल ने कहा कि भारतीय गोल्फ के विकास में दिल्ली की भूमिका बेहद अहम है। उनके अनुसार, मौजूदा सुविधाओं और नई परियोजनाओं के जरिए राजधानी पेशेवर गोल्फ प्रतियोगिताओं का बड़ा केंद्र बन सकती है। बैठक में खेल, पर्यटन, आतिथ्य और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों को जोड़कर दिल्ली को वैश्विक खेल राजधानी के रूप में स्थापित करने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया।

एंड्रयू फ्लिंटॉफ बन सकते हैं सिडनी थंडर के नए मुख्य कोच, जल्द हो सकती है आधिकारिक घोषणा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) फ्रेंचाइजी सिडनी थंडर जल्द ही इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त कर सकती है। ऑस्ट्रेलियाई खेल वेबसाइट कोड स्पोर्ट्स के अनुसार फ्लिंटॉफ इस पद की दौड़ में सबसे आगे रहे और अब उनकी नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा जल्द होने की संभावना है।

फोटोः हि.स.

सिडनी थंडर पिछले कोच ट्रेवर बेलिस से अलग होने के बाद नए मुख्य कोच की तलाश में थी। इंग्लैंड को 2019 वनडे विश्व कप जिताने वाले बेलिस ने पांच वर्षों तक टीम का मार्गदर्शन किया था। उनके कार्यकाल में टीम 2024-25 सीजन के फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन 2023-24 और 2025-26 सीजन में सिडनी थंडर अंतिम स्थान पर रही। ट्रेंट कोपलैंड, जो सिडनी थंडर के महाप्रबंधक हैं, ने बेलिस के जाने के बाद कहा था कि टीम 'विश्वस्तरीय टी20 कोच' की तलाश कर रही है और अब फ्लिंटॉफ के रूप में टीम को बड़ा नाम मिलने जा रहा है। एंड्रयू फ्लिंटॉफ पिछले एक साल से इंग्लैंड लायंस टीम के कोच के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इंग्लैंड लायंस टीम का नेतृत्व भी किया था। इसके अलावा फ्लिंटॉफ इंग्लैंड की सीमित ओवर टीम के साथ सलाहकार की भूमिका भी निभा चुके हैं। फ्रेंचाइजी क्रिकेट में हालांकि उनका अनुभव सीमित रहा है। उन्होंने 2024 और 2025 सीजन में द हंड्रेड लीग की टीम नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स को कोचिंग दी थी। उनके कार्यकाल में टीम चौथे और तीसरे स्थान पर रही। हालांकि 2026 सीजन में वह इस टीम के साथ नहीं होंगे, क्योंकि नए मालिक सन ग्रुप के साथ उनकी शर्तों पर सहमति नहीं बन सकी। फ्लिंटॉफ बीबीएल में खिलाड़ी के तौर पर भी हिस्सा ले चुके हैं। उन्होंने 2014-15 सीजन में ब्रिस्बेन हीट के लिए खेला था। यह उनके 20 साल लंबे पेशेवर करियर की अंतिम टीम भी रही।

यदि फ्लिंटॉफ की नियुक्ति होती है तो उनके सामने सबसे बड़ा फैसला टीम की कप्तानी को लेकर होगा। मौजूदा कप्तान डेविड वॉर्नर पर अप्रैल में शराब पीकर गाड़ी चलाने का आरोप लगा था और इस मामले में 24 जून को अदालत में सुनवाई होनी है। क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स ने हाल ही में अपने कोचिंग ढांचे में कई बदलाव किए हैं। जेम्स होप्स को सिडनी सिक्सर्स का मुख्य कोच बनाया गया है, जबकि ब्रैड हैडिन को न्यू साउथ वेल्स टीम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा पीटर फॉरेस्ट और डेनियल स्मिथ को सहायक कोच नियुक्त किया गया है।

अमेरिकी दिग्गज वीनस विलियम्स करेंगी फ्रेंच ओपन में वापसी

नई दिल्ली। अमेरिका की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स एक बार फिर ग्रैंड स्लैम कोर्ट पर नजर आएंगी। 45 वर्षीय वीनस इस महीने शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन 2026 में महिला युगल मुकाबलों में हिस्सा लेंगी। वह युवा अमेरिकी खिलाड़ी हेली बैपटिस्ट के साथ जोड़ी बनाकर खेलेंगी, जो उनसे 21 साल छोटी हैं। फ्रेंच ओपन आयोजकों ने बुधवार को महिला युगल स्पर्धा के लिए खिलाड़ियों की सूची जारी की, जिसमें वीनस विलियम्स और हेली बैपटिस्ट की जोड़ी भी शामिल है। रोलां गैरां में होने वाला यह प्रतिष्ठित क्ले कोर्ट टूर्नामेंट 24 मई से शुरू होगा। हालांकि वीनस इस बार महिला एकल वर्ग में हिस्सा नहीं लेंगी। वीनस विलियम्स ने इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में वाइल्ड कार्ड के जरिए वापसी की थी, जहां वह पहले दौर में हार गई थीं। इसके साथ ही वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी भी बनी थीं। सात ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीत चुकी वीनस एक समय महिला एकल और युगल दोनों वर्गों में विश्व नंबर-1 रह चुकी हैं। फ्रेंच ओपन में उनका शानदार इतिहास रहा है। वर्ष 2002 में वह महिला एकल फाइनल में अपनी छोटी बहन सेरेना विलियम्स से हार गई थीं।

यूपी टी-20 सीजन चार होगा और भव्य, 14 अगस्त से ग्रीन पार्क में मुकाबले : डॉ संजय कपूर

एजेंसी (हि.स.)
कानपुर

फोटोः हि.स.

ग्रीनपार्क स्टेडियम में यूपी टी-20 लीग के सीजन चार का आयोजन 14 अगस्त से छह सितंबर 2026 तक किया जाएगा। यूपी टी-20 के चेयरमैन डॉ संजय कपूर ने बुधवार को प्रेसवार्ता में बताया कि इस बार लीग को और अधिक भव्य बनाने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में कानपुर सुपर स्टार, लखनऊ फाल्कन्स, गोरखपुर लायन्स, काशी रूद्रास, मेरठ मेवरिक्स और नोएडा सुपरकिंग्स फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी।

डॉ कपूर ने बताया कि इस बार लीग का उद्देश्य यूपी टी-20 को देश की 'मिनी आईपीएल' के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि प्रदेश के 75 जिलों और करीब 25 करोड़ लोगों की प्रतिभा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच देने का माध्यम बन रहा है। उन्होंने कहा कि लीग का आयोजन 'कंसोलिडेशन एंड डिलीवरी' की थीम के साथ किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि फ्रेंचाइजी न्यूनतम छह और अधिकतम बारह खिलाड़ियों को रिटेन कर सकेंगी। प्रत्येक टीम में तेईस से पच्चीस खिलाड़ी शामिल होंगे, जिनमें नीलामी के खिलाड़ियों के साथ स्थानीय कैचमेंट क्षेत्र के खिलाड़ियों को भी मौका दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक टीम के लिए एक करोड़ 25 लाख रुपये निर्धारित किया गया है और उभरते खिलाड़ियों के लिए न्यूनतम फीस संरचना को जारी रखा गया है। डॉ कपूर ने बताया कि ट्रांसफर विंडो एक जून से पंद्रह जून तक और ट्रायल विंडो एक जून से 30 जून तक संचालित होगी। प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में ट्रायल आयोजित किए जाएंगे, ताकि जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान कर उनका विकास सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने बताया कि ट्रायल की शुरूआत एक जून से काशी रूद्रास के साथ होगी। इसके बाद मेरठ मेवरिक्स, लखनऊ फाल्कन्स, गोरखपुर लायन्स और नोएडा किंग्स के ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। सबसे आखिर में कानपुर सुपरस्टार्स के ट्रायल 26 से 30 जून के बीच होंगे। इस प्रक्रिया के जरिए प्रत्येक टीम के लिए 25 खिलाड़ियों का मजबूत स्क्वॉड तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यूपी टी-20 सीजन चार का प्रसारण सोनी नेटवर्क द्वारा किया जाएगा। सोनी को ब्रॉडकास्ट पार्टनर और सोनी लिव को डिजिटल पार्टनर बनाया गया है। इसके अलावा डीडी स्पोर्ट्स पर भी मुकाबलों का सीधा प्रसारण किया जाएगा। डॉ कपूर ने कहा कि लीग को दुनिया के करीब 200 देशों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। आयोजकों का अनुमान है कि अगले तीन वर्षों में लीग के कुल व्यूज 100 करोड़ के आंकड़े को पार कर जाएंगे। डॉ कपूर ने बताया कि इस बार लीग में क्रिकेट के साथ ग्लैमर का तड़का भी देखने को मिलेगा। कई बड़े सेलिब्रिटी पार्टनरशिप और ऑनरशिप मॉडल के जरिए लीग से जुड़ने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीमित इक्विटी भागीदारी के माध्यम से ब्रांडिंग और प्रमोशन को मजबूत किया जाएगा।

दर्पण विशेष

विश्व परिवार दिवसः परिवार के मूल्यों को प्रतिष्ठित करने का विशेष उत्सव

परिवार, किसी भी सामाजिक ढांचे की रीढ़ की तरह काम करता है। हालांकि मौजूदा दौर में परिवारों का विघटन, सामाजिक बिखराव के रूप में देखा जा सकता है। लेकिन पश्चिम हो या पूर्व, दुनिया के प्रत्येक देश में परिवार की मौजूदगी वहां के सामाजिक निर्माण में प्रमुख है। यही कारण है कि हर दौर में इसकी जरूरत हमेशा बनी रही है। आधुनिक समाज में यह आम धारणा है कि छोटा परिवार सुखी परिवार लेकिन हाल ही के दिनों में समय और परिस्थितियों ने इस धारणा को नकारते हुए संयुक्त परिवार खुशहाल परिवार का नारा बुलंद और सार्थक किया है। उदाहरण के तौर पर कोरोना काल ने तो परिवार की इस जरूरत को पुनर्परिभाषित कर दिया। आज का दिन परिवार की इस भूमिका को सेलिब्रेट करने के लिए विशेष है। दरअसल, हर साल 15 मई को 'विश्व परिवार दिवस' मनाया जाता है।

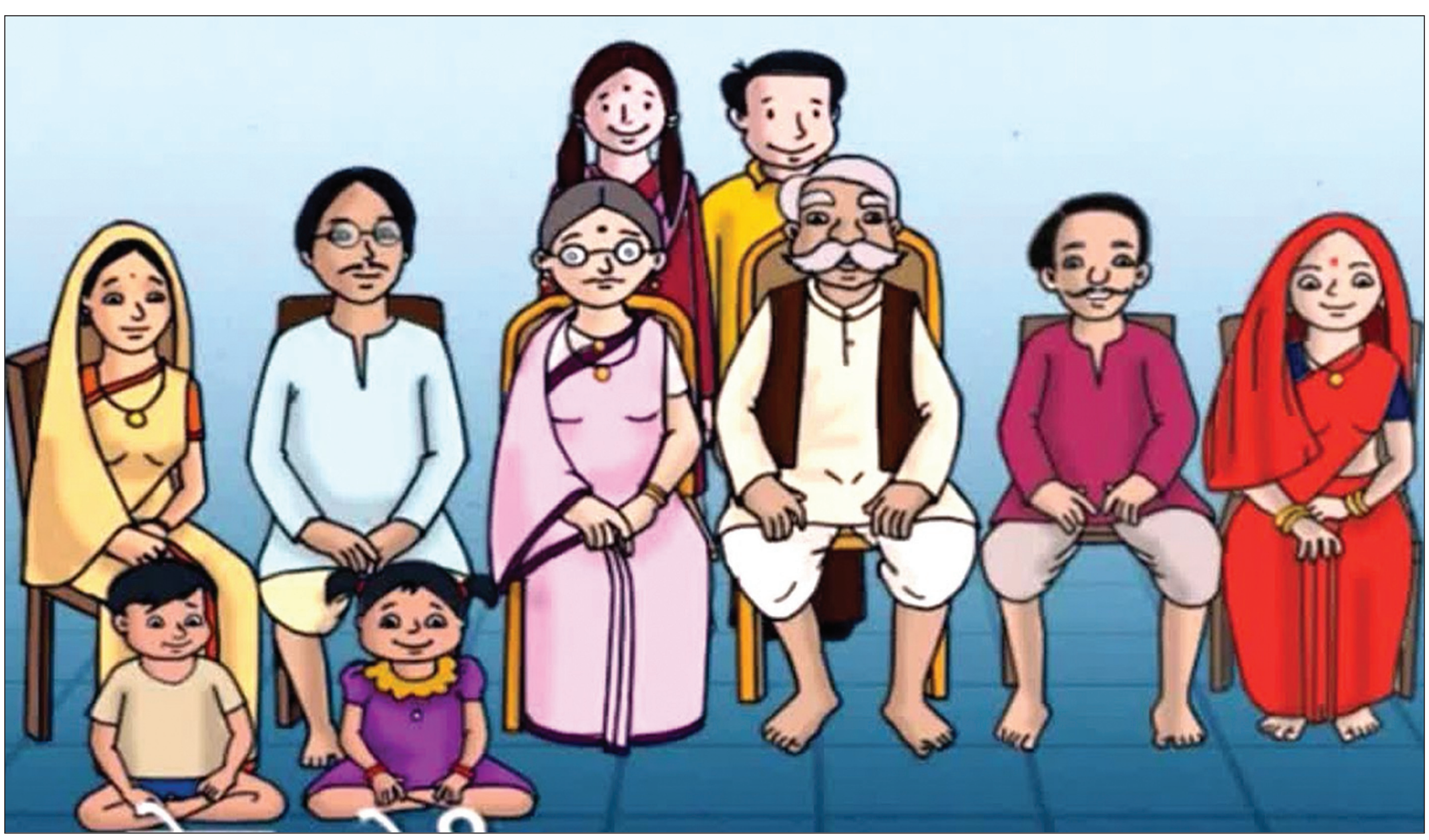

पहली बार कब मनाया गया विश्व परिवार दिवस

ज्ञात हो, पहली बार विश्व परिवार दिवस 1994 में मनाया गया था। हालांकि इस दिन की नींव 1989 में ही रख दी गई थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने जीवन में परिवार के महत्व को बताने के उद्देश्य से 9 दिसंबर 1989 के 44/82 के प्रस्ताव में हर साल अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाने की घोषणा की थी। बाद में साल 1993 में यूएन जनरल असेंबली ने एक संकल्प में परिवार दिवस के लिए 15 मई की तारीख तय कर दी। इसके बाद से हर साल 15 मई को विश्व परिवार दिवस मनाया जाने लगा। इस दिवस को मनाने की वजह दुनियाभर के लोगों को परिवार से जोड़े रखना और परिवार से जुड़े मुद्दों पर समाज में जागरूकता फैलाना है। 1980 के दशक के दौरान, संयुक्त राष्ट्र ने परिवार से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना शुरू किया। 25 सितंबर 2015 को संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों ने सर्वसम्मति से सतत विकास के लक्ष्यों को अपनाया , जिसका लक्ष्य गरीबी, भेदभाव, दुर्व्यवहार व पर्यावरणीय विनाश को रोकना और सभी के लिए विकास के युग की शुरूआत करना है। इस बार विश्व परिवार दिवस की थीम यानी विश्व परिवार दिवस 2024 की थीमः परिवार और जलवायु परिवर्तन रखी गई है। ऐसे में 2024 अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस का उद्देश्य इस बारे में जागरूकता बढ़ाना है कि जलवायु परिवर्तन परिवारों को कैसे प्रभावित करता है और परिवार जलवायु कार्रवाई में क्या भूमिका निभा सकते हैं। परिवार और सामुदायिक पहल के माध्यम से, हम शिक्षा, सूचना तक पहुंच, प्रशिक्षण और सामुदायिक भागीदारी के साथ जलवायु कार्रवाई को बढ़ावा दे सकते हैं।

भारत में रिश्ते-परिवार को दिया जाता है बहुत ही सम्मान

उल्लेखनीय है कि सशक्त देश के निर्माण में परिवार एक अभूतपूर्व संस्था है, जो व्यक्ति के विकास के साथ समाज के विकास में योगदान देता है। भारत जैसे देश में रिश्ते-परिवार को बहुत ही सम्मान दिया जाता है। ऐसे में लोग अपने परिवार के साथ हर साल 15 मई को परिवार दिवस मनाते हैं। परिवार की उपयोगिता को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिन को विश्व स्तर पर मनाने का फैसला लिया था।

'वसुधैव कुटुम्बकम' की सीख देने की प्राथमिक पाठशाला है संयुक्त परिवार

भारत में संयुक्त परिवारों में वृद्धजनों को पूरा सम्मान, सुरक्षा तथा देखभाल मिलती है। हमारे देश में भी संयुक्त परिवारों की श्रेष्ठ परम्परा रही है। केवल इतना ही नहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत का नाम विश्व में गौरवान्वित करते हुए वर्ल्ड लीडर की तरह अपना संदेश दुनिया को देने का सफल प्रयास किया। उन्होंने कहा, भारत ने हमेशा ही विश्व को बुद्ध दिए हैं, युद्ध नहीं। भारत हमेशा से विश्व शांति और एकता का प्रचारक रहा है। भारत जन-कल्याण से जग-कल्याण में विश्वास करता है। इसी के साथ पीएम मोदी यह कह चुके हैं- 'हमारा एक ही मूल मंत्र है- वसुधैव कुटुंबकम, जहां वैश्विक कल्याण का लक्ष्य लेकर हम दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचना चाहते हैं।'

विश्व परिवार दिवस का मूल उद्देश्य परिवारों के विघटन को रोकना

आज के समय में परिवारों का विघटन दिन-प्रतिदिन तेजी से बढ़ रहा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य जीवन में लोगों को संयुक्त परिवार की अहमियत बताना है। संयुक्त परिवार से जीवन में होने वाली उन्नति के साथ, एकल परिवारों और अकेलेपन के नुकसान के प्रति युवाओं को जागरूक करना भी विश्व परिवार दिवस का मूल उद्देश्य है, जिससे युवा अपनी बुरी आदतों (शराब, धूम्रपान, जुआ, गंदा नशा आदि) को छोड़कर एक सफल जीवन की शुरूआत संयुक्त परिवार में रह कर सकें।

आज आवश्यकता है इस बात की

आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार को केवल उपभोग और सुविधा का केंद्र न बनाकर उसे 'अहिंसा की प्रयोगशाला' बनाया जाए। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाना नहीं है। कठोर शब्दों से बचना, अपमान न करना, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, क्रोध पर संयम रखना, संवाद बनाए रखना और क्षमा का अभ्यास करना भी अहिंसा है। यदि परिवार के भीतर हिंसक भाषा, कटुता, अपमान और असहिष्णुता होगी तो समाज में शांति की कल्पना कैसे की जा सकती है? परिवार वह पहला स्थान होना चाहिए जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा का पाठ सीखे। जहां उसे यह सिखाया जाए कि जीवन प्रतियोगिता नहीं, सह-अस्तित्व है। जहां बुजुर्ग बोझ नहीं, अनुभवों की धरोहर माने जाएं। जहां स्त्री को सम्मान मिले, बच्चों को संस्कार मिले और युवाओं को विश्वास मिले। आज दुनिया में बढ़ती हिंसा का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिवारों में संवाद और संवेदना कमजोर हो रही है। बच्चे मोबाइल से बातें कर रहे हैं, लेकिन माता-पिता से नहीं। परिवार साथ रहते हुए भी भीतर से बिखर रहा है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को असुरक्षित बना दिया है। यूक्रेन-रूस युद्ध हो या पश्चिम एशिया के संघर्ष, इन सबका सबसे अधिक प्रभाव परिवारों पर ही पड़ता है। लाखों लोग विस्थापित हो जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और महिलाएं असुरक्षा का सामना करती हैं। इन वैश्विक संकटों के बीच परिवार ही वह इकाई है जो टूटे हुए मनुष्य को फिर जीने का साहस देती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र इस वर्ष परिवार-केंद्रित नीतियों पर विशेष बल दे रहा है। क्योंकि सतत विकास केवल आर्थिक विकास से संभव नहीं, बल्कि मजबूत और मूल्यनिष्ठ परिवारों से ही संभव है। भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति भी उसका परिवार तंत्र रहा है। यहां परिवार केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्था है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य केवल युद्ध कथाएं नहीं, बल्कि पारिवारिक मूल्यों, संबंधों, कर्तव्यों और त्याग की महान गाथाएं हैं। भारतीय जीवनदृष्टि 'वसुधैव कुटुम्बकम' की बात करती है-अर्थात पूरी पृथ्वी ही परिवार है। यदि इस भावना को व्यवहार में उतारा जाए तो युद्ध, हिंसा, आतंक और घृणा की कोई जगह नहीं बचेगी। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज परिवारों में भी उपभोक्तावादी संस्कृति प्रवेश कर चुकी है। रिश्तों को भी लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाने लगा है। सहनशीलता कम हो रही है और अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। छोटी-छोटी बातों पर टूटते संबंध इस बात का संकेत हैं कि हमने सुविधा तो बढ़ाई, लेकिन संवेदना खो दी। जबकि परिवार की असली ताकत संपत्ति नहीं, बल्कि विश्वास होता है। जहां विश्वास बचा रहता है, वहां अभाव भी उत्सव बन जाते हैं; और जहां विश्वास टूट जाता है, वहां वैभव भी बोझ बन जाता है। आज परिवारों को नई दिशा देने की आवश्यकता है। घरों में सामूहिक भोजन की परंपरा लौटे, संवाद का समय तय हो, बुजुर्गों के अनुभवों को महत्व मिले, बच्चों को केवल करियर नहीं बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा मिले। परिवारों में क्रोध के स्थान पर करुणा, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग और अधिकार के स्थान पर कर्तव्य की भावना विकसित करनी होगी। यही परिवार को अहिंसा की प्रयोगशाला बना सकता है। दरअसल, भविष्य की सबसे बड़ी लड़ाई हथियारों की नहीं, मूल्यों की होगी। जिस समाज के परिवार टूट जाएंगे, वहां सामाजिक स्थिरता भी नहीं बचेगी। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है।

यूटी गृह सचिव-सह-सचिव वन ने वर्ष 2026-27 की पौधारोपण योजना की समीक्षा की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

चंडीगढ़ प्रशासन के गृह सचिव-सह-सचिव वन श्री मंदीप सिंह बराड़ ने आज यूटी सचिवालय में वर्ष 2026झ27 की पौधारोपण योजना को लेकर एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मुख्य वन संरक्षक, नगर निगम आयुक्त, वन संरक्षक, नगर निगम एवं इंजीनियरिंग विभाग के मुख्य अभियंता, निदेशक स्कूल शिक्षा तथा चंडीगढ़ प्रशासन एवं केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक ने एक विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें वर्ष 2025झ26 के पौधारोपण अभियान के लक्ष्यों एवं उपलब्धियों के साथ-साथ विभिन्न विभागों एवं एजेंसियों द्वारा लगाए गए पौधों की जीवित रहने की प्रतिशतता की जानकारी दी गई। बताया गया कि गत वर्ष चंडीगढ़ में 5,76,221 के लक्ष्य के मुकाबले कुल 6,64,133 पौधारोपण एवं पौध वितरण किया गया। वर्ष 2026झ27 के लिए 4,10,725 पौधारोपण एवं पौध वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस वर्ष भी वन विभाग का मुख्य फोकस संख्या की बजाय गुणवत्तापूर्ण पौधारोपण पर रहेगा। विभाग द्वारा 21 एवं 22 मई को सभी संबंधित विभागों एवं एजेंसियों के लिए पौधारोपण तकनीक एवं पौधारोपण उपरांत देखभाल विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। श्री मंदीप सिंह बराड़ ने सभी हरित एजेंसियों के प्रयासों तथा विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त 79 प्रतिशत पौध जीवित रहने की दर की सराहना करते हुए कहा कि लगाए गए पौधों की जीवित रहने की दर को बनाए रखने एवं और बेहतर करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं। सचिव ने निर्देश दिए कि इस वर्ष के पौधारोपण अभियान में विशेष रूप से गैप प्लांटेशन पर ध्यान केंद्रित किया जाए, खासकर नगर निगम एवं इंजीनियरिंग विभाग द्वारा। उन्होंने कहा कि पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक के दृष्टिकोण एवं निर्देशों के अनुरूप सड़कों के किनारों एवं खुले स्थानों को व्यापक रूप से पौधारोपण गतिविधियों से आच्छादित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि शहर में जहां-जहां पौधारोपण में कमी है, उन सभी स्थानों को पूर्ण रूप से कवर कर 100 प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि शैक्षणिक संस्थानों में उपयोगिता आधारित पौधारोपण किया जाए ताकि जहां संभव हो, वहां उत्पाद का उपयोग मिड-डे मील के लिए भी किया जा सके। इसके अतिरिक्त, चंडीगढ़ पुलिस को भी विभिन्न परिसरों, जिनमें आईआरबी बटालियन परिसर एवं पुलिस प्रशिक्षण संस्थान शामिल हैं, की सीमाओं के साथ पौधारोपण गतिविधियां शुरू करने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए गए।

उपायुक्त की अध्यक्षता में बाढ़ मॉक अभ्यास का मोरनी के टिकर ताल में हुआ सफल आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा की अध्यक्षता में आज मोरनी के गांव टिकर ताल में बाढ़ मॉक अभ्यास सफलतापूर्वक आयोजित की गई। उपायुक्त ने मोरनी निवासियों से बाढ़ की स्थिति आने पर अपने-अपने घरों में रहने की अपील की ताकि जानमाल के नुकसान से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा का कोई संकेत नही मिलता, यह अचानक ही दस्तक देती है। भारी बारिश व बाढ़, भूस्खलन व प्राकृतिक आपदा के समय लोग अपने-अपने घरों में बने रहे। नदी, तालाब व पानी भराव की जगह आने से बचे ताकि बाढ़ की स्थिति में स्वयं व अपने परिजनों को सुरक्षित रखा जा सके और किसी तरह की जान माल की हानि से बचाव हो सके।

उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन के अधिकारियों के अलावा, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और अन्य आपातकालीन विभागों जैसे अग्निशमन सेवा, स्वास्थ्य, पुलिस, होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा, रेड क्रॉस, आईटीबीपी, सिंचाई, वन, राजस्व, आर्मी, एनवाईके, एनसीसी के वॉलिंटियरों, ह्रआपदा मित्रह्र स्वयंसेवकों, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, नेहरू युवा केंद्र, स्वयंसेवकों, स्थानीय एनजीओज और अन्य हितधारकों ने भी इस अभ्यास में भाग लिया। उन्होंने जिले के निवासियों से अपील की कि वे घबराएँ नहीं, क्योंकि यह अभ्यास केवल एक मॉक अभ्यास है, जिसका उद्देश्य आपदा से निपटने की तैयारियों और बचाव तंत्र को मजबूत करना है।

उन्होंने आगे निर्देश दिया कि जनता को बाढ़ सुरक्षा और मॉक अभ्यास के उद्देश्य के बारे में जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए ताकि जिलावासियों को प्राकृतिक आपदा के आने पर उससे बचने के उपायों की जानकारी मिल सके और वे इसे अपनाकर अपने जीवन को सुरक्षित रख सके। उन्होंने आगे कहा कि इस अभ्यास से संचार प्रणालियों में सुधार व प्रारंभिक चेतावनी के प्रसार, लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने की प्रक्रियाओं और संसाधनों को जुटाने में मौजूद कमियों की पहचान करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर, यह मॉक ड्रिल प्रतिक्रिया समय को कम करने, जान-माल के नुकसान को न्यूनतम करने, और बाढ़ के प्रति तैयारी करने में महत्वपूर्ण योगदान करेगी। आपदा प्रबंधन की प्रोजैक्ट अधिकारी अंजू राणा ने बताया कि मॉक अभ्यास में राज्य के तेरह (13) बाढ़-संभावित जिलों को शामिल किया गया, जिनमें अंबाला, फरीदाबाद, फतेहाबाद, गुरुग्राम, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, पंचकूला, पानीपत, पलवल, सिरसा, सोनीपत और यमुनानगर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस अभ्यास से लोगों को बाढ़ व जल भराव की स्थिति में किस तरह से अपने आपको बचाना है व अन्य लोगों को भी कैसे जागरूक करना है, इसके बारे में जानने का मौका मिलेगा। उन्होंने बताया कि आज बाढ़ आपदा अभ्यास में गांव के लोगों ने भी बढ़चढ़कर बाढ़ की स्थिति व बचाव के बारे में जानकारी हासिल की। उन्होंने बताया कि आज बाढ़ से बचाव मॉक अभ्यास में दो लोगों को पानी से रैस्क्यू किया गया और सिविल डिफेंस की टीम ने चार लोगों को घर से बचाकर सुरक्षित स्थान पर पंहुचाया। इस अवसर पर एसडीएम व मॉक अभ्यास के नोडल अधिकारी श्री चंद्रकांत कटारिया, एसडीएम कालका सयंम गर्ग, माई भारत एनएसएस, एनसीसी व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

समर्पण दिवस का आयोजन: परमानन्द की प्राप्ति केवल सत्गुरु के प्रति समर्पण से

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

संसार के भौतिक सुख क्षणभंगुर होते हैं, जबकि सत्गुरु की कृपा से प्राप्त होने वाला आनंद स्थायी, दिव्य एवं परमानंद स्वरूप होता है। यही कारण है कि संत महापुरुष सदैव गुरु भक्ति, समर्पण और विनम्रता को जीवन का मूल आधार बताते आए हैं। जब मनुष्य अपने अहंकार, इच्छाओं एवं शिकायतों का त्याग कर पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के साथ स्वयं को ईश्वर एवं सत्गुरु के चरणों में समर्पित कर देता है, तब उसे न केवल सांसारिक सुख, बल्कि आत्मिक शांति एवं परमानंद की अनुभूति भी प्राप्त होती है, ये प्रेरणादायक विचार आज सैक्टर-30 स्थित सन्त निरंकारी सत्संग भवन में सत्गुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज की पावन स्मृति में आयोजित समर्पण दिवस निरंकारी सन्त समागम के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए यहां के जोनल इंचार्ज श्री ओ.पी. निरंकारी ने व्यक्त किए।

श्री निरंकारी ने आगे कहा कि सच्चा समर्पण किसी भय, दबाव, स्वार्थ अथवा बाहरी प्रदर्शन से नहीं, बल्कि श्रद्धा, प्रेम और विश्वास से उत्पन्न होता है। जब मनुष्य यह अनुभव कर लेता है कि उसका अस्तित्व तथा समस्त सृष्टि निरंकार की कृपा का ही परिणाम है, तभी उसके भीतर वास्तविक समर्पण की भावना जागृत होती है। श्री निरंकारी ने कहा कि सत्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के प्रति हमारी वंदना केवल शब्दों या औपचारिकताओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि यह हमारे व्यवहार, आचरण और जीवन शैली में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देनी चाहिए। गुरु कृपा से मनुष्य के भीतर प्रेम, विनम्रता, सहनशीलता और सेवा भाव का विकास होता है। सत्गुरु के चरणों से जुड़कर व्यक्ति के जीवन के बंद पड़े भाग्य द्वार भी खुल जाते हैं तथा वह निराशा से निकलकर सकारात्मकता, आत्मविश्वास और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठता है।

गुरु-शिष्य संबंध की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह संबंध अत्यंत पवित्र, अटूट एवं आत्मिक होता है। गुरु केवल मार्गदर्शक ही नहीं, बल्कि माता-पिता के समान होते हैं, जो अपने शिष्य को आध्यात्मिक ज्ञान देकर जीवन की सही दिशा प्रदान करते हैं। जब शिष्य गुरु की शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करता है, तभी उसका जीवन वास्तव में सफल, सार्थक एवं धन्य बनता है। इससे पूर्व अनेक वक्ताओं एवं श्रद्धालुओं ने सत्गुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज के जीवन, व्यक्तित्व एवं उनकी शिक्षाओं पर आधारित गीत, कविता, विचार एवं भाषण प्रस्तुत कर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। पूरा समागम श्रद्धा, प्रेम, सेवा एवं मानव एकता के संदेश से ओत-प्रोत भक्तिमय वातावरण में सम्पन्न हुआ।

भाजपा ओबीसी मोर्चा सदस्य सप्ताह में एक दिन साइकिल से जाएंगे काम पर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

चंडीगढ़ में भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सत्यपाल वर्मा जी के नेतृत्व में सन इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पेट्रोल बचाओ एवं पर्यावरण संरक्षण के आह्वान से प्रेरित होकर ओबीसी मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि सप्ताह में एक दिन अपने-अपने कारोबार एवं कार्यस्थलों पर साइकल द्वारा जाएंगे। इस अवसर पर जिला डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के अध्यक्ष सुनीता सैनी, जिला डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अध्यक्ष संदीप सिंह वर्मा जी तथा ओबीसी मोर्चा के अन्य कार्यकताओं ने भी इस अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। प्रदेश अध्यक्ष सत्यपाल वर्मा जी ने कहा कि यह पहल न केवल पेट्रोल की बचत करेगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं स्वस्थ जीवनशैली को भी बढ़ावा देगी। ओबीसी मोर्चा चंडीगढ़ सभी कार्यकताओं एवं नागरिकों से अपील करता है कि वे भी इस जनहित एवं राष्ट्रहित के अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें।

संक्षिप्त-समाचार

राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने मूक-बधिर बच्चों के साथ मनाया अपना जन्मदिन

पंचकूला। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने पंचकूला स्थित हरियाणा वेलफेयर सोसाइटी फॉर पर्सन्स विद स्पीच एंड हियरिंग इंपेयरमेंट पहुंचकर अपना जन्मदिवस एक बेहद खास और मानवीय अंदाज में मनाया। यहाँ उन्होंने मूक-बधिर बच्चों के बीच अपना समय बिताया और उनके साथ केक काटकर खुशियां सांझा की। इस अवसर पर कालका से विधायक शक्ति रानी शर्मा भी उनके साथ विशेष रूप से मौजूद रहीं। संस्थान पहुंचने पर बच्चों ने सांसद का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्तिकेय शर्मा ने न केवल बच्चों के साथ केक काटा, बल्कि उन्हें विभिन्न उपहार और मिठाइयां भेंट कर उनके दिन को उत्साह से भर दिया। सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि इन मासूम बच्चों के साथ अपना जन्मदिन मनाना उनके जीवन के सबसे सुखद और यादगार पलों में से एक है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि ये सभी बच्चे उनके परिवार के सदस्य जैसे हैं और समाज के इन विशेष बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाना ही उनके जन्मदिन का सबसे बड़ा और असली तोहफा है। सांसद ने संस्थान के प्रबंधन और बच्चों को विश्वास दिलाया कि उन्हें भविष्य में किसी भी प्रकार की असुविधा या संसाधन की कमी नहीं आने दी जाएगी। इस दौरान बच्चों के बीच सांसद के आगमन को लेकर जबरदस्त उत्साह और खुशी देखी गई। संस्थान के स्टाफ ने सांसद की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विशेष बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें यह अहसास होता है कि समाज उनके साथ खड़ा है।

माजरा महताब कालका क्षेत्र में सफाई एवं विकास कार्यों का किया गया निरीक्षण

पंचकूला। नगर निगम पंचकूला के आयुक्त श्री विनय कुमार के निदेर्शानुसार कार्यकारी अधिकारी-सह-उप-नगर आयुक्त, नगर परिषद कालका श्री अभे सिंह द्वारा आज माजरा महताब कालका क्षेत्र का निरीक्षण किया गया । इस अवसर पर श्री कृष्ण लाल लाम्बा, प्रधान नगर परिषद कालका तथा वार्ड न0-25 के वार्ड पार्षद श्री रवि चौधरी एंव अन्य गणमान्य नागरिक एंव परिषद अभियन्ता श्री दीपक सुखिजा, श्री अजय कुमार, कनिष्ठ अभियन्ता, श्री अंकित कुमार सफाई निरीक्षक, श्री अनील कुमार, सहायक सफाई निरिक्षक एंव अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, सफाई व्यवस्था, जलभराव बिंदुओं एवं चल रहे विकास कार्यो की समीक्षा की गई। साथ ही, स्ट्रीट लाइट आदि व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान नागरिकों की समस्याएं एवं सुझाव सुने गए तथा मौके पर ही संबंधित एजेंसियों एवं अधिकारियों को समस्याओं के तत्काल निवारण हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए।

पंचकूला में समाधान समारोह अभियान तेज, मध्यस्थता से होंगे विवादों का समाधान

पंचकूला। अजय कुमार घनघस, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला ने बताया कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शो के अनुसार, एक विशेष राष्ट्रव्यापी अभियान जिसका शीर्षक समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) है, शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लंबित उपयुक्त मामलों का मध्यस्थता और सुलह के माध्यम से सौहार्दपूर्ण निपटारा सुनिश्चित करना है। उन्होने बताया कि इस पहल का नाम सुप्रीम कोर्ट एक्शन फॉर मीडिएटेड एडजुडिकेशन एंड डिस्प्यूट्स हामोर्नाइजेशन अक्रॉस नेशन है। यह 21 अप्रैल, 2026 से शुरू हुई और 21, 22 और 23 अगस्त, 2026 को आयोजित होने वाली एक विशेष लोक अदालत के साथ समाप्त होगी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पक्षों को बातचीत और मध्यस्थता के माध्यम से विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे मुकदमेबाजी कम हो और त्वरित न्याय को बढ़ावा मिले।

ड्रग्स कंट्रोल विंग, चंडीगढ़ द्वारा केमिस्ट शॉप पर संयुक्त छापेमारी

चंडीगढ़। मुख्य सचिव, यू.टी. चंडीगढ़ प्रशासन के निदेर्शो तथा सचिव स्वास्थ्य, यू.टी. प्रशासन एवं निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, यू.टी. प्रशासन के मार्गदर्शन में ड्रग्स कंट्रोल विंग, चंडीगढ़ एवं एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स, चंडीगढ़ पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा सेक्टर-45 (बुड़ैल), चंडीगढ़ स्थित विभिन्न केमिस्ट दुकानों पर छापेमारी की गई। संयुक्त टीम में श्री तजिंदर सिंह, ड्रग्स इंस्पेक्टर (साउथ) एवं एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स, चंडीगढ़ पुलिस के अधिकारी शामिल थे। छापेमारी के दौरान ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट/रूल्स के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन पाया गया। इस दौरान 01 प्रकार की एलोपैथिक दवा (कोडीन युक्त कफ सिरप), जिसके दुरुपयोग की संभावना थी, को जब्त किया गया। निरीक्षण के दौरान फर्म के विभिन्न नशीली एवं आदत बनाने वाली दवाओं के रिकॉर्ड की जांच की गई। जांच में पाया गया कि खरीद-बिक्री रिकॉर्ड तथा शेड्यूल ल्ा रजिस्टर का रखरखाव नहीं किया जा रहा था। फर्म के विरुद्ध कानून के प्रावधानों के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है तथा मामले की आगे जांच जारी है। जब्त दवा को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, चंडीगढ़ की अदालत में प्रस्तुत किया जा रहा है तथा फर्म को कारण बताओ नोटिस जारी किया जा रहा है। फर्म के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस प्रकार के अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेंगे।

स्टेट कराटे चैंपियनशिप में महाराजा जस्सा सिंह रामगढ़ियां स्कूल का शानदार प्रदर्शन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

महाराजा जस्सा सिंह रामगढ़िया पब्लिक स्कूल, सेक्टर-27 डी चंडीगढ़ के छात्रों ने चंडीगढ़ स्टेट कराटे चैंपियनशिप 2026-27 में शानदार सफलता हासिल की। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन चंडीगढ़ कराटे एसोसिएशन द्वारा किया गया था। प्रिंसिपल सुदेश कोहली, नीरज सिक्का, स्टाफ सदस्यों और विक्रांत के कुशल मार्गदर्शन में, युवा कराटे खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और विभिन्न आयु और भार वर्गों में कुल 18 पदक जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया। पदकों की इस सूची में 7 स्वर्ण पदक, 4 रजत पदक और 7 कांस्य पदक शामिल थे। कुल 18 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था और उन सभी ने पदक जीते।

स्वर्ण पदक विजेता: तृषा कुमारी, सोना, काव्या मेहरा, अगमवीर सिंह, अर्शवीर सिंह चिराग, अर्पित मौर्य

रजत पदक विजेता: युशिका वर्मा, तन्वी वर्मा, श्रेयन सिंह, कपिश

कांस्य पदक विजेता: मन्नत, माही शर्मा, तनवीर कौर, इश्मीत कौर, कुणाल, परम वर्मा, एकमजीत सिंह

स्कूल प्रबंधन के चेयरमैन एस. एच. एस. रानौता, प्रेसिडेंट एस. मनविंदर सिंह रानौता, मैनेजर जनक सिंह राजल, एस. बलदेव सिंह कालसी और एसएम सी सदस्यों ने 10 मई 2026 को बॉक्सिंग हॉल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-56 चंडीगढ़ में आयोजित स्टेट कराटे चैंपियनशिप में इस शानदार उपलब्धि के लिए सभी विजेताओं, अभिभावकों और स्टाफ सदस्यों को हार्दिक बधाई और धन्यवाद दिया।

स्वास्थ्य सचिव ने राज्य गुणवत्ता आश्वासन समिति की बैठक की अध्यक्षता की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

यू.टी. चंडीगढ़ प्रशासन के स्वास्थ्य सचिव श्री मंदीप सिंह बराड़ की अध्यक्षता में राज्य गुणवत्ता आश्वासन समिति (रदअउ) की बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्य के स्वास्थ्य संस्थानों में गुणवत्ता प्रमाणन की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में यू.टी. चंडीगढ़ के उपायुक्त श्री निशांत कुमार यादव, स्वास्थ्य सेवाएं निदेशक-सह-एमडी एनएचएम डॉ. सुमन सिंह, डायरेक्टर प्रिंसिपल जीएमसीएच-32 डॉ. रवनीत कौर, विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों, इंजीनियरिंग विभाग के प्रतिनिधियों तथा अन्य समिति सदस्यों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान स्वास्थ्य सचिव ने पांच स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त करने की उपलब्धि की समीक्षा की, जिनमें जिला अस्पताल, जीएमएसएच-16 ने 96.29% अंक प्राप्त किए। उन्होंने 11 स्वास्थ्य संस्थानों को राज्य गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त होने की भी समीक्षा की और इसे चंडीगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि वर्तमान अंक उत्साहवर्धक हैं, लेकिन यू.टी. चंडीगढ़ के सभी सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों को राष्ट्रीय मान्यता दिलाना अंतिम लक्ष्य है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए उन्होंने संबंधित विभागों को मौजूदा बुनियादी ढांचे एवं सेवाओं की कमियों को दूर करने हेतु समयबद्ध कार्ययोजनाएं तैयार कर उन्हें लागू करने के निर्देश दिए।

उन्होंने इंजीनियरिंग विभाग को भी राज्य गुणवत्ता प्रकोष्ठ के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सभी आवश्यक इंजीनियरिंग कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणन के निर्धारित मानकों के अनुरूप सभी बुनियादी ढांचा संबंधी आवश्यकताएं पूरी की जा सकें।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अजय कुमार घनघस ने पोक्सो कानून की दी विस्तृत जानकारी

मानव मंगल स्कूल में पोक्सो एक्ट पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

श्री अजय कुमार घनघस, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला ने बताया कि आज मानव मंगल स्कूल सेक्टर 11 में एक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर पूरे पंचकूला जिले के स्कूलों में चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012 पोक्सो एक्ट के प्रावधानों और प्रभावों के बारे में जानकारी देना था।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूली बच्चों में उनके कानूनी अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा और कानून के तहत मिलने वाली सुरक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना था। स्कूल प्रशासन ने श्री अजय कुमार घनघस का गर्मजोशी से स्वागत किया और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला द्वारा इतने महत्वपूर्ण सामाजिक और कानूनी मुद्दे पर छात्रों को जागरूक करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। शिविर के दौरान श्री घनघस ने पोक्सो अधिनियम के प्रावधानों पर एक जानकारीपूर्ण व्याख्यान दिया और वर्तमान समय में बाल संरक्षण कानूनों के महत्व को समझाया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012 बच्चों को यौन हमले, यौन उत्पीड़न और अश्लील सामग्री से जुड़े अपराधों से बचाने के लिए बनाया गया है। साथ ही, इसका उद्देश्य नामित विशेष न्यायालयों के माध्यम से अपराधों की रिपोर्ट करने, सबूत दर्ज करने, जांच करने और त्वरित सुनवाई के लिए बच्चों के अनुकूल तंत्र उपलब्ध कराना है। उन्होंने आगे समझाया कि कानून की नजर में किसी नाबालिग की सहमति मान्य नहीं होती है, और पोक्सो अधिनियम के दायरे में आने वाला कोई भी कृत्य गंभीर दंडात्मक परिणामों को आमंत्रित करता है, जिसमें कठोर सजा भी शामिल है। उन्होंने छात्रों को ऐसे मामलों में शामिल बच्चों और परिवारों पर पड़ने वाले सामाजिक, शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक प्रभावों के बारे में जागरूक किया, और छात्रों को अपने आचरण में सतर्क और जिम्मेदार बने रहने की सलाह दी। सुरक्षित व्यवहार, साइबर सुरक्षा, सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग और ऑनलाइन शोषण तथा दुर्व्यवहार से सुरक्षा पर भी विशेष जोर दिया गया। छात्रों को अपराधों की रिपोर्ट करने और कानूनी सहायता प्राप्त करने के लिए उपलब्ध विभिन्न तंत्रों के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया और श्री घनघस द्वारा आयोजित प्रश्न-उत्तर सत्र के दौरान गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने बाल-अनुकूल योजना के बारे में भी जागरूकता फैलाई और बच्चों की सुरक्षा तथा कल्याण के लिए शुरू की गई विभिन्न बाल-केंद्रित पहलों के बारे में विस्तार से बताया।

श्री तुशांत, पैनल अधिवक्ता, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला ने कार्यक्रम के दौरान रिसोर्स पर्सन की भूमिका निभाई। उन्होंने छात्रों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बच्चों, महिलाओं और समाज के कमजोर वर्गों के लाभ के लिए शुरू की गई विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूक किया। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित किया कि जब भी उन्हें कानूनी सहायता या मार्गदर्शन की आवश्यकता हो, तो वे विधिक सेवा संस्थानों से संपर्क करें। शिविर का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि एक सुरक्षित, संरक्षित और जिम्मेदार समाज के निर्माण के लिए बच्चों में जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। स्कूल प्रशासन, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने डीएलएसए पंचकूला की इस पहल की सराहना की और भविष्य के जागरूकता कार्यक्रमों में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।